राजकीय सम्मान के साथ अजित पवार का अंतिम संस्कार - 12

वैश्वीकरण का अंत करीब स्वदेशी को टाल नहीं सकते - 12

भविष्य की ऊर्जा को लेकर दुनिया की नजरें भारत पर टिकीं : कैमेरा - 13

रणजी में जुरेल शतक से चूके, उत्तर प्रदेश ने बनाए 237 रन - 14

आज का मौसम
21.0° अधिकतम तापमान
10.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.54
सूर्यास्त 05.50


एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

# अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ, बरेली, कानपुर, मुरादाबाद, अयोध्या, हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष द्वादशी 11:09 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 30 जनवरी 2026, वर्ष 35, अंक 360, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये


# भारत उच्च वृद्धि की राह पर, 2026-27 में जीडीपी ग्रोथ 7.2% रहने का अनुमान

## वित्त मंत्री सीतारमण ने संसद में पेश किया आर्थिक रिपोर्ट कार्ड

- कहा- व्यापक आर्थिक आधार मजबूत, वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक किया सामना

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में अर्थिक सर्वेक्षण पेश करतीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद के बजट सत्र में गुरुवार को देश का 'आर्थिक रिपोर्ट कार्ड' पेश किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत का व्यापक आर्थिक आधार पहले से कहीं अधिक मजबूत है। देश ने वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है, जिससे हमारी संभावित जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2026-2027 में 7.2% रहने का अनुमान है।

सीतारमण ने कहा, भू-राजनीतिक विखंडन व आर्थिक उथल-पुथल से भरी इस दुनिया में भारत एक वैश्विक चमकते सितारे के रूप में खड़ा है जो मजबूत, स्थिर और आगे बढ़ने वाला है। हमने वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों का सफलतापूर्वक मुकाबला करते हुए भारत को उच्च वृद्धि पथ पर पहुंचाया है। आर्थिक समीक्षा के अनुसार, वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूत गति बनाए रखी है। एनएसओ (एनएसओ) के अनुमानों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। भारत लगातार चौथे वर्ष सबसे तेजी से बढ़ने वाली दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। समीक्षा ने देश के वृद्धि पूर्वानुमान को तीन साल पहले के 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर अब सात प्रतिशत कर दिया है। समीक्षा के अनुसार, जीएसटी में बदलाव और अन्य सुधारों ने वैश्विक अनिश्चितता को एक अवसर में बदल दिया है और अगला वित्त वर्ष समायोजन का वर्ष होगा क्योंकि अर्थव्यवस्था इन बदलावों के अनुकूल होगी। भारत के विभिन्न देशों के साथ किए गए कई मुक्त व्यापार समझौतों को देखते हुए, समीक्षा में कहा गया है कि व्यापार समझौतों की पूरी क्षमता का लाभ उठाने के लिए भारत को प्रतिस्पर्धी रूप से उत्पादन करना होगा।

इसमें कहा गया है कि यूरोप के साथ एफटीए भारत की विनिर्माण प्रतिस्पर्धी क्षमता, निर्यात क्षमता और रणनीतिक क्षमता को मजबूत करेगा। समीक्षा के अनुसार, ज्यादातर वर्षों में, बाहर से भेजा जाने वाला मनी ऑर्डर (रेमिटेंस) एफडीआई से अधिक रहा है। यह बाह्य वित्त पोषण के एक प्रमुख स्रोत के रूप में इसके महत्व को बताता है। परिणामस्वरूप, 2025-26 की पहली छमाही में चालू खाते का घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 0.8 प्रतिशत पर बना हुआ है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत मार्च 2025 तक 55 करोड़ दो लाख बैंक खाते खोले गए हैं। वर्ष 2005 से 2024 के दौरान देश का वैश्विक व्यापार निर्यात एक प्रतिशत से लगभग दोगुना होकर 1.8 प्रतिशत हो गया है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू उड़ान बाजार बना, हवाई अड्डों की संख्या 2014 से 74 से बढ़कर 2025 में 164 हुई। देश में इस समय 23 आईआईटी, 21 आईआईएम और 20 एम्स, जंजीबार और अबूधाबी में दो अंतर्राष्ट्रीय आईआईटी कैम्पस स्थापित हैं।

### लगातार नौ बार बजट पेश करने वाली पहली महिला वित्त मंत्री होंगी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लगातार नौवीं बार केंद्रीय बजट पेश करना भारत के संसदीय इतिहास में गौरव का विषय होगा। सीतारमण रविवार को संसद में 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश करेंगी। ऐसा करने वाली वह देश की पहली महिला वित्त मंत्री होंगी। पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने 10 बार केंद्रीय बजट पेश किया था, जबकि पी. चिदंबरम ने नौ बार बजट पेश किया, लेकिन वह लगातार नहीं कर सके।

### पिछले एक साल में 18,000 रोजगार मेलों के जरिए 2.22 करोड़ को मिला रोजगार : मांडविया

नई दिल्ली। सरकार ने कहा कि पिछले एक वर्ष के दौरान देशभर में आयोजित 18,000 से अधिक रोजगार मेलों के माध्यम से कुल 2.22 करोड़ लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया। श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने राज्यसभा को प्रश्नकाल के दौरान यह जानकारी दी। पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए उन्होंने बताया कि देश में रोजगार सृजन बढ़ रहा है और बेरोजगारी दर घटकर 3.2 प्रतिशत रह गई है। बीते एक दशक में एनसीएस पोर्टल को मजबूत किया गया है और वर्तमान में इससे 55 लाख कंपनियां जुड़ी हुई हैं। वहीं 2024 के आंकड़ों के अनुसार देश में 64.33 करोड़ रोजगार अवसर उपलब्ध कराए गए।

### भारत 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पर, दुनिया के लिए आशा की किरण बनकर उभर रहा : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत दुनिया के लिए आशा की किरण बनकर उभर रहा है। साथ ही उन्होंने ईयू के साथ हुए एफटीए का उल्लेख करते हुए कहा कि यह महत्वाकांक्षी भारत के लिए है और देश के विनिर्माताओं को इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी क्षमताएं बढ़ानी चाहिए। संसद के बजट सत्र के दूसरे दिन, मोदी ने कहा कि भारत 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। मोदी ने कहा कि उनके आलोचक भी सरकार की अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने की प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हैं और सुधारों की यह परंपरा अगली पीढ़ी के सुधारों के साथ भी जारी रहेगी।

## ब्रीफ न्यूज

### नौसेना ने सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दल का पुरस्कार जीता

नई दिल्ली। इस वर्ष की गणतंत्र दिवस परेड में भारतीय नौसेना ने सशस्त्र बलों की तीनों सेवाओं में सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दल का पुरस्कार जीता है। नौसेना ने इस उपलब्धि को अथक प्रयास, समर्पण और अनुशासन का परिणाम बताया है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकी श्रेणी में महाराष्ट्र ने गणेशोत्सव की थीम पर आधारित अपनी झांकी के लिए पहला पुरस्कार जीता। वहीं, 'वंदे मातरम्' की 150 वर्ष की विरासत को दर्शाने वाली संस्कृति मंत्रालय की झांकी मंत्रालयों और विभागों की श्रेणी में विजेता रही। नौसेना अधिकारियों के अनुसार, नौसेना के मार्चिंग दल में 144 युवा कर्मी शामिल थे, जिन्होंने ऐतिहासिक कर्तव्य पथ पर कंधे से कंधा मिलाकर मार्च किया।

### कांस्टेबल, हेड कांस्टेबल डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने डूंगरपुर जिले में दोवडा थाने के पुलिस कांस्टेबल प्रकाश चन्द्र पटेल और हेड कांस्टेबल अशोक कुमार पाटीदार को डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। ब्यूरो के पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने गुरुवार को बताया कि एसीबी डूंगरपुर को परिवादी ने शिकायत की कि कांस्टेबल प्रकाश चन्द्र ने उसका मोबाइल फोन लेकर कहा कि वह लोकेन्टो खेलकर लोगो के साथ ठगी करता हैं और अब उसके खिलाफ मुकदमा चलेगा। अगर वह इससे बचना हैं तो दोवडा थाने में सीआई साहब से बात करके मुकदमा नहीं होने देंगे और इसकी एवज में उससे दो लाख रुपए की रिश्वत की मांग की जा रही है।

# यूजीसी के नए नियमों पर रोक

## सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हस्तक्षेप नहीं किया तो समाज में विभाजन पैदा होने के साथ खतरनाक प्रभाव पड़ेगा | अगले आदेश तक 2012 वाले नियम लागू रहेंगे, केंद्र सरकार को नया ड्राफ्ट तैयार करने के दिए निर्देश

- पीठ का सुझाव, प्रख्यात न्यायविदों की एक समिति द्वारा विनियमों पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर में जाति आधारित भेदभाव को रोकने से संबंधित हालिया यूजीसी समानता विनियमन पर रोक लगा दी और कहा कि ये विनियम प्रथम दृष्टया अस्पष्ट प्रतीत होते हैं और इनका दुरुपयोग किए जाने की आशंका है। शीर्ष अदालत ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि अगर इस मामले में हस्तक्षेप नहीं किया गया तो इसका खतरनाक प्रभाव पड़ेगा और समाज में विभाजन पैदा होगा।

उच्चतम न्यायालय का यह आदेश उन विभिन्न याचिकाओं के बाद आया है जिनमें यह दलील दी गई थी कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने जाति-आधारित भेदभाव की गैर-समावेशी परिभाषा अपनाई है और कुछ श्रेणियों को संस्थागत संरक्षण से बाहर रखा है। इन नियमों के खिलाफ देश में विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए जिसमें छात्र समूहों और संगठनों ने इन्हें तत्काल वापस लेने की मांग की। केंद्र और यूजीसी को नोटिस जारी करते हुए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे बागची की पीठ ने सुझाव दिया कि प्रख्यात न्यायविदों की एक समिति द्वारा विनियमों पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, (केंद्र, यूजीसी को) नोटिस जारी करें और 19 मार्च तक जवाब दाखिल किए जाए।

सॉलिसिटर जनरल नोटिस स्वीकार करें, तब तक यूजीसी विनियम 2026 स्थगित रहेंगे और 2012 के विनियम लागू रहेंगे। सुनवाई के दौरान पीठ ने टिप्पणी की, प्रथम दृष्टया यही प्रतीत होता है कि विनियमन की भाषा अस्पष्ट है। विशेषज्ञों को भाषा में संशोधन करने की आवश्यकता है ताकि इसका दुरुपयोग न हो सके। उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव संबंधी शिकायतों की जांच करने और समानता को बढ़ावा देने के लिए सभी संस्थानों द्वारा समानता समितियां गठित करने को अनिवार्य बनाने संबंधी नए नियम 13 जनवरी को अधिसूचित किए गए थे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्द्धन हेतु) विनियम, 2026 में यह अनिवार्य किया गया है कि इन समितियों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदाय से तथा दिव्यांग एवं महिला सदस्य शामिल होने चाहिए। नया विनियम यूजीसी (उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देना) विनियम, 2012 का स्थान लेने के लिए अधिसूचित किया गया था। 2012 के नियम मुख्य रूप से परामर्श वाली प्रकृति के थे। इन याचिकाओं में इस विनियम को इस आधार पर चुनौती दी गई कि जाति-आधारित भेदभाव को सिर्फ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के सदस्यों के खिलाफ भेदभाव के रूप में ही परिभाषित किया गया है।

याचिकाओं में कहा गया है कि जाति-आधारित भेदभाव के दायरे को केवल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग तक सीमित करके यूजीसी ने प्रभावी रूप से सामान्य या गैर-आरक्षित श्रेणियों से संबंधित व्यक्तियों को संस्थागत संरक्षण और शिकायत निवारण से वंचित कर दिया है जिन्हें उनकी जातिगत पहचान के आधार पर उत्पीड़न या पूर्वाग्रह का सामना करना पड़ सकता है। उच्चतम न्यायालय मृत्युंजय तिवारी, अधिवक्ता विनीत जिंदल और राहुल दीवान की ओर से दायर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्द्धन हेतु) विनियम, 2026 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था।

### आवारा कुत्तों से संबंधी पूर्व के आदेश में संशोधन संबंधी याचिका पर फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने आवारा कुत्तों के मामले में पहले दिए गए आदेशों में संशोधन का अनुरोध करने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई के बाद गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने न्यायमित्र गौरव अग्रवाल की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अग्रवाल ने पीठ के समक्ष पंजाब, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों द्वारा उठाए गए कदमों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। पीठ ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की ओर से पेश हुए अधिवक्ता की दलीलें भी सुनी, जिसमें 7 नवंबर, 2025 के उस निर्देश के अनुपालन का जिक्र था। अदालत ने प्राधिकरण को राष्ट्रीय राजमार्गों से आवारा पशुओं को हटाने और सड़कों के किनारे बाड़ लगाने के निर्देश दिये थे। न्यायालय ने भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई) को पशु आश्रय स्थलों या पशु जन्म नियंत्रण सुविधाओं के लिए अनुमति मांगने वाले गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के आवेदनों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। पीठ ने एडब्ल्यूबीआई का पक्ष रख रहे अधिवक्ता से कहा, या तो आप आवेदन स्वीकार करें या अस्वीकार करें, लेकिन इसे शीघ्रता से करें। शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी अधिवक्ता की इस दलीप पर की कि सात नवंबर के आदेश के बाद, विभिन्न संगठनों से ऐसे आवेदनों में अचानक वृद्धि हुई है।

# अयोध्या जेल की दीवार फांद दो बंदी फरार, जेल अधीक्षक समेत सात निलंबित

संवाददाता, अयोध्या कार्यालय

- विशेष बैरक में निरुद्ध थे दोनों रोशनदान की ईंट निकालकर पहुंचे जेल की दीवार तक
- कंबल व मफलर की रस्सी बना इमली के पेड़ के सहारे कूदे, सुबह 6 बजे गिनती के समय हुई जानकारी

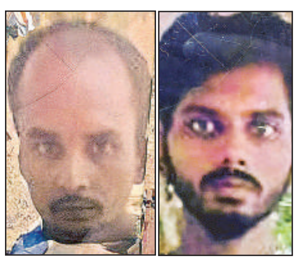

अमृत विचार : जिला कारागार की सुरक्षा में सेंध लगाकर विशेष बैरक में निरुद्ध दो बंदी दीवार फांदकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही जनपद में हड़कंप मच गया। फरार बंदियों की तलाश में पुलिस की तीन टीमों का गठन किया गया है। मामले में डीजी जेल पीसी मीणा ने वरिष्ठ जेल अधीक्षक यूपी मिश्रा, जेलर जेके यादव और डिप्टी जेलर मयंक त्रिपाठी समेत एक हेड वार्डर और तीन वार्डर को निलंबित कर दिया है।

घटना की जानकारी गुरुवार सुबह छह बजे तब हुई, जब बंदियों व कैदियों की गिनती की जा रही थी। इस दौरान विशेष बैरक नंबर एक की कोठरी नंबर चार में एक साथ बंद शेर अली निवासी अमेरमऊ थाना करौंदी कला जिला सुल्तानपुर व गोलू अग्रहरि उर्फ सूरज निवासी मुसाफिरखाना थाना मुसाफिरखाना जिला अमेठी लापता मिले। जब उनके बैरक की जांच की गई तो उसका रोशनदान टूटा मिला। उसमें से 15-20 ईंटे निकली हुई थीं। पता चला कि दोनों बंदी इसमें से निकलकर जेल की दीवार तक गए व बाहर लगा इमली का एक सूखा पेड़, जिसकी डाल जेल के अंदर तक आई थी, उस पर कंबल व मफलर की रस्सी बनाकर उसके सहारे बाहर निकल गए। मौके पर पहुंचे वरिष्ठ जेल अधीक्षक यूपी मिश्र, जेलर, डिप्टी जेलर ने जेल की तलाशी ली व कैदियों व बंदियों से पूछताछ की। भागने वाले स्थान पर हरियाली व अंधेरा होने के कारण सीसीटीवी फुटेज से भी कुछ हासिल नहीं हुआ।

### लापरवाही स्वीकारी संबल, सरिया बरामद

डीआईजी जेल ने जेल प्रशासन की भारी लापरवाही को स्वीकार किया। बताया कि दोनों बंदी रोशनदान की ईंट निकालकर कंबल व मफलर की रस्सी के सहारे जेल की दीवार कूदकर फरार हुए हैं। मौके से एक संबल, सरिया, बांस बरामद हुआ है। निलंबित किए गए सातों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं। बंदी शेर अली हत्या के एक मामले में दो साल व गोलू पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज एक मुकदमे में जिला कारागार में निरुद्ध थे। कोतवाली नगर में केस भी दर्ज कराया गया है।

# चांदी चार लाख के पार, सोना 1.83 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम

नई दिल्ली, एजेंसी

- मेटल की कीमतों में गुरुवार को आई तूफानी तेजी

राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में गुरुवार को चांदी की कीमतें चार लाख रुपये प्रति किलोग्राम के पार पहुंच गईं, जबकि सोना 1.83 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। यह बढ़ोतरी वैश्विक बाजारों में तेज उछाल और सुरक्षित निवेश मानी जाने वाली इन परिसंपत्तियों के लिए निवेशकों की मजबूत मांग के कारण हुई।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी में लगातार चौथे सत्र में तेजी जारी रही और यह 19,500 रुपये, या 5.06 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 4,04,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) पर पहुंच गई। चांदी बुधवार को 3,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। 99.9% शुद्धता वाला सोना भी 12,000 रुपये, या 7.02 प्रतिशत बढ़कर 1,83,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

### सोने की वैश्विक मांग 5,000 टन से अधिक

मुंबई। वैश्विक स्तर पर सोने की मांग 2025 में 5,000 टन से अधिक होकर एक नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई है। विश्व स्वर्ण परिषद की गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, कुल सोने की मांग 2025 में 5,002 टन के नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई, जो पिछले वर्ष 4,961.9 टन थी।

# दिल्ली दंगा मामले में ताहिर व दो अन्य की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली दंगों की बड़ी साजिश के मामले में तीन आरोपियों - सलीम मलिक, अतहर खान और आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन की जमानत याचिकाएं गुरुवार को खारिज कर दीं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी आरोपियों की जमानत याचिकाओं की सुनवाई कर रहे थे और उन्होंने जमानत देने से इनकार कर दिया।

उच्चतम न्यायालय की ओर से इसी मामले में पांच अन्य आरोपियों को जमानत दिए जाने के बाद तीनों आरोपियों ने जमानत याचिकाएं दायर की थीं, जिसमें उन्होंने दलील दी है कि उन पर समान आरोप हैं। इन तीनों आरोपियों पर गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत 2020 के दंगों में कथित संलिप्तता के आरोप लगाए गए हैं।

बैठक | शिक्षा जगत से जुड़े 15 लाख लोगों को राहत, योगी कैबिनेट ने 32 में से 30 प्रस्तावों को दी मंजूरी

# शिक्षकों और कार्मिकों को 5 लाख रुपये तक मुफ्त इलाज

- चीनी मिलों की क्षमता बढ़ाने समय से भुगतान और नई चीनी मिलें खोलने पर भी लगी मुहर
- शहरी विकास, आवास, सड़क औद्योगिक निवेश और पुनर्विकास से जुड़े फैसलों से बढ़ेगा रोजगार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लोकभवन में मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को लोकभवन में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में 32 प्रस्तावों पर चर्चा के बाद 30 को मंजूरी दे दी गई, जबकि चौथा और 17वां प्रस्ताव स्थगित कर दिए गए। सबसे अहम फैसला 15 लाख से अधिक शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मियों के लिए रहा। बेसिक, माध्यमिक और संस्कृत शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त सरकारी, गैर-सरकारी और अनुदानित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों, शिक्षामित्रों, रसोइयों समेत अन्य कर्मियों को सपरिवार 5 लाख रुपये तक का कैशलेस मेडिकल बीमा कवर मिलेगा। इसके साथ ही चीनी मिलें खोलने, क्षमता बढ़ाने व समय से भुगतान समेत शहरी विकास, आवास, सड़क, औद्योगिक निवेश और पुनर्विकास से जुड़े फैसलों से रोजगार सृजन को नई दिशा दी गई।

मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने पत्रकारों को फैसलों की जानकारी दी। बताया गया कि बेसिक शिक्षा परिषद, माध्यमिक शिक्षा परिषद व संस्कृत शिक्षा परिषद के सभी मान्यता प्राप्त अनुदानित, स्ववित्तपोषित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक (व्यावसायिक शिक्षा के विषय विशेषज्ञ व मानदेय शिक्षक सहित) इस सुविधा के दायरे में आएंगे। योजना के तहत आईपीडी (अंतःरोगी) इलाज की कैशलेस सुविधा सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ साचीज़ से जुड़े निजी अस्पतालों में भी उपलब्ध होगी।

इलाज की दरें प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के मानकों के अनुरूप होंगी। योजना का लाभ कर्मियों के आश्रितों को भी मिलेगा। इसमें शिक्षामित्रों, विशेष शिक्षकों, अनुदेशकों, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की वार्डेन, पूर्णकालिक/अंशकालिक शिक्षक-शिक्षिकाओं व प्रधानमंत्री पोषण योजना के रसोइयों और उनके आश्रितों को भी योजना में शामिल किया गया है। अनुमान है कि बेसिक शिक्षा परिषद के 11.95 लाख से अधिक शिक्षक-कर्मी इससे लाभान्वित होंगे।

### सत्यापन के बाद योजना का लाभ

स्ववित्तपोषित मान्यता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों को सत्यापन के बाद योजना का लाभ मिलेगा। इसके लिए जिलों में जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में समितियां गठित होंगी। जो कर्मी पहले से किसी अन्य केंद्र/राज्य स्वास्थ्य योजना (आयुष्मान भारत/मुख्यमंत्री जन आरोग्य) से आच्छादित हैं, उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

### यूपी विधानमंडल का बजट सत्र नौ से

योगी मंत्रिपरिषद ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य विधानमंडल का बजट सत्र 9 फरवरी से आयोजित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। 11 फरवरी को बजट पेश किया जाएगा। अब इसपर अंतिम निर्णय राज्यपाल आनंदीबेन पटेल लेंगी।

# परिवहन विभाग के तीन प्रस्तावों को मिली मंजूरी

## यूपी कैबिनेट बैठक : 351 सहायक मोटरयान निरीक्षक पद सृजित, फेसलेस सेवाएं और ई-वाहनों को दी गई राहत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार :** परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में परिवहन विभाग के तीन महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। कैबिनेट ने 351 सहायक मोटरयान निरीक्षक पद सृजित करने और इसके लिए उप्र. परिवहन (अधीनस्थ) प्राविधिक सेवा (षष्ठम संशोधन) नियमावली, 2026 के प्रख्यापन को मंजूरी दी। इससे शीघ्र ही भर्ती/चयन प्रक्रिया शुरू होगी और सड़क सुरक्षा, प्रवर्तन व राजस्व वसूली को बल मिलेगा।

इसके साथ ही परिवहन सेवा ढांचे को विधिक मान्यता देने को उ.प्र. परिवहन सेवा (सप्तम संशोधन) नियमावली, 2026 को स्वीकृति मिली। परिक्षेत्रों का पुनर्गठन करते हुए गोरखपुर, बुंदेलखंड (झांसी) और अयोध्या में नए परिक्षेत्र गठित होंगे, जिससे निगरानी, क्रियान्वयन और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। तीसरे प्रस्ताव में कर संरचना में सुधार, शुद्ध इलेक्ट्रिक वाहनों को पंजीकरण शुल्क/रोड टैक्स में 100 फीसदी छूट (नीति अवधि के 4वें–5वें वर्ष के लिए कार्योत्तर अनुमोदन) तथा परिवहन विभाग की चार सेवाओं- डीएल में जन्मतिथि संशोधन, पहाड़ी क्षेत्र में वाहन अनुमति, पंजीकरण संख्या रिटेंशन और गैर-उपयोग सूचना परमिट को फेसलेस मोड में लागू करने हेतु उप्र. मोटरयान (32वां संशोधन) नियमावली, 2026 को मंजूरी दी गई।

कैबिनेट बैठक के बाद लोकभवन में पत्रकारों को निर्णयों की जानकारी देते वित्त मंत्री सुरेश खन्ना व बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह।

## फैसले एक नजर में

### गोरखपुर में 721.40 करोड़ की सीवरेज परियोजना को मिली मंजूरी

**अमृत विचार, लखनऊ :** अटल नवीकरण और शहरी रूपांतरण मिशन–2.0 (अमृत–2.0) के अंतर्गत गोरखपुर में सीवरेज व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए बड़ी परियोजना को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। गुरुवार को मंत्रिपरिषद ने नगर निगम क्षेत्र के सीवरेज जोन–ए–3 से संबंधित 721.40 करोड़ की परियोजना को स्वीकृति दी। परियोजना के पूर्ण होने पर 17 वार्डों की 1.95 लाख से अधिक आबादी को सीवेज सुविधा का सीधा लाभ मिलेगा। स्वीकृत लागत में जीएसटी और सेंटेज की राशि शामिल है। इस परियोजना की कुल अनुमोदित लागत 721.40 करोड़ है, जिसमें 27.28 करोड़ सेंटेज शामिल हैं। लागत साझा व्यवस्था के तहत भारत सरकार का अंश 231.35 करोड़, राज्य सरकार का अंश 435.00 करोड़ तथा निकाय का अंश 27.76 करोड़ तय किया गया है। सेंटेज की पूरी राशि राज्य सरकार वहन करेगी। केंद्र, राज्य और निकाय की संयुक्त भागीदारी से परियोजना के समयबद्ध क्रियान्वयन को गति मिलेगी। योजना के तहत 43,604 गृह संयोजनों से जुड़े सीवेज का शोधित निस्तारण किया जाएगा।

### गंगा किसान सहकारी चीनी मिल का होगा आधुनिकीकरण

**अमृत विचार, लखनऊ :** सरकार ने मुजफ्फरनगर के मोरना स्थित गंगा किसान सहकारी चीनी मिल के आधुनिकीकरण और पेराई क्षमता बढ़ाने का निर्णय लिया है। कैबिनेट की मंजूरी के अनुसार मिल की मौजूदा क्षमता 2500 टीसीडी से पहले 3500 टीसीडी और इसके बाद 5000 टीसीडी तक बढ़ाई जाएगी। पुराने प्लांट और तकनीक के कारण किसानों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा था। नई आधुनिक मशीनरी लगने से उत्पादन क्षमता बढ़ेगी और संचालन अधिक कुशल होगा। इससे गन्ना किसानों को सीधा लाभ मिलेगा और समय से गन्ना मूल्य भुगतान सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। सरकार का मानना है कि क्षमता विस्तार से किसानों की आय बढ़ेगी, सहकारी चीनी मिल मजबूत होगी और क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

## शहरी सुविधाओं के लिए विकास शुल्क प्रणाली में संशोधन

**अमृत विचार, लखनऊ :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में शहरी क्षेत्रों में अवस्थापना सुविधाओं के विकास के लिए विकास शुल्क की संशोधित प्रणाली लागू करने और इससे जुड़ी नियमावली में संशोधन को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास नियमावली–2014 (यथा संशोधित 2021) में बदलाव के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की है। इस निर्णय से शहरी विकास के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधन अधिक प्रभावी और व्यवस्थित ढंग से उपलब्ध हो सकेंगे। संशोधित विकास शुल्क प्रणाली के लागू होने से विकास प्राधिकरणों को अपनी विकास परियोजनाओं और नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए स्थायी एवं मजबूत वित्तीय आधार मिलेगा। सरकार का मानना है कि इस फैसले से शहरी इलाकों में बुनियादी ढांचे के निर्माण और विस्तार को गति मिलेगी।

### योगी कैबिनेट ने अजित पवार को दी श्रद्धांजलि

**अमृत विचार, लखनऊ :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक प्रस्ताव पारित किया गया। मंत्रिपरिषद ने विगत बुधवार को बारामती (महाराष्ट्र) में हुई विमान दुर्घटना में अजित पवार व अन्य लोगों के निधन को अत्यंत दु:खद बताया। कैबिनेट ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत पुण्यात्माओं की शांति की कामना की। कैबिनेट ने कहा कि अजित पवार का असामयिक निधन अपूर्णीय क्षति है। स्व. पवार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मंत्रिपरिषद ने कहा कि अपने दीर्घ सार्वजनिक जीवन में उन्होंने महाराष्ट्र की जनता से गहरा जुड़ाव रखते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए कार्य किया। गरीबों एवं वंचितों को सशक्त बनाने तथा महाराष्ट्र के विकास के लिए उनकी प्रतिबद्धता सदैव स्मरणीय रहेगी।

## पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित 99 हिंदू बंगाली परिवारों के स्थायी पुनर्वासन का निर्णय

- प्रत्येक परिवार को 0.50 एकड़ भूमि आवंटित की जाएगी

**अमृत विचार, लखनऊ :** प्रदेश सरकार ने पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित होकर उत्तर प्रदेश में रह रहे हिंदू बंगाली परिवारों के स्थायी पुनर्वासन को लेकर अहम और मानवीय निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में जनपद मेरठ से जुड़े इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

यह प्रकरण मेरठ जिले की तहसील मवाना के ग्राम नंगला गोसाई से संबंधित है, जहां झील की भूमि पर लंबे समय से अवैध रूप से निवास कर रहे 99 हिंदू बंगाली परिवारों के पुनर्वासन का निर्णय लिया गया है। कैबिनेट के फैसले के अनुसार, इन सभी परिवारों को जनपद कानपुर देहात की रसूलाबाद तहसील में बसाया जाएगा। पुनर्वासन के तहत ग्राम भैंसाया में पुनर्वास विभाग के नाम दर्ज 11.1375 हेक्टेयर (27.5097 एकड़) भूमि पर 50 परिवारों तथा ग्राम ताजपुर तरसौली में पुनर्वास विभाग के नाम अंकित 10.530 हेक्टेयर (26.009 एकड़) भूमि पर शेष 49 परिवारों को बसाया जाएगा। प्रत्येक परिवार को 0.50 एकड़ भूमि आवंटित की जाएगी। यह भूमि प्रीमियम अथवा लीज रेंट पर 30 वर्ष के पट्टे पर दी जाएगी, जिसे आगे 30-30 वर्ष के लिए नवीनीकृत किया जा सकेगा। इस प्रकार पट्टे की अधिकतम अवधि 90 वर्ष होगी। सरकार का कहना है कि इस निर्णय से पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित होगा और विस्थापित परिवारों को सम्मानजनक, सुरक्षित और स्थायी जीवन मिलेगा।

## कैबिनेट से स्वीकृत प्रस्ताव

- अमृत नगरीय एवं शहरी पर्यावरण मिशन 2.0 के अंतर्गत नगर निकायों में जलापूर्ति, सीवर एवं संबंधित शहरी अवसंरचना कार्यों हेतु केंद्रीय व राज्यांश सहित वित्तीय स्वीकृति।
- अमृत-2.0 के अंतर्गत नगरीय क्षेत्रों में सीवरेज, ड्रेनेज एवं जल प्रबंधन परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त अनुदान को मंजूरी।
- उत्तर प्रदेश शहरी पुनर्विकास नीति-2026 को लागू किए जाने की स्वीकृति।
- शहरी क्षेत्रों में जर्जर, अविकसित एवं अव्यवस्थित बस्तियों के पुनर्विकास एवं नियोजित विकास के प्रस्ताव को मंजूरी।
- शहरी गरीबों एवं मलिन बस्तियों के सर्वांगीण विकास हेतु अवसंरचना आधारित योजनाओं को स्वीकृति।
- मुरादाबाद जनपद में विज्ञान पार्क एवं तारामंडल की स्थापना हेतु मुरादाबाद विकास प्राधिकरण को कार्यदायी संस्था नामित करने का निर्णय।
- राज्य में विज्ञान, नवाचार एवं तकनीकी जागरूकता को बढ़ावा देने से संबंधित प्रस्ताव को स्वीकृति।
- गन्ना किसान सहकारी चीनी मिलों की पेराई क्षमता बढ़ाने, तकनीकी उन्नयन एवं आधुनिकीकरण से जुड़े प्रस्तावों को मंजूरी।
- गन्ना किसानों को समय से भुगतान सुनिश्चित करने के लिए चीनी मिलों से संबंधित वित्तीय एवं प्रबंधन संबंधी निर्णय।
- राज्य में नई चीनी मिलों की स्थापना तथा मौजूदा मिलों के विस्तार से संबंधित प्रस्तावों को स्वीकृति।
- जनपद लखीमपुर-खीरी में पेयजल आपूर्ति योजना के अंतर्गत जलशोधन संयंत्र, पाइपलाइन एवं संबंधित कार्यों को मंजूरी।
- वाराणसी में राज्य मार्ग संख्या-120 के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य को स्वीकृति।
- देवरिया में राज्य मार्ग संख्या-79 के चौड़ीकरण एवं सड़क सुधार कार्य को मंजूरी।
- लोक निर्माण विभाग से संबंधित प्रमुख सड़कों के उन्नयन एवं यातायात सुधार प्रस्ताव को स्वीकृति।
- शहरी क्षेत्रों में अवैध निर्माणों के निस्तारण/नियमन से संबंधित प्रस्तावों को मंजूरी।
- मुख्यमंत्री द्वारा घोषित राजस्व ग्रामों में आपदा/परियोजना से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन से जुड़े प्रस्ताव।
- विस्थापित परिवारों को आवास, भूखंड एवं आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने से संबंधित निर्णय।
- पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित हिंदू परिवारों के पुनर्वासन से संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी।
- राज्य के विभिन्न विकास प्राधिकरणों से जुड़े प्रशासनिक एवं वित्तीय प्रस्तावों को स्वीकृति।
- शहरी निकायों की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ करने से संबंधित निर्णय।
- नगरीय एवं अधोसंरचना विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े प्रस्ताव।
- विभिन्न विभागों के नीतिगत एवं प्रशासनिक संशोधनों को मंजूरी।
- विभागीय प्रक्रियाओं के सरलीकरण से जुड़े प्रस्ताव।
- राज्य सरकार की घोषणाओं के अनुपालन से संबंधित प्रस्ताव।
- विकास परियोजनाओं के लिए भूमि उपयोग/प्रबंधन से जुड़े निर्णय।
- पुनर्विकास एवं पुनर्स्थापन से जुड़े विशेष मामलों को स्वीकृति।
- केंद्र सरकार से समन्वय से संबंधित योजनाओं के प्रस्ताव।
- विभिन्न विभागों के वित्तीय दायित्वों से संबंधित प्रस्ताव।

## बहराइच के आपदा प्रभावित 136 परिवारों का होगा पुनर्वास

- नदी-वन्य क्षेत्र से घिरे भरथापुर गांव का होगा विस्थापन
- मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत मिलेंगे पक्के मकान

**अमृत विचार, लखनऊ :** बहराइच के राजस्व ग्राम भरथापुर में आपदा के स्थायी खतरे को देखते हुए प्रदेश सरकार ने 136 प्रभावित परिवारों के पुनर्वास का बड़ा निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घोषणा के क्रम में गुरुवार को कैबिनेट ने गांव को विस्थापित कर सुरक्षित स्थान पर बसाने की योजना को मंजूरी दे दी। पुनर्वास के बाद नई बसाई जाने वाली बस्ती का नामकरण मुख्यमंत्री की अनुमति से किया जाएगा।

भरथापुर गांव एक ओर गेरुआ नदी, दूसरी ओर कौड़ियाल नदी से घिरा है, जबकि उत्तर दिशा में वन्य जीव क्षेत्र और नेपाल सीमा स्थित है। सड़क संपर्क न होने के कारण ग्रामीणों को नाव से आवाजाही करनी पड़ती है, जिससे जान-माल का लगातार खतरा बना रहता है। 29 अक्टूबर 2025 को कौड़ियाल नदी में नाव पलटने से नौ लोगों की मौत के बाद मुख्यमंत्री ने 2 नवंबर 2025 को हवाई सर्वेक्षण कर प्रभावितों को सुरक्षित स्थान पर बसाने की घोषणा की थी, जिस पर अब कैबिनेट की औपचारिक मुहर लग गई है। आपदा प्रभावित परिवारों को ग्राम पंचायत सेमरहना, तहसील मिहींपुरवा (मोतीपुर) में पुनर्वासित किया जाएगा। इसके लिए लगभग 1.70 हेक्टेयर भूमि राजस्व विभाग को निःशुल्क हस्तांतरित की जाएगी। प्रत्येक परिवार को आवास योजना के अंतर्गत पक्का मकान मिलेगा।

प्रशिक्षण के लिए लखनऊ रवाना होते आपदा मित्र स्वयंसेवक। अमृत विचार

### आपदा से बचाव के प्रशिक्षण के लिए स्वयंसेवक रवाना

**प्रतापगढ़, अमृत विचार :** द्वितीय चरण के 12 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण हेतु 21 आपदा मित्र (स्वयंसेवक/वालेन्टियर) गुरुवार को लखनऊ रवाना हुए। एसडीआरएफ कैम्प लखनऊ में सभी को आवासीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें 03 महिलाएं एवं 18 पुरुष शामिल हैं। अपर जिलाधिकारी (वि/रा) आदित्य प्रजापति, अपर उपजिलाधिकारी जितेन्द्र कटियार ने हरी झंडी दिखाकर स्वयंसेवकों को रवाना किया। इस दौराम आपदा विशेषज्ञ अनुपम शेखर तिवारी, अनूप गौड़ आदि मौजूद रहे।

### नाले में डूबने से बच्चे की मौत

**कुंडा, प्रतापगढ़ :** नगर पंचायत की लापरवाही के कारण जल निकासी के लिए खोदे गए नाले में डूबने से 14 माह के बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। बच्चे के परिजन सहित ग्रामीणों ने नगर पंचायत पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए आक्रोश जताया है। कुंडा क्षेत्र के सद्दू का पुरवा तिलौरी गांव निवासी जितेंद्र पटेल ट्रैक्टर चलाकर अपने परिवार का पालन–पोषण करते हैं। उनके दो बेटा व एक बेटी थी। गुरुवार की सुबह वह किसी काम से घर से बाहर निकले हुए थे। घर पर उनकी पत्नी कल्पना देवी घर के काम में व्यस्त थी।सुबह करीब नौ बजे उनका 14 वर्षीय बेटा सुयांश घर के सामने खेल रहा था। खेलते समय वह अचानक गायब हो गया। घर के बाहर जब सुयांश नहीं मिला तो परिवार के लोग व ग्रामीण उसकी खोजबीन करने लगे। इस दौरान वह नगर पंचायत द्वारा जल निकासी के लिए खोदे गए घर के सामने से निकले हुए नाले में बह रहे पुवाल के नीचे डूबा दिखाई दिया। नाले में सुयांश को डूबा देखते ही चीख–पुकार मच गई। उसे तत्काल नाले से बाहर निकाल कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुंडा लाया गया। वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

## मनचले से परेशान किशोरी ने फांसी लगाकर दी जान

**शाहाबाद, हरदोई:** एक गांव में पडोसी मनचले से परेशान होकर एक किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।मृतका के पिता द्वारा शिकायत करने पर आरोपी ने साथियों सहित उसके साथ हाथा पाई भी की। पीड़ित की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पिहानी थाना क्षेत्र के एक ग्राम पिता ने पुलिस को तहरीर दी की उसकी 16 वर्षीय पुत्री को बंदरहा निवासी सलीम उर्फ़ मुन्नू पुत्र जहूर आये दिन परेशान किया करता था जिससे परेशान होकर उसकी पुत्री ने 27 जनवरी को फाटक बंद कर घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इसकी शिकायत लेकर जब वह आरोपी के घर गया तो आरोपी के भाइयों शमसुल, पट्टे और हसीब ने उसके साथ गाली गलौज कर उसके साथ हाथा पाई की। पिहानी के प्रभारी निरीक्षक ने बताया पिता की तहरीर पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी का पोस्टमार्टम करवाया गया है। मुख्य आरोपी सलीम उर्फ़ मुन्नू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। शेष आरोपियों को पुलिस तलाश कर रही है।

**कार्यालय–प्रक्षेत्र प्रबन्धक, राजकीय पशुधन एंव कृषि प्रक्षेत्र, नीलगांव–सीतापुर।**

पत्रांक 1219 /फसल कटाई–मड़ाई–भूसा बनाई पत्रा0/2025–26 दिनाँक: 27.01.2026

कस्टम बिड

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजकीय पषुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र नीलगांव–सीतापुर, जो कि अटरिया से नीलगांव मार्ग पर 13 कि0मी0 व सिधौली से नीलगावं–लालपुर रोड पर 18 कि0मी की दूरी पर स्थित है, पर रबी फसल वर्ष 2025–26 में निर्धारित फसल कार्यक्रम के अन्तर्गत 180.00 हेक्टेयर क्षेत्रफल पर बोई गयी जई बीज फसल की कटाई, मड़ाई एवं भूसा बनवाई की कस्टम बिड आमन्त्रित की जा रही है।

आमन्त्रित कस्टम बिड का विवरण:–

| क्र0सं0 | कस्टम बिड संख्या / दिनांक | प्रस्तावित कार्य |
|---|---|---|
| 1 | कस्टम/2026/B/7150572 Dated 25-01-2026 | रबी फसल वर्ष 2025–26 में 180.00 हेक्टेयर क्षेत्रफल पर बोई गयी जई बीज फसल की कटाई, मड़ाई एवं भूसा बनायी तथा गोदाम के अन्दर भराई तक का कार्य |

उपरोक्त निविदा के विस्तृत जानकारी https://gem.gov.in/ तथा कार्यालय पर किसी भी कार्य दिवस प्रातः 10:00 बजे से सांय 05:00 बजे तक प्राप्त और आवेदन https://gem.gov.in/ पर किया जा सकता है।

(डा0 सुनील कुमार)
प्रक्षेत्र प्रबन्धक
राजकीय पषुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र
नीलगांव–सीतापुर

UP - 244817 दिनांक: 28/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

## बिना काम 2.67 लाख भुगतान में लगाई फर्जी रिपोर्ट

### न्यायिक जांच के आदेश

**प्रतापगढ़, अमृत विचार :** मानधाता ब्लॉक के धरमपुर गांव में बिना काम के 2 लाख 67 हजार 200 रुपये के फर्जी भुगतान के मामले में गलत जांच रिपोर्ट लगाये जाने का मामला सामने आया है। डीएम ने एसडीएम को कमेटी गठित कर न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं।मानधाता के धरमपुर गांव के मुख्तार अहमद पुत्र शब्बीर अहमद ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया कि पंचायत सचिव तैनाती के बाद से ही ग्राम पंचायत में बिना कार्य कराए लगातार फर्जी भुगतान कर सरकारी धन का दुरुपयोग कर रहे हैं। धरमपुर में नहर से राजाराम यादव के घर तक नाली निर्माण का कार्य बिना नींव खोदे और बिना किसी वास्तविक निर्माण के ही 15 दिसंबर 2025 को लक्ष्मी इंटरप्राइजेज को 1 लाख 230 रुपये का फर्जी भुगतान किया गया। नहर से राजाराम के घर तक नाली निर्माण के लिए लक्ष्मी इंटरप्राइजेज को 53 हजार 970 रुपये और यादव के खेत से करुणेश के घर तक खडंजा मरम्मत कार्य के लिए 75 हजार रुपये का बिल्कुल फर्जी भुगतान किया गया। बिना किसी हैंडपंप रिबोर कराए शाहरुख हार्डवेयर फर्म को 38 हजार रुपये का फर्जी भुगतान किया गया। पंचायत भवन का हैंडपंप करीब छह माह से खराब है और शौचालय का गड्ढा व शौचालय का कार्य अधूरा होने से महिला कर्मचारियों को परेशानी हो रही है। मौके पर कोई भी कार्य नहीं कराया गया है। ग्राम पंचायत में तैनात तकनीकी सहायक (जेई) ने बताया कि उनके द्वारा कोई एस्टीमेट या मेजरमेंट बुक (एमबी) तैयार नहीं की गई है और न ही मौके पर कोई कार्य हुआ है। आरोप है कि पंचायत सचिव ने ग्राम प्रधान की मिलीभगत से एक ही दिन में करीब सवा दो लाख रुपये का फर्जी भुगतान बिना कार्य कराए कर सरकारी धन का बंटवारा कर लिया। जेई प्रदीप वर्मा के अनुसार उन्होंने एस्टीमेट बनाया ही नहीं है। पंचायत सचिव चंद्र प्रकाश पटेल ने कहा कि आरोप गलत हैं। वहीं जांच रिपोर्ट आने के बाद सहायक विकास अधिकारी (समाज कल्याण) अनीता सिंह ने बताया कि मुझे जांच रिपोर्ट मिली थी। मैं अभी स्थान्तरित हो कर आई हूँ। मौके पर मैं जाने की सोंच रही थी। उसके पहले ही रिपोर्ट किसने और कैसे लगाई मुझे पता नहीं है। गुरुवार को मुख्तार अहमद ने पुनः जिलाधिकारी को शिकायती पत्र दिया। बताया कि मामले की जांच में फर्जी रिपोर्ट लगा दी गई है।

## प्रावि परिसर में मरणासन्न मिली महिला, हिरासत में लिया गया पति

**संग्रामगढ़, प्रतापगढ़:** प्राथमिक विद्यालय परिसर में महिला के मरणासन्न मिलने से खलबली मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला को इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया। पुलिस महिला के पति को हिरासत में लेकर पूछतांछ कर रही है। लालगंज कोतवाली के प्राथमिक विद्यालय पूरे मीतन जगन्नाथपुर में गुरूवार की सुबह शिक्षक मनोज वर्मा ने विद्यालय खोला तो परिसर में एक महिला को मरणासन्न लहूलुहान देख अवाक रह गए। इसकी सूचना प्रधान व पुलिस को दी। पुलिस की जांच में महिला के पास से मिले आधार कार्ड संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के पूरे चिरंजीव धनगढ़ गांव की 22 वर्षीय निशा सरोज पुत्री मेवालाल सरोज के रूप में हुई। पुलिस महिला को इलाज के लिए ट्रामा सेंटर लालगंज ले गई। गंभीर हालत में चिकित्सकों ने उसे एसआरएन अस्पताल प्रयागराज रेफर कर दिया।

### 319 ग्राम पंचायतों के पंचायत भवनों पर स्थापित होगी डिजिटल लाइब्रेरी

**प्रतापगढ़, अमृत विचार :** मुख्य विकास अधिकारी डा. दिव्या मिश्रा की अध्यक्षता में विकास भवन के सभागार में डिजिटल लाइब्रेरी समिति की बैठक की गयी। बैठक में जिला पंचायत राज अधिकारी श्रीकान्त दर्वे ने बताया कि जिले की 319 ग्राम पंचायतों के पंचायत भवनों पर शासन द्वारा डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। 17 ब्लॉकों में क्रमशः आसपुर देवसरा 19, बाबा बेलखरनाथधाम 16, बाबागंज 15, बिहार 17, गौरा 12, कुण्डा 17, कालाकांकर 15, लालगंज 15, लक्ष्मणपुर 15, मंगरौरा 27, मानधाता 18, पट्टी 17, रामपुर संग्रामगढ़ 14, सदर 21, सण्ड़वा चन्द्रिका 13, सांगीपुर 51 व शिवगढ़ की 17 चयनित ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की जानी है। संचालन के लिये यूपी डेस्को को सामग्री की आपूर्ति एवं एनबीटी के द्वारा पुस्तक की आपूर्ति हेतु आदेश कर दिया गया है।

**उत्तर रेलवे**

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर, प्रोजेक्ट-2, उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा (दोहरी पैकेट प्रणाली), जिसकी बंद होने की तिथि दिनांक **20.02.2026** को **15:00 बजे** तक है, आमंत्रित की जाती है।

| | |
|---|---|
| 1 | निविदा सूचना संख्या : P-II-LKO-SnT-DD-B-ROUTE दिनांक 29.01.2026 |
| 2 | निविदा संख्या : P-II-LKO-SnT-DD-B-ROUTE |
| 3 | कार्य का नाम : उत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल में बी रूट पर डबल डिस्टेन्ट सिगनल का प्रावधान। |
| 4 | अनुमानित लागत : रु. 16,27,05,940.41 |
| 5 | धरोहर राशि : रु. 9,63,500/- |
| 6 | कार्य की समापन अवधि : स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से चौबीस माह। |
| 7 | निविदा डालने का प्रारंभ : 06.02.2026 |
| 8 | निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 20.02.2026, 15:00 बजे |
| 9 | वेबसाइट : www.ireps.gov.in |

नोट:- 1. निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। 324/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

**उत्तर रेलवे**

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रो पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई–निविदायें (सिंगगल पैकेट सिस्टम) आमंत्रित की जाती है।

| | |
|---|---|
| निविदा सं. | 106-Sig/Tender/58/2025-26 |
| कार्य का नाम | लखनऊ मंडल, उतरी रेलवे के LKO-ZBD-MGS सेक्शन में SGE ब्लॉक इंस्ट्रूमेंट के स्थान पर UFSBI की व्यवस्था। |
| अनुमानित लागत | रु.14596410.12/– |
| निविदा प्रपत्र की कीमत | शून्य |
| धरोहर राशि | रु.223000.00/– |
| कार्य पूरा करने की अवधि | 300 दिन |
| निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय | 19.02.2026 15:30 Hrs |
| वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहॉ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है। | www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/ मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ |

- ठेकेदारों को ई–निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट के अंतर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य हैं।
- समस्त नियम एवं शर्तों निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है।
- मैनुउल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेगी।
- निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिग या पेंमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।

निविदा सू. सं. 106–सिग/टेंडर/58/2025–26 दिनांक : 29.01.2026 326/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
सुलतानपुर–अमेठी वृत्त, लो0नि0वि0,
सुलतानपुर
E-mail Id- sepwdsuamethi01@gmail.com

ई–निविदा सूचना (प्रथम आमंत्रण)
(अल्पकालीन निविदा)

पत्रांक 292/1काम–सु0अ0वृत्त/2025–26 दिनांक 24.01.2026

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, सुलतानपुर–अमेठी वृत्त, लो0नि0वि0, सुलतानपुर उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग द्वारा स्टैण्डर्ड बिडिंग डाक्यूमेन्ट (एस0बी0डी0) के अन्तर्गत पात्र निविदादाताओं से ई–टेन्डरिंग के माध्यम से निम्नाकिंत कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वह अर्हता के सम्बन्ध में नियम व शर्तो से अवगत हो ले।

| क्र0 सं0 | खण्ड का नाम | कार्य का नाम | लागत रू0 लाख में | धरोहर धनराशि रू0 लाख में | निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में) | कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 1 | नि0 ख0 अमेठी | जनपद अमेठी में अहोरवा भवानी मन्दिर से मोक्षेश्वरी धाम होते हुए शिवरतनगंज मार्ग (अ0जि0मा0) (चैनेज 1.30 से 6.60) के चौडीकरण एवं सुदृढीकरण का कार्य | 675.00 | 13.50 | 2714.00 | 12 माह |
| 2 | नि0 ख0 अमेठी | जनपद अमेठी में मोहनगंज फुरसतगंज मार्ग वाया पीढी मार्ग से धर्मधाम होते हुए जनापुर मार्ग (अ0जि0मा0) के (चैनेज 0.00 से 3.00 किमी0 तक) चौडीकरण एवं सुदृढीकरण का कार्य | 442.00 | 8.84 | 2714.00 | 12 माह |

निविदा आनलाईन दिनांक 31.01.2026 से डाउनलोड की जा सकती है एवं दिनांक 07.02.2026 की अपरान्ह 12:00 बजे तक अपलोड किया जा सकता है। उक्त निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 07.02.2026 को दोपहर 12:30 बजे खोली जायेगी।

निविदा सम्बन्धी सभी शर्ते http//etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है।

(रमेश चन्द्र)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 अमेठी

(आदित्य कुमार)
अधीक्षण अभियन्ता,
सुलतानपुर–अमेठी वृत्त, लो0नि0वि0, सुलतानपुर
महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से

UP - 244814 दिनांक: 28/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अमृत विचार



# एचटी लाइन के करंट से श्रमिक की मौत, दो गंभीर

## मंदिर परिसर में धर्मशाला निर्माण कार्य के दौरान हुई घटना

**हादसा**

- दरियाबाद में छत पर मुंडेर बांधने के लिए चढ़े थे तीनों

रामसनेहीघाट, बाराबंकी

**अमृत विचार :** गुरुवार सुबह एक मंदिर परिसर में चल रहे निर्माण कार्य के समय हाईटेंशन लाइन के करंट की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि दो अन्य मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की जांच जारी है।

जानकारी के अनुसार, दरियाबाद कस्बा स्थित जालपा माता मंदिर परिसर में धर्मशाला निर्माण का कार्य चल रहा था। गुरुवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे छत पर मुंडेर बांधने के लिए दरियाबाद के मोहल्ला चौधरियान निवासी रामदत्त (58), राम अवतार उर्फ मुंडे (48) और कमलेश (55) सीढ़ी के सहारे ऊपर चढ़े थे। इसी दौरान छत के ऊपर से गुजर रही 11 हजार केवी की हाईटेंशन लाइन से उनका शरीर स्पर्श कर गया। करंट लगने से तीनों मजदूर गंभीर रूप से झुलस कर नीचे गिर पड़े। हादसे के बाद निर्माण स्थल पर अफरा-तफरी मच गई।

आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह घायलों को उपचार के लिए पास के एक निजी अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर रामदत्त को सीएचसी मथुरानगर रेफर किया गया, लेकिन अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। वहीं राम अवतार और कमलेश का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही दरियाबाद पुलिस मौके पर पहुंची। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

इस संबंध में कोतवाली प्रभारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हादसा हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से होना सामने आया है। इस घटना में एक मजदूर की मौत हुई है और दो श्रमिक झुलस गए हैं। इस मामले की जांच की जा रही है।

## दिनदहाड़े दो घरों से लाखों का माल चोरी

**बाराबंकी, अमृत विचार :** शहर की शांति विहार कॉलोनी में गुरुवार दोपहर चोरों ने दो बंद मकानों को निशाना बनाते हुए लाखों का माल साफ कर दिया।

शांति विहार कॉलोनी निवासी सीमा सिंह, पत्नी स्व. कृष्ण प्रताप सिंह, अपने दो पुत्रों शिवांश और शिखर के साथ रहती हैं। वह पास के एक निजी विद्यालय में शिक्षिका हैं। गुरुवार को जब वह दोपहर बाद करीब साढ़े तीन बजे घर लौटीं तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा था। अंदर जाकर देखा तो अलमारी का ताला भी टूटा हुआ था और घर का सारा कीमती सामान गायब था।

सीमा सिंह के अनुसार चोर उनके घर से लगभग पांच तोला सोने का हार, दो तोला का मांग टीका, दो भारी कंगन, अंगूठी, बाली, टॉप्स, करीब 750 ग्राम चांदी का कमरबंद, तीन जोड़ी मोटी चांदी की पायल समेत लगभग 70 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। इसी कॉलोनी में रहने वाले गोंडा के करनैलगंज तहसील अंतर्गत गांव कुतुबपुर निवासी रविंद्र कुमार पांडेय के घर को भी चोरों ने निशाना बनाया। रविंद्र पांडेय चकबंदी विभाग, में कार्यरत हैं। चोरों ने उनके घर से करीब 30 हजार रुपये नकद पार कर दिए। शाम के समय लोगों ने उन्हें फोन पर चोरी की जानकारी दी। घटना की सूचना मिलते ही सीमा सिंह ने विद्यालय के स्टाफ को जानकारी दी, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर जुट गए। डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घरों का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ की। इसके साथ ही फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किए। कोतवाली प्रभारी सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि चोरी की सूचना प्राप्त हुई है।

## न्यूज ब्रीफ

### युवती अचानक लापता युवक पर रिपोर्ट

**कोठी, बाराबंकी, अमृत विचार :** भाई के साथ एटीएम बूथ से रुपये निकालने गई युवती अचानक गायब हो गई। वह अपने साथ जेवर व नकदी लेकर गई है। पिता ने एक युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। एक गांव निवासी व्यक्ति ने बताया कि उनकी बालिग पुत्री 27 जनवरी की दोपहर अपने भाई के साथ एटीएम से पैसे निकलवाने गई थी। भाई जब एटीएम के अंदर गया और बाहर निकला तो बहन वहां मौजूद नहीं थी। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल सका। घर पहुंचने पर परिजनों को जानकारी हुई कि युवती घर में रखे लगभग 40 हजार रुपये नकद तथा एक सोने की माला लेकर एक युवक के साथ चली गई है। पीड़ित पिता ने आशंका जताई है कि उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाया गया है।

### दुर्घटना में बाइक सवार युवक घायल

**हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार :** ताले सिंह पुरवा गांव के निकट अनियंत्रित बाइक सड़क पर गिरने से सवार घायल हो गया। गंभीर अवस्था में घायल को सीएचसी में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर देखते हुए उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार ताले सिंह पुरवा गांव निवासी रोडवेज बस चालक संतोष सिंह किसी कार्य से हैदरगढ़ आए थे और अपना कार्य निपटाकर घर वापस जा रहे थे, तभी उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और वह घायल हो गए।

### मंदिर व दुकान से कीमती सामान गायब

**बाराबंकी, अमृत विचार :** दो अलग अलग घटनाओं में चोर एक मंदिर व दुकान से हजारों का सामान चोरी कर ले गए। बड्डूपुर क्षेत्र के ग्राम पिपरौली स्थित बाबा त्यागीदास कुटी के राम जानकी मंदिर में चोरों ने हाथ साफ कर दिया। मंदिर के मुख्य पुजारी बजरंगदास चेला राम किशुन दास के अनुसार 27 जनवरी को वह दिन में मंदिर में नहीं थे। इसी दौरान चोरों ने मंदिर में रखा कीमती सामान चोरी कर लिया। दूसरी घटना थाना घुंघटेर क्षेत्र के बाबागंज की है। यहां विनोद मशीनरी स्टोर के संचालक मनोज की दुकान के बाहर रखा सामान चोरी हो गया। पीड़ित के अनुसार 22 जनवरी की रात दुकान बंद कर वे घर चले गए थे। अगले दिन सुबह दुकान पहुंचने पर कल्टीवेटर, इंजन, डबल पुली, इंजन की बॉडी और एक पंखा गायब मिले।

## धान की बोरियों के नीचे दबकर मजदूर की मौत

**रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार :** धान की बोरियां गिरने से नीचे दबकर घायल मजदूर की लखनऊ ले जाते समय मौत हो गई। पूरे पंडित मजरे महुलारा वासी सजन कुमार (40) मजदूरी कर परिवार का पेट पालता था। बुधवार शाम करीब चार बजे सजन कुमार रामसनेहीघाट निवासी गल्ला व्यापारी आशाराम शुक्ला के यहां धान की बोरियां लाद रहे थे। ऊपर रखी बोरियों की भारी छल्ली भरभराकर नीचे आ गिरी। जिससे सजन कुमार बोरियों के नीचे दबकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद तत्काल इलाज की कोई व्यवस्था नहीं हुई। करीब तीन घंटे बाद उन्हें सीएचसी पहुंचाया गया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया लेकिन परिजन उसे लेकर सीएचसी देवां चले गए। वहां हालत बिगड़ने पर गुरुवार सुबह उन्हे लोहिया अस्पताल लखनऊ भेजा गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो गई। लखनऊ पहुंचते ही डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

# दो बच्चों के साथ लापता हुई मां

**रहस्य गहराया**

सूरतगंज, बाराबंकी

**अमृत विचार :** मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के एक गांव से काम दिलाने के बहाने लखनऊ ले जाई गई विवाहिता संदिग्ध परिस्थितियों में दो बच्चों समेत लापता हो गयी है। परिजनों ने विवाहिता के पड़ोसी पर आरोप लगाते हुए इन्हें बेचने या हत्या करने की आशंका जताई है।

जानकारी के अनुसार, सीतापुर के जिला रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रामपुर मथुरा निवासिनी एक महिला ने एसपी से की गई शिकायत में बताया कि उनकी पुत्री की शादी मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी विक्रम से हुई थी। उसकी बेटी का पति मजदूरी के सिलसिले में पंजाब में रहता है। पीड़िता के अनुसार बेटी के पड़ोसी इंदर यादव तथा उसका रिश्तेदार दिलीप निवासी ग्राम बबुरिहा, थाना चिनहट लखनऊ ने उसकी बेटी को लखनऊ में काम दिलाने का झांसा दिया। आरोप है कि 30 नवंबर 2025 को इंदर यादव उसकी बेटी व उसके दो बच्चों के साथ लखनऊ ले गया।

शुरुआत में इंदर यादव ने अलग-अलग मोबाइल नंबरों से परिवार से संपर्क किया और काम लग जाने का भरोसा दिलाता रहा, लेकिन बाद में बेटी से बात कराने में टालमटोल करने लगा। काफी दिनों से बेटी से कोई संपर्क है और न ही यह पता चल सका है कि वह कहां है।

आशंका है कि काम दिलाने के बहाने ननकई व दोनों बच्चों को कहीं बेच दिया गया है या फिर सामूहिक हत्या कर शव गायब कर दिए गए हैं।

### विभिन्न स्थानों से किशोर व युवक लापता

**बाराबंकी, अमृत विचार :** शहर में घर से खेलने निकला मूक-बधिर किशोर अचानक लापता हो गया। वहीं मसौली थाना क्षेत्र में दवा लेने निकला युवक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। अनहोनी से डरे परिजनों ने पुलिस में गुमशुदगी दर्ज कराई है। शहर कोतवाली क्षेत्र में देवा रोड पर नेशनल स्कूल के पीछे नेहरू नगर निवासी मो. निहाल पुत्र मोसमी ने बताया कि उनका 15 वर्षीय पुत्र अदनान, जो मूक-बधिर है, बुधवार की सुबह लगभग 11 बजे घर से खेलने के लिए निकला था। वह प्रतिदिन अपनी दादी के घर जाया करता था, लेकिन काफी समय बीत जाने के बावजूद वह घर वापस नहीं लौटा। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। दूसरा मामला थाना मसौली क्षेत्र से संबंधित है। ग्राम रोशन चक पोस्ट बनवा निवासी अशोक कुमार ने बताया कि उनका 24 वर्षीय पुत्र अंकित यादव 25 जनवरी की रात करीब 8 बजे घर से मोटरसाइकिल लेकर दवा लेने बाराबंकी गया था। रात 10 बजे फोन करने पर मोबाइल की घंटी जाती रही, लेकिन फोन नहीं उठा। काफी खोजबीन के बावजूद उसका भी कोई पता नहीं चल सका।

## कृषक संगोष्ठी में बागवानी पर जोर

**बाराबंकी, अमृत विचार :** उद्यान विभाग के तत्वावधान में ग्राम रजौली स्थित निमित्त सिंह मधुमक्खी वाला के प्रक्षेत्र पर एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना अंतर्गत दो दिवसीय कृषक संगोष्ठी एवं भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत ने औद्यानिक फसलों पर परिचर्चा करते हुए जनपद में फल, शाकभाजी, मसाले, मशरूम एवं शहद उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु विभागीय प्रयासों की सराहना की और कृषकों को खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना के लिए प्रोत्साहित किया। विशिष्ट अतिथि पूर्व एमएलसी हरगोविंद सिंह ने कहा कि औद्यानिकी क्षेत्र में निरंतर प्रगति हो रही है, जिससे अधिक से अधिक कृषक लाभान्वित हो रहे हैं, जो प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप है। संगोष्ठी में कृषि विज्ञान केंद्र की वैज्ञानिक डॉ. रिंकी सिंह चौहान ने आम की फसल में लगने वाले रोगों व उनके बचाव की जानकारी दी।

## मां भगवती कथा व गायत्री महायज्ञ का समापन

गायत्री महायज्ञ के समापन के अवसर पर मौजूद अतिथि। ● अमृत विचार

**रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार :** अटौटा में बसंत पंचमी से आयोजित सात दिवसीय मां भगवती कथा एवं पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ का समापन विधि-विधान से किया गया। समापन पर भंडारे का आयोजन हुआ। रात्रि में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में स्थानीय कलाकारों ने राष्ट्रभक्ति व सामाजिक चेतना से ओत-प्रोत प्रस्तुतियां दीं। रामावती वर्मा एवं बबलू वर्मा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आरएसएस जिला प्रचारक रवि प्रकाश तथा विशिष्ट अतिथि विश्व हिंदू परिषद के इंद्रेश व राहुल कुमार उपस्थित रहे।

## श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह प्रसंग का मनोहारी वर्णन

पूजा-अर्चना करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

**रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार :** गणेशपुर में शुक्ला परिवार द्वारा आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन भगवान श्रीकृष्ण एवं माता रुक्मिणी के पावन विवाह प्रसंग का मनोहारी वर्णन किया गया। कथा व्यास आचार्य अश्वनी कुमार त्रिपाठी ने कहा कि भगवान को सांसारिक बुद्धि से समझने का प्रयास शंका उत्पन्न करता है, जबकि भक्ति पूर्ण समर्पण का मार्ग दिखाती है। कार्यक्रम का शुभारंभ विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके पश्चात बाल गोपाल की भव्य बारात शिव मंदिर से पूर्वी माता मंदिर तक निकाली गई। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष एवं बच्चे उपस्थित रहे।

## कैशलेस चिकित्सा का फैसला ऐतिहासिक

सरकार के फैसले पर खुशी जताते शिक्षक। ● अमृत विचार

**बाराबंकी, अमृत विचार :** उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष डॉ. राकेश सिंह एवं जनपद की समस्त कार्यकारिणी ने कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रदान किए जाने के प्रस्ताव को कैबिनेट बैठक में स्वीकृति दिए जाने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार जताया है। जिलाध्यक्ष डॉ. राकेश सिंह ने कहा कि यह निर्णय शिक्षकों एवं कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक ऐतिहासिक और सराहनीय कदम है, इस अवसर पर जिला मंत्री उमानाथ मिश्रा, जिला कोषाध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव, प्रांतीय संगठन मंत्री एवं जनपदीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. देवेंद्र द्विवेदी, जिला मीडिया प्रभारी जय कुमार, ब्लॉक अध्यक्ष शिवसागर सिंह, सुनील त्रिपाठी, अनिल सिंह, राजेश सिंह, हनुमंत अवस्थी, किरन विश्वकर्मा, दिलीप तिवारी, अरविन्द प्रताप सिंह, धीरेन्द्र प्रताप सिंह, शिव सिंह सहित जनपदीय पदाधिकारी विश्वजीत सिंह, प्रमेन्द्र वर्मा, प्रवेश सिंह, मोहम्मद आसिम, श्यामकिशोर बाजपेयी, चन्द्रप्रकाश श्रीवास्तव, अनवार अहमद एवं ललित वर्मा समेत संगठन के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

## शिक्षकों की स्वास्थ्य के प्रति चिंता दूर : अभिषेक सिंह

अभिषेक सिंह।

**बाराबंकी, अमृत विचार :** योगी सरकार ने शिक्षा जगत के लिए ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए कैशलेस मेडिकल बीमा योजना को मंजूरी दी। इस योजना के तहत अब पांच लाख रुपये तक का इलाज निःशुल्क कराया जा सकेगा। कैबिनेट के इस निर्णय से सरकारी शिक्षकों, शिक्षामित्रों एवं अन्य शिक्षा कर्मियों में खुशी की लहर दौड़ गई। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह ने बताया कि कैबिनेट बैठक में कैशलेस चिकित्सा का प्रस्ताव पारित हुआ है, जिसकी घोषणा पूर्व में शिक्षक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा की जा चुकी थी। यह मांग संगठन की प्रमुख मांगों में शामिल रही है। अभिषेक सिंह ने कहा है कि कैशलेस इलाज की सुविधा से शिक्षकों की स्वास्थ्य के प्रति बड़ी चिंता दूर हो गई है।

## मारपीट की घटनाओं में छह लोग घायल

**बाराबंकी: अमृत विचार :** अलग अलग थाना क्षेत्रों में मारपीट की घटनाओं में छह लोग घायल हो गए। पीड़ितों ने रिपोर्ट दर्ज करायी है। थाना फतेहपुर क्षेत्र के गंगौला निवासी महंत लक्ष्मेन्द्र दास ने आरोप लगाया कि गांव के ही कुछ लोगों द्वारा बबूल का पेड़ चोरी से काटा जा रहा था। मना करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों से मारपीट की। धौसार निवासी अजय ने बताया कि बच्चों के खेल के दौरान गेंद मांगने पर विपक्षियों ने लाठी-डंडों व धारदार हथियार से हमला किया। कोतवाली नगर के हडौरी निवासी अटल बहादुर सिंह ने आरोप लगाया कि दबंगों ने उनके घर जाने वाले रास्ते पर अतिक्रमण किया। विरोध पर मारपीट की गई, जिसमें उनके परिवार के कई सदस्य घायल हुए। लोनीकटरा के हसुवापुर निवासी बाबूलाल पासी ने बताया कि दबंग भूमाफियाओं ने उनकी गेहूं की खड़ी फसल को ट्रैक्टर से जोतकर नष्ट कर दिया। विरोध करने पर जातिसूचक गालियां देते हुए जान से मारने का प्रयास किया गया।

## ससुराल में संदिग्ध दशा में झुलसे युवक की मौत

रामसनेहीघाट, बाराबंकी

**अमृत विचार :** पांच दिन पूर्व ससुराल में संदिग्ध हालात में आग से झुलसे युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। ट्रामा सेंटर में मरने से पहले युवक ने दिए गए बयान में साले पर आग लगाने का आरोप लगाया, वहीं सोशल मीडिया पर पत्नी से मारपीट के वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस जांच में जुट गई है।

सतरिख थाना अंतर्गत कमलपुर सुरैया गांव वासी अमित कुमार पुत्र भागीरथ की शादी 16 माह पूर्व रामसनेहीघाट थाना क्षेत्र के हुंसेपुर निवासी अंशिका से हुई थी। दंपत्ति की छह माह की एक बेटी भी है। अमित मजदूरी करता था। परिजनों के अनुसार, कुछ दिनों से पत्नी अंशिका मायके जाने की जिद कर रही थी। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच कहासुनी हुई। आरोप है कि इस दौरान अमित के साथ मारपीट भी की गई। इसके बाद अंशिका छह माह की बच्ची को लेकर मायके चली गई। 24 जनवरी को अमित पत्नी व बेटी को लाने ससुराल हूंसेपुर पहुंचा। वहां दोनों पक्षों के बीच विवाद और बढ़ गया। आरोप है कि पत्नी के भाई लवकुश ने अमित पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। घटना में गंभीर रूप से झुलसे अमित को परिजनों ने पहले जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। पांच दिन बाद उसकी मौत हो गई। घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें पत्नी अंशिका, अमित से मारपीट करती दिखाई दी है। पुलिस ने वीडियो को जांच में शामिल कर लिया है। मौत से पहले अमित ने बयान में ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप जड़े हैं। मृतक के पिता भागीरथ ने तहरीर दी है। कोतवाल जगदीश प्रसाद शुक्ला का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

## दो पक्षों में मारपीट तीन लोग घायल

**फतेहपुर, बाराबंकी, अमृत विचार :** आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। घटना में दो महिलाओं समेत तीन लोग घायल हुए। पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। नबीगंज अल्लापुर की नेहा मिश्रा ने आरोप लगाया कि बुधवार देर रात लगभग 11 बजे गांव के ही रंगनाथ मिश्रा, ऋषि मिश्रा व विवेक मिश्रा नशे की हालत में उनके घर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। विरोध पर आरोपी घर में घुस आए, दरवाजा तोड़ दिया और नेहा मिश्रा, उनकी भाभी व माता के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की। आरोप है कि उनकी माता को जमीन पर पटक दिया गया। दूसरी ओर ऋषि मिश्रा ने दी तहरीर में आरोप लगाया है कि उसी दिन विपक्षी रवि मिश्रा, रमेश मिश्रा व गीता मिश्रा अचानक उनके घर पहुंचे और उनके साथ मारपीट की। आरोप है कि लोहे की रॉड व धारदार हथियार से हमला किया गया, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई और आठ टांके लगे।

## प्रशासन ने हाईवे के किनारे से हटवाया अतिक्रमण

कार्रवाई के दौरान मौजूद अधिकारी। ● अमृत विचार

**हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार :** नगर प्रशासन ने गुरुवार को पुलिस बल के सहयोग से कस्बे में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। इस दौरान लखनऊ-सुल्तानपुर हाइवे के दोनों ओर फुटपाथ पर किए गए कब्जों को हटवाया गया। अभियान के दौरान अधिशासी अधिकारी इंद्र बहादुर जेसीबी व सफाई कर्मियों के साथ मौके पर मौजूद रहे। प्रशासन की कार्रवाई से दुकानदारों में अफरा-तफरी मच गई और कई ने स्वयं ही अपनी दुकानें हटानी शुरू कर दीं। अधिशासी अधिकारी ने बताया कि फुटपाथ पर अतिक्रमण के कारण राहगीरों को जाम व दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती थी। उन्होंने बताया कि पूर्व में चेतावनी दिए जाने के बावजूद अतिक्रमण न हटाने पर यह कार्रवाई की गई।

## वन विभाग ने दबोचे दो शिकारी, 13 पक्षी बरामद

वन विभाग द्वारा पकड़े गए शिकारी। ● अमृत विचार

**देवा, बाराबंकी, अमृत विचार :** रेठी नदी के किनारे पक्षियों का शिकार करने में जुटे दो शिकारियों को वन विभाग की टीम ने धर दबोचा। टीम ने इनके पास से 13 पक्षी बरामद किए हैं। प्रभागीय वनाधिकारी आकाशदीप बधावन के पर्यवेक्षण तथा वन क्षेत्राधिकारी देवा मयंक सिंह के नेतृत्व में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गुरुवार को देवा रेंज अंतर्गत अमरसंडा वन ब्लॉक के पास रेठ नदी के किनारे पक्षियों का शिकार कर रहे दो अभियुक्तों को मौके से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में शंकर पुत्र मैकू निवासी ग्राम कुर्सी दक्षिण टोला थाना कुर्सी तथा सोहनलाल पुत्र मनोहर निवासी ग्राम पड़री थाना कुर्सी शामिल हैं। टीम ने दोनों को शिकार में प्रयुक्त जाल एवं अन्य प्रतिबंधित सामान के साथ पकड़ते हुए उनके कब्जे से कुल 13 जीवित पक्षी बरामद किए बरामद पक्षियों में 2 राम चिरैया (किंगफिशर), 1 टिटहरी तथा 10 काला फाख्ता, कछुआ कबूतर शामिल हैं। सभी पक्षी जीवित अवस्था में पाए गए। वन विभाग द्वारा अभियुक्तों के विरुद्ध देवा रेंज में भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है। कार्रवाई में प्रशांत कुमार डिप्टी रेंजर, मनोज कुमार दरोगा, गौरव पाठक वन रक्षक, सुरेन्द्र नाथ सैनी वन रक्षक तथा करन कुमार वन कर्मी शामिल रहे।

## चार चोर गिरफ्तार, चोरी का माल बरामद

**निन्दूरा, बाराबंकी, अमृत विचार :** थाना घुंघटेर पुलिस टीम ने 4 चोरों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से नकदी, इंजन, पंखा व पिकप वाहन बरामद किया। पुलिस टीम द्वारा बीएनएस से सम्बन्धित प्रकाश में आये अभियुक्त सत्यम प्रजापति पुत्र राम अछैवर निवासी ग्राम जियापुर थाना कुरेभार जनपद सुल्तानपुर, सुमित पुत्र राकेश कश्यप ग्राम भुड़कुडा थाना महोली, अभिषेक पुत्र संजीत कश्यम निवासी गोड़ियनटोला चौकी कोहना थाना कोतवाली नगर व सूर्य प्रकाश पुत्र प्रवेश कुमार रावत निवासी ग्राम लोधोरी थाना रामपुर कला जनपद सीतापुर को बेहटा पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से चोरी का एक इंजन, एक पानी का पंखा, घटना में प्रयुक्त एक वाहन पिकप तथा 3500 रुपये नकद बरामद किये गये। पूछताछ से ज्ञात हुआ कि बरामद सामान 23 जनवरी की रात में थाना घुंघटेर क्षेत्रान्तर्गत बाबागंज तिराहे के पास स्थित एक दुकान से चोरी किया गया था।

**प्रतियोगिता** | दोनों सेमीफाइनल एवं फाइनल मैच रविवार को खेले जाएंगे

# गुलरिया गार्दा, लखपेड़ाबाग, पल्हरी व जीआईसी सेमीफाइनल में

**बाराबंकी: अमृत विचार :** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की नगर इकाई द्वारा खेलो भारत अभियान के तहत नगर खेल कुंभ का आयोजन किया गया। जीआईसी ग्राउंड पर चल रही इस क्रिकेट प्रतियोगिता में कुल 20 टीमों ने प्रतिभाग किया।

गुरुवार को संपन्न हुए मैचों में गुलरिया गार्दा एकादश ने लखनऊ की आर्यन क्लब को 23 रन से पराजित किया। लखपेड़ा बाग क्लब ने येलो स्टार को 33 रन से हराया। वहीं पल्हरी इलेवन ने अंकित एकादश को 6 विकेट से जबकि जीआईसी एकादश ने ए एच क्लब को 3 विकेट से पराजित करके सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

क्रिकेट टीम से परिचय प्राप्त करते स्टेट लॉ ऑफिसर। ● अमृत विचार

दोनों सेमीफाइनल एवं फाइनल मैच रविवार को खेले जाएंगे। स्टेट लॉ ऑफिसर एडवोकेट दिव्यांशु सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

अभाविप के जिला संयोजक योगेश सिंह ने बताया कि इस खेल कुंभ का उद्देश्य युवाओं और विद्यार्थियों को शारीरिक, मानसिक तथा बौद्धिक रूप से सशक्त बनाना है। जिसके जरिए युवाओं में खेल भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम वर्क विकसित करना है। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों में विशेष उत्साह देखा गया। इस खेल कुंभ के माध्यम से प्रतिभागियों को शारीरिक फिटनेस के महत्व के साथ-साथ नशामुक्त, स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन शैली अपनाने का भी संदेश दिया गया। इस अवसर पर अभाविप के पूर्व कार्यकर्ता विजय आनंद बाजपेई, विभाग संगठन मंत्री आकाश शुक्ला, विभाग संयोजक आदर्श सिंह, नगर मंत्री कार्तिकेय मिश्रा, अभयराम त्रिपाठी, आदर्श पांडे, रोमित कपारिया, कामिल, राहुल यादव, विशाल सिंह, आशुतोष मौजूद रहे।

## भक्ति के बिना मानव जीवन व्यर्थ

**बाराबंकी, अमृत विचार :** नगर पंचायत बंकी स्थित बाबू ओएन शुक्ला स्मारक विद्यालय में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन नैमिषारण्य से पधारे गोविंदाचार्य महाराज ने बताया कि भगवान की भक्ति के बिना जीवन वैसा ही है जैसे बुझी राख में हवन करना। उन्होंने कथा में भीष्म चरित्र, कुंती स्तुति, परम हंस शुकदेव जी का जन्म, परीक्षित जी का जन्म और विराट भगवान के रूप का वर्णन किया। कार्यक्रम में अशोक कुमार मौर्य, ममता, रामनाथ मौर्य, आशा देवी, शिवमित्र मौर्य, कामिनी देवी, दिलीप कुमार श्रीवास्तव, विभा श्रीवास्तव, अर्चना श्रीवास्तव, तुषार, रागिनी, कनिष्का, सुनील जायसवाल साक्षी, रवि मौर्य, आदित्य, शौर्य, अमन, चंद्रशेखर उपाध्याय, राम, कमला देवी, रश्मि, सुरेश मौर्य, पंकज सैनी, मनीष आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

### परिवार रजिस्टर की नकल तुरंत उपलब्ध कराई जाए: एडीएम

उन्नाव, अमृत विचार : एडीएम वित्त एवं राजस्व/उपजिला निर्वाचन अधिकारी सुशील कुमार गोंड ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण–2026 के तहत जारी नोटिसों की सुनवाई हेतु नागरिकों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले अभिलेखों में परिवार रजिस्टर की नकल जरूरी है। जो आवेदक परिवार रजिस्टर की नकल हेतु आवेदन करे उसे नकल तत्काल जारी की जाए। ताकि वे तय समय पर सुनवाई में उपस्थित होकर जरूरी अभिलेख प्रस्तुत कर सकें। उन्होंने संबंधित खंड विकास अधिकारी, पंचायत सचिव व ग्राम विकास अधिकारियों से कहा कि कार्य में प्राथमिकता व तत्परता सुनिश्चित करें।

### बेसिक बाल कीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन आज से

उन्नाव, अमृत विचार : जनपदीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता व सांस्कृतिक समारोह राजकीय इंटर कॉलेज उन्नाव प्रांगण में 30 व 31 जनवरी को आयोजित होगा। जानकारी देते हुए खंड शिक्षाधिकारी मुख्यालय संजय यादव ने कहा कि प्रतियोगिता का शुभारंभ जिलाधिकारी गौरांग राठी 30 जनवरी को दोपहर 12 बजे करेंगे। जबकि समापन 31 जनवरी को अपरान्ह दो बजे सांसद साक्षी महाराज करेंगे। बीएसए शैलेश पाण्डेय ने जिले के विकास खंडो की टीमों से समय से पहले आने का आग्रह किया है।

# अलग-अलग क्षेत्रों में फंदे से लटके मिले तीन युवकों के शव

## सदर क्षेत्र के मामले में परिजनों ने प्रेमिका के परिवारवालों पर लगाए प्रताड़ना के आरोप, पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर शुरू की मामले की जांच

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

**अमृत विचार:** सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला अकरमपुर, मौरावां थाना व कस्बा के मोहल्ला शिवपुरा व बांगरमऊ कोतवाली अंतर्गत नगर क्षेत्र के स्टेशन रोड पर तीन युवकों के शव फंदे से लटके मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची संबंधित थानों की पुलिस ने जांच के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिये भेजा।

पोस्टमार्टम हाउस में बिलखते परिजन व इनसेट में ललित कश्यप की फाइल फोटो।

सदर क्षेत्र के मामले में युवक के पिता का आरोप था कि बेटा एक युवती से बात करता था। उसके परिजनों ने जेल भिजवाने की धमकी देकर रुपए मांगे थे। इसी डर से उसने आत्महत्या की है। पिता की तहरीर पर पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराया। इसमें पहले जहरीला पदार्थ निगलने की संभावना दिखने पर बिसरा सुरक्षित किया गया।

### प्रेमिका के परिजनों के धमकाने से आहत युवक ने फांसी लगाकर दी जान

उन्नाव : अकरमपुर मोहल्ला निवासी ललित कश्यप (23) पुत्र विनोद कुमार घर के पास एक फैक्ट्री में काम करता था। पिता ने बताया कि घर से करीब एक किमी आगे रहने वाली युवती से बेटे की वर्ष 2023 से अक्सर बात होती थी। बताते हैं कि बीते दिन युवती कहीं चली गई। इसी शक में उसके परिजन ललित के घर पहुंचे और अभद्रता कर ललित को अपने साथ ले गए। बाद में युवती लौट आई तो उसके परिजनों ने बेटे को चौकी में बैठा दिया। पिता का आरोप है कि युवती के परिजन उसे नाबालिग बता कर 12 लाख रुपये मांग रहे थे। जिसे ने देने पर जेल भिजवाने की धमकी दी थी। बुधवार रात चौकी से लौटने के बाद ललित ने खाना नहीं खाया। वह काफी डरा हुआ था। इसके बाद भोरपहर 4 बजे उसका शव कमरे में फंदे से लटका देख परिजनों के होश उड़ गए। जीवित होने की आशंका पर उसे जिला अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इकलौते बेटे की मौत से मां शिवपति व बहनें जूही व ज्योति बेहाल रहीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। जिसमें उसके जहर निगलने की भी बात सामने आई। लेकिन उसकी मौत हैंगिंग से होने की पुष्टि हुई।

### जयपुर से लौट कर आए युवक ने लगाई फांसी

उन्नाव : मौरावां थाना व कस्बा के मोहल्ला शिवपुरा निवासी विशाल (25) पुत्र स्व. राजा सिंह जयपुर में मजदूरी करता था। 15 दिन पहले वह घर लौटा था। बुधवार रात उसे अपने कमरे में फंदे से लटका देख मां के होश उड़ गए। शोर सुन परिजन व पड़ोसी पहुंचे और उसे फंदे से उतारकर 100 बेड अस्पताल लाए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। बेटे की मौत से मां जनक दुलारी, बड़ा भाई सदन व बहन साधना बेहाल हो गई। अस्पताल के मेमो पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द किया। एसओ ने बताया कि परिजनों का कोई आरोप नहीं है।

### जाल में फंदे से लटका मिला युवक का शव

बांगरमऊ : बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र के नौशहरा अरगुपुर गांव के मूल निवासी सुरेश त्रिवेदी बांगरमऊ कोतवाली अंतर्गत नगर के स्टेशन रोड पर मकान बनवा कर परिवार के साथ रहते हैं। गुरुवार को उनका 22 वर्षीय बेटा अभिषेक घर पर अकेला था। तभी उसने आंगन में पड़े जाल में फंदे से लटककर खुदकुशी कर की। जानकारी पर परिजनों में कोहराम मच गया। उसकी मौत से मां पूनम, भाई विवेक, बहन प्रियंका बेहाल हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

# हत्या के तीन दोषियों को उम्रकैद

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

**अमृत विचार:** घर में सोते समय मासूम भाई-बहन की गला रेतकर हत्या करने के 3 आरोपियों को कोर्ट ने सुनवाई के बाद दोषी ठहराते हुए उन्हें आजीवन करावास के आदेश दिए। इसके साथ उन पर 36-36 हजार का जुर्माना भी लगाया है।

बता दें कि गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के ऋषि नगर मोहल्ला निवासी मोनू मिश्रा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि 1 अप्रैल-2019 को वह बेटी बिट्टू (13) व बेटे राघव (9) को मकान की ऊपरी मंजिल में बने कमरे में छोड़कर अस्पताल गई थी। पति पवन भी ड्यूटी गए थे। घर में दोनों बच्चे अकेले थे। दोपहर 3 बजे लौटने पर

- भाई-बहन की गला रेतकर हत्या करने का मामला
- न्यायालय ने दोषियों पर 36-36 हजार रुपये का लगाया जुर्माना

घर का मुख्य दरवाजा बाहर से बंद था। जबकि जाते समय वह बच्चों से दरवाजा अंदर से बंद कराकर गई थी। अंदर पहुंचने पर बच्चों के शव रक्तरंजित हालत में बेड पर पड़े मिले थे। मोनू ने तहरीर में किसी परिचित पर घर का दरवाजा खुलवाकर लूट के बाद बच्चों की हत्या करने का अंदेशा जताया गया था। पुलिस ने घटना की तफ्शीश की तो पता चला कि बच्चों के मौसेरे भाई गोलू उर्फ शुभांकित शुक्ला ने साथी राहुल यादव व शनि कुमार के साथ मिलकर दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया था। पुलिस ने 2 व 7 अप्रैल को तीनों को पकड़कर जेल भेजा था। तत्कालीन कोतवाल हर प्रसाद अहिरवार ने जांच के बाद आरोपियों के विरुद्ध साक्ष्य एकत्र कर 4 जून-2019 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। गुरुवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई एडीजे-1 की कोर्ट में हुई। इसमें शासकीय अधिवक्ता अजय कुमार की दलील व साक्ष्य के आधार पर न्यायाधीश कविता मिश्रा ने शुभांकित, राहुल व शनि को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास के आदेश दिए।

### 87 विद्यालयों में गुरुवार को हुईं यूपी बोर्ड की प्रयोगात्मक परीक्षाएं

उन्नाव, अमृत विचार : माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज की इंटर की प्रयोगात्मक परीक्षाएं गुरुवार को जिले के 87 इंटर कॉलेजों में हुईं। जबकि 48 विद्यालय ऐसे थे जिनकी संपूर्ण विषय भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गृह विज्ञान, भूगोल आदि विषयों की प्रयोगात्मक परीक्षाएं संपन्न हो गईं। जिले के 208 विद्यालयों के छात्र–छात्राओं की भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गृह विज्ञान, भूगोल, व्यावसायिक ट्रेड, सिलाई आदि विषयों की प्रयोगात्मक परीक्षाएं होनी हैं। कंट्रोल प्रभारी रामचंद्र सिंह ने बताया कि गुरुवार को 87 केंद्र में प्रयोगात्मक परीक्षा हुईं। इससे 48 ऐसे विद्यालय हैं जहां संपूर्ण विषय की परीक्षाएं संपन्न हो गई हैं। जबकि अन्य केंद्रों में कुछ विषयों की परीक्षाएं संपन्न हुई है।

# वैज्ञानिक खोजों की आधारशिला है एआई

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

**अमृत विचार:** देश की पहली एआई ऑगमेंटेड मल्टीडिसिप्लिनरी प्राइवेट यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी उप्र में यंग रिसर्चर्स सिम्पोज़ियम ऑन डेटा साइंस फॉर साइंस का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम भारत सरकार के इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का आधिकारिक प्री-समिट इवेंट रहा।

सिम्पोज़ियम का उद्देश्य युवा शोधकर्ताओं को डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च के नए आयामों से जोड़ना रहा। जीनोमिक्स, क्लाइमेट मॉडलिंग, फॉरेंसिक इंटेलिजेंस और मटीरियल साइंस जैसे क्षेत्रों में डेटा-आधारित खोजों पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में अशोका यूनिवर्सिटी के डॉ. प्रत्युष प्रणव और टीसीएस एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के अभिषेक सक्सेना ने वैज्ञानिक शोध में एआई की भूमिका पर मार्गदर्शन दिया। डेटा साइंस एज द इंजन ऑफ साइंटिफिक डिस्कवरी विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी, आईआईटी, यूके रिसर्च

रिसर्च पर मंथन करते विशेषज्ञ। ● अमृत विचार

- सीयू में जीनोमिक्स से क्लाइमेट मॉडलिंग तक डेटा-ड्रिवन रिसर्च पर हुआ मंथन

एंड इनोवेशन और उद्योग जगत के विशेषज्ञ शामिल हुए। हाइब्रिड मोड में आयोजित इस कार्यक्रम में देशभर के स्नातक, परास्नातक और शोधार्थी छात्रों ने अपने शोध प्रस्तुत किए। प्रो-वाइस चांसलर डॉ. थिपेंद्र पी. सिंह ने कहा कि एआई और डेटा साइंस भविष्य की वैज्ञानिक खोजों की आधारशिला हैं। ऐसे मंच भारत के एआई रिसर्च इकोसिस्टम को मजबूत करने में भूमिका निभाते हैं।

# गैस रिसाव से बचाव को 30 को होगी मॉकड्रिल

**उन्नाव, अमृत विचार:** औद्योगिक क्षेत्रों में किसी प्रकार की आपातकालीन स्थिति व केमिकल आपदा से निपटने की तैयारियां परखने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। 30 जनवरी को अकरमपुर स्थित इंडो प्रोसोया फूड्स प्रालि में एनडीआरएफ द्वारा एक मॉकड्रिल होगी। कलक्ट्रेट के पन्नालाल सभागार में एडीएम वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड की अध्यक्षता में आयोजित ऑनलाइन बैठक में इस अभ्यास की रूपरेखा तय की गई। गृह मंत्रालय भारत सरकार के निर्देश पर 11वीं बटालियन एनडीआरएफ वाराणसी यह अभ्यास कराएगी। एडीएम ने संबंधित विभागों

- एनडीआरएफ संभालेगी प्रशिक्षण की कमान

को एनडीआरएफ के मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम के अनुसार अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। 30 जनवरी को सुबह 11 बजे अकरमपुर स्थित कंपनी परिसर में अभ्यास शुरू होगा। कारखाने के अंदर व बाहरी रिहायशी इलाकों में केमिकल या गैस रिसाव की स्थिति में जनमानस को सुरक्षित बचाना व राहत कार्यों का सफल संचालन होगा। इस मॉकड्रिल से स्थानीय लोगों व कर्मचारियों को यह सिखाया जाएगा कि रिसाव की स्थिति में पैनिक न होकर क्या कदम उठाने चाहिए।

### मार्ट के सुपरवाइजर से डिलेवरी बॉय ने की मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में एक मार्ट के सुपरवाइजर से मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी डिलेवरी बॉय पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। नगर के सीताराम कॉलोनी निवासी आदित्य वर्धन ने कोतवाली पुलिस को बताया कि वह नगर स्थित एक मार्ट में सुपरवाइजर है। वहीं शक्ति नगर निवासी सत्यम गौड़ डिलेवरी बॉय था। आरोप है कि अनुशासनहीनता के चलते उसे नौकरी से हटाया गया था। इसी रंजिश को लेकर गुरुवार दोपहर वह मार्ट के बाहर उससे गालीगलौज करने लगा। जब उसने विरोध किया तो आरोपी ने लाठी-डंडों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिससे उसे चोटें आई।

# कालिया के फन पर नाचे कन्हैया

शुक्लागंज उन्नाव

**अमृत विचार:** पोनी रोड स्थित श्रीनगर रामलीला मैदान में आयोजित 17वें श्री शतचंडी महायज्ञ व श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन श्रद्धालु भक्तिरस में डूब गए। कथा व्यास श्रीहित आकाश जी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन किया।

कथा के दौरान पूतना वध, बकासुर, अघासुर और कालिया मर्दन की लीलाओं का वर्णन किया गया। महाराज ने बताया कि कपट वेश में आई राक्षसी पूतना का वध कर भगवान ने उसे भी मातृत्व का सम्मान दिया। इसके बाद बकासुर व अघासुर के उद्धार की कथा सुनाई। कालिया मर्दन प्रसंग में बताया कि भगवान

शतचंडी महायज्ञ के दौरान पूजा करते यज्ञ यजमान। ● अमृत विचार

- श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन भक्तिरस में डूबे श्रद्धालु

श्रीकृष्ण ने यमुना को विषैले प्रभाव से मुक्त कराने के लिए कालिया नाग के फन पर नृत्य किया और अंततः उसे क्षमादान देकर विदा किया। कथा के साथ प्रस्तुत झांकियों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इस दौरान यज्ञ यजमान राजेश बाजपेई, सुरेश दीक्षित, राजकुमार अग्रवाल, निर्भय मिश्रा, उमेश त्रिपाठी, सुरेश शुक्ला, हरीशंकर शुक्ला, अनूप शुक्ला, उमेश तिवारी, अशोक दुबे, भरत भुवनेश तिवारी एवं अनिल अवस्थी सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

### कोर्ट के आदेश पर दुष्कर्म व गर्भपात की रिपोर्ट दर्ज

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र की एक युवती की शिकायत पर कोर्ट के आदेश से रायबरेली निवासी युवक पर दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग व जबरन गर्भपात कराने की रिपोर्ट हुई है। क्षेत्र के एक गांव निवासी 21 वर्षीय युवती ने आरोप लगाया कि थाना लालगंज कस्बा बेहटा चौराहा रायबरेली निवासी फरीद ने उसे शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। युवती के अनुसार फरवरी 2022 में संपर्क के बाद आरोपी उसे घुमाने के बहाने कानपुर के एक होटल ले गया। जहां नशीला पदार्थ देकर अश्लील वीडियो बना लिया। आरोप है कि वीडियो वायरल करने की धमकी देकर वह लगातार दुष्कर्म करता रहा। पीड़िता का कहना है कि वह गर्भवती हो गई थी लेकिन आरोपी ने शादी से इनकार कर दबाव बनाकर गर्भपात करा दिया। युवती ने बताया कि 26 जुलाई 2025 को एसपी से भी शिकायत की। लेकिन, कार्रवाई न होने पर उसने कोर्ट की शरण ली।

### हनुमंत धाम में सवामनी हवनोत्सव के साथ होगा विशाल भंडारा

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : पोनी रोड श्रीनगर स्थित उच्च प्राथमिक जूनियर स्कूल रामलीला मैदान के पास बने हनुमंत धाम श्री संकट मोचन बालाजी मंदिर में सवामनी हवनोत्सव एवं विशाल भंडारे का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ जारी है। कार्यक्रम की शुरुआत 25 जनवरी को कलश यात्रा के साथ हुई थी। गुरुवार को मंदिर परिसर में बाबा बालाजी का भव्य श्रृंगार किया गया, जिसके बाद भजन–कीर्तन का आयोजन हुआ। भक्तों ने पूरे उत्साह के साथ बाबा के जयकारे लगाए। सेवक विनोद महाराज ने बताया कि 30 जनवरी को विधिवत रुद्राभिषेक कराया जाएगा। इसके पश्चात एक फरवरी को सुबह आठ बजे श्री बालाजी एवं प्रभु श्रीराम का भव्य श्रृंगार एवं छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा। सुबह 11 बजे से हवन एवं सुंदरकांड का आयोजन होगा, जबकि शाम को विशाल भंडारे में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा। आयोजन में पुरुषोत्तम अवस्थी, राजकुमार अवस्थी, राजकुमार निषाद, शिवम सिंह, अनुराग बाजपेई, पप्पू सोनकर, संजय पांडेय, मोनू पांडेय सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे।

### जर्जर पोल बदलने व गार्डिंग कार्य से 6 घंटे बंद रही दो फीडरों की बिजली आपूर्ति

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत विद्युत विभाग ने गुरुवार को राजमार्ग पर जर्जर विद्युत पोल बदलने व गार्डिंग का कार्य कराया। इस दौरान 33/11 विद्युत उपकेंद्र शुक्लागंज से पोषित 11 केवी फीडर नंबर 3 व 4 की आपूर्ति करीब साढ़े 6 घंटे बंद रही। सुबह 11 बजे से शुरू हुई कटौती शाम तक जारी रही। जिससे हजारों उपभोक्ताओं को परेशानी हुई। फीडर बंद होने से आनंद नगर, गोपीनाथ पुरम, ऋषि नगर, मदनी नगर, सुभाष नगर, नेहरू नगर, साकेतपुरी, विष्णुपुरी, शारदा नगर, रश्मिलोक सहित पोनी रोड के बिंदा नगर, ब्रह्म नगर, अवस्थी फार्म, डाकतार कॉलोनी व श्रीनगर समेत 20 मोहल्लों की आपूर्ति प्रभावित रही। दोपहर तक इनवर्टर जवाब दे गए जिससे घरों में अंधेरा छा गया। साथ ही पानी की आपूर्ति बाधित होने से लोगों को अधिक परेशानी उठानी पड़ी। राजधानी मार्ग पर एचटी लाइन के पोल बदलने का कार्य शाम तक चलता रहा। उपखंड अधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने मौके पर पहुंचकर कार्य का निरीक्षण किया। कार्य पूर्ण होने के बाद देर शाम आपूर्ति बहाल की गई।

# कोल्ट्स ने अगस्त क्लब को 64 रन से धोया

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

**अमृत विचार:** जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित अंडर-16 डॉ. सुखदेव प्रसाद गुप्ता जनपदीय क्रिकेट लीग के चौथे मैच में कोल्ट्स क्लब का दबदबा रहा। शानदार बल्लेबाजी व धारदार गेंदबाजी के दम पर कोल्ट्स क्लब ने अगस्त क्लब को एकतरफा मुकाबले में शिकस्त दी।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कोल्ट्स क्लब की टीम ने 30 ओवरों में 6 विकेट पर 193 रन बनाए। टीम की ओर से हर्षित ने सर्वाधिक 49 रन बनाए। जबकि कप्तान अल्तमश ने 44 व साहिल वर्मा ने 22 रन बनाए। 194 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अगस्त

क्रिकेट मैच में शॉट लगाता बल्लेबाज। ● अमृत विचार

- अंडर-16 डॉ. सुखदेव प्रसाद गुप्ता जनपदीय क्रिकेट लीग

क्लब की टीम शुरुआत से ही दबाव में दिखी और पूरी टीम 129 रनों पर ढेर हो गई। मैच के शुभारंभ पर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष डॉ. शैलेंद्र प्रताप सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें खेल भावना के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान ओम मिश्रा व परवेज अहमद जानी आदि रहे। एसोसिएशन के महामंत्री पीके मिश्रा ने बताया कि प्रतियोगिता का पांचवा मैच शुक्रवार को कल्याणी क्रिकेटर्स व शास्त्री क्लब के बीच सुबह 9 बजे से रामकली स्टेडियम शुक्लागंज में होगा।

### डीसीएम की टक्कर से घायल युवक ने तोड़ा दम, मुकदमा दर्ज

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र स्थित हाईवे पर 27 जनवरी की रात हुए सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने डीसीएम के नंबर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। कानपुर के परमपुरवा जूही निवासी मो. जियाउल हक ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका भाई शाहिद रजा (25) 27 जनवरी की रात साढ़े 9 बजे बाइक से जाजमऊ से अपनी दुकान जा रहा था। तभी पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार डीसीएम चालक ने लापरवाही से बाइक में टक्कर मार दी। इसमें शाहिद गंभीर घायल हो गया। हैलट अस्पताल में इलाज के दौरान 28 जनवरी की सुबह शाहिद की मौत हो गई। पुलिस ने डीसीएम नंबर के आधार पर अज्ञात चालक पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।

# बेसिक शिक्षक पोर्टल पर अंकित नहीं करेंगे संपत्ति का विवरण

**उन्नाव, अमृत विचार:** उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अनुपम मिश्र व महामंत्री रामजन्म सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने बीएसए व वित्त एवं लेखाधिकारी से मिलकर कहा कि चल-अचल संपत्ति के ब्यौरा संबंधी शासनादेश में कहीं भी परिषदीय शिक्षक का नाम नहीं है। केवल राज्य कर्मचारियों व अधिकारियों के लिए है। जब तक परिषदीय शिक्षकों के लिए अलग से शासनादेश जारी नहीं होता उन पर आदेश नहीं लागू होता है और तब तक चल-अचल संपत्ति का विवरण देने में बेसिक शिक्षक असमर्थ हैं। कहा कि मुख्य सचिव द्वारा 6 जनवरी 2026 को जारी शासनादेश में कहीं भी परिषदीय शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का जिक्र नहीं है। यह शासनादेश राज्य कर्मचारी व अधिकारियों के संबंध में हैं। शिक्षक नेताओं ने कहा कि कोई भी बेसिक शिक्षक चल-अचल संपत्ति का विवरण मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज नहीं करेगा। परिस्थितियों के लिए उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ उप्र आंदोलन हेतु बाध्य होगा। प्रतिनिधि मंडल में अनिल शुक्ल, रामबाबू सिंह, उमेश चंद्र मिश्र, अनूप शुक्ला, विवेक सिंह, अनिल दिवाकर, तौसीफ अली खान, सुरेश कुमार, राज किशोर वाजपेई आदि उपस्थित रहे।

फूटा गुस्सा

राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी हसनगंज प्रज्ञा पांडे को सौंपा

# यूजीसी को लेकर सवर्ण समाज के लोगों ने जोरदार प्रदर्शन कर जताया विरोध

हसनगंज उन्नाव

**अमृत विचार:** पूर्व निर्धारित कार्यक्रम को लेकर कस्बे में गुरुवार को हजारों सवर्ण समाज के लोग एकत्र हुए और यूजीसी द्वारा लाए गए नए नियम/कानून के विरोध में प्रदर्शन किया। लोगों ने कस्बे में जय भवानी व भारत माता की जय के नारों के साथ राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम हसनगंज प्रज्ञा पांडे को सौंपा।

प्रदर्शन में शामिल लोगों का कहना था कि यूजीसी जो भारत सरकार की एक संवैधानिक संस्था है और देश में विश्वविद्यालयों व उच्च शिक्षा के मानक तय करती है उसके द्वारा बनाए गए इस प्रावधान ने सवर्ण समाज को दोहरे मापदंड में खड़ा कर दिया है। ब्रजेन्द्र सिंह जिलाध्यक्ष, डा. भानू सिंह प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा व सुनील सिंह एडवोकेट आदि ने कहा कि यूजीसी नियम में यदि सवर्ण समाज के किसी व्यक्ति पर कोई आरोप लगता है तो उसके लिए नो अपील, नो वकील, सीधे

यूजीसी के विरोध में प्रदर्शन करते लोग। ● अमृत विचार

जुर्माना और सजा जैसे प्रावधान रखे गए हैं। जो अन्यायपूर्ण हैं। प्रदर्शन के अंत में लोगों ने सरकार से इस पूरे मामले पर पुनर्विचार करने की मांग की। प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा लेकिन बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी ने प्रशासन का ध्यान इस मुद्दे की गंभीरता की ओर खींचा है। इस मौके पर सत्येंद्र सिंह, अमन सिंह, राज सिंह, अरुण दीक्षित, मिलन पांडे, आनंद पंडित, कमल द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

### बजरंग दल ने भीम आर्मी के आरोपों को निराधार बता डीएम को दिया ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता उन्नाव, अमृत विचार : भीम आर्मी भारत एकता मिशन द्वारा बुधवार को दिए ज्ञापन को बजरंग दल ने भ्रामक व तथ्यों से परे बताया है। गुरुवार को बजरंग दल के प्रतिनिधिमंडल ने डीएम को एक ज्ञापन देकर भीम आर्मी के विरुद्ध निष्पक्ष जांच व सख्त कार्यवाही की मांग की है। बजरंग दल के पदाधिकारियों ने कहा कि भीम आर्मी द्वारा लगाए गए आरोप निराधार हैं। संगठन ने स्पष्ट किया कि बजरंग दल एक राष्ट्रवादी सामाजिक संगठन है जो संविधान के दायरे में रहकर सामाजिक समरसता के लिए कार्य करता है। ज्ञापन में कहा कि भीम आर्मी अपनी विफलता छिपाने के लिए अनर्गल आरोप लगा रही है। ज्ञापन में बजरंग दल ने मगरवारा प्रकरण का उल्लेख कर बताया कि किस प्रकार भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने उग्र प्रदर्शन व पथराव किया था। जिसमें कई पुलिस कर्मी घायल हुए थे। साथ ही जिले में सक्रिय ईसाई मिशनरियों के साथ भीम आर्मी की संलिप्तता व अवैध धर्म परिवर्तन के मामलों की उच्च स्तरीय जांच की मांग भी की। कहा कि भीम आर्मी के ज्ञापन की सच्चाई की जांच हो और शांति भंग करने वालों व पुलिस पर हमला करने वालों पर कार्रवाई कार्यवाही की जाए। धर्म परिवर्तन कर चुके व्यक्तियों का आरक्षण कोटा रद करने व भीम आर्मी व ईसाई मिशनरियों के बीच साठगांठ की जांच हो। बजरंग दल ने प्रशासन को आश्वासन दिया कि वे जिले में शांति व सौहार्द बनाए रखने में पूर्ण सहयोग करेंगे।

डीएम को ज्ञापन देने जाते बजरंग दल के कार्यकर्ता।

**सार्वजनिक सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अंकित कुमार गुप्ता पुत्र रामनरेश गुप्ता निवासी मोहल्ला नौंनिहालगंज (सण्डीला रोड) कस्बा व परगना व तहसील बाँगरमऊ जिला उन्नाव ने पालिका कार्यालय मे दिनांक 20–01–2026 को अपने आवेदन पत्र के साथ रजिस्टर्ड बैनामा, आधार कार्ड की छायाप्रति व शपथ पत्र प्रस्तुत कर यह उल्लेख किया है कि प्रार्थी ने मोहल्ला नौंनिहालगंज/कस्बाटोला बाँगरमऊ का एक किता भवन नम्बर 249/8 जिसकी माप पूरब से पश्चिम 55 फिट व उत्तर से दक्षिण 21 फिट कुल माप 1155 वर्गफीट या 107.35 वर्गमीटर उक्त विक्रेता श्रीमती आशा गुप्ता पत्नी स्व0 रामचन्द्र गुप्ता निवासी तिरिया भवानी पुर परगना मल्लावां व तहसील बिलग्राम जिला हरदोई से जरिये रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 13–01–2026 को क्रय कर लिया है। उक्त भवन की चौहदी निम्नलिखित है। पूरब– उन्नाव हरदोई रोड पश्चिम– मकान विपिन कटियार उत्तर– मकान रामप्रकाश गुप्ता दक्षिण– रास्ता चौड़ा 10 फिट प्रार्थी अपने उक्त भवन को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर नगर पालिका कर पंजिका अभिलेखों में कर की अदायगी के लिए 1– श्रीमती रानी गुप्ता पत्नी रामनरेश 1/5 भाग, 2– शिल्पी पत्नी अजीत कुमार 1/5 भाग, 3– सीता गुप्ता पत्नी अंकित कुमार गुप्ता 1/5 भाग, 4– अजीत कुमार पुत्र रामनरेश गुप्ता 1/5 भाग, 5– अंकित कुमार गुप्ता पुत्र रामनरेश गुप्ता 1/5 भाग के नाम दर्ज किये जाने की मांग की है। पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य आवेदन पत्र,रजिस्टर्ड बैनामा, शपथ पत्र,आधार कार्ड की छायाप्रति के आधार पर यदि उक्त नामान्तरण प्रकिया को पूर्ण किये जाने मे किसी को कोई भी आपत्ति है। तो वह विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिन के अन्दर उक्त भवन से सम्बंधित सर्वमान्य रजिस्टर्ड साक्ष्य सहित मेरे समक्ष उपस्थित हो कर वह अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है। बाद मियाद गुजर जाने पर किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा और उपरोक्त नामान्तरण प्रकिया को आवेदनकर्ता के पक्ष मे पूर्ण कर दिया जायेगा तत्पश्चात नगर पालिका परिषद बाँगरमऊ की कोई जिम्मेदारी न होगी।

**अधिशाषी अधिकारी**
**नगर पालिका परिषद**
**बाँगरमऊ, उन्नाव**

## न्यूज ब्रीफ

### एसपी ने कोतवाली के नव निर्मित मुख्य द्वार का किया उद्घाटन

बांगरमऊ उन्नाव। बांगरमऊ कोतवाली पुलिस द्वारा कोतवाली में प्रवेश हेतु भव्य गेट का निर्माण कराया गया है। नवनिर्मित मुख्य द्वार का गुरुवार को एसपी जय प्रकाश सिंह ने फीता काटकर व शिलापट खोलकर उद्घाटन किया। इस दौरान एसपी अखिलेश सिंह, सीओ संतोष सिंह, कोतवाल अखिलेश चंद पांडेय आदि पुलिस कर्मी मौजूद रहे। इसके बाद एसपी ने बेहतर पुलिसिंग के गुर बताते हुए जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने पीड़ितों के साथ त्वरित न्याय हेतु पुलिस को तैयार रहने की बात कही।

### श्रीमद्भागवत कथा सुन ग्रामीणों ने खुद को किया अमृतमय

**औरास उन्नाव, अमृत विचार।** लोधवोई गांव में रजनी शास्त्री द्वारा श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन टीम के साथ किया जा रहा है। शास्त्री जी ने कथा में अमृत वर्षा कर ग्रामीणों को अमृतमय कर दिया। आचार्य श्यामानंद आचार्य द्वारा कथा में अनेकों कर्मकांडों से आमजन को मंत्रमुग्ध किया जा रहा है। इसमें भोजराज, कंश वध व कृष्ण–सुदामा की भक्ति का विस्तार से वर्णन किया गया। टीम में सोनेलाल, रजनीश शास्त्री, अनुराग, महेंद्र मोहन, रशिक, अनुज यादव, सुरेश, विवेक, जय सिंह, मुन्ना यादव, अजय यादव आदि रहे। वही झांकी ग्रुप से रिंकू रंगीला व उनकी टीम ने बहुत ही सुंदर प्रस्तुति कर श्रोताओं का मन मोह लिया।

### यूजीसी पर रोक लगने पर लोगों ने जताई खुशी

**बांगरमऊ उन्नाव।** सुप्रीम कोर्ट द्वारा यूजीसी रेगुलेशन पर रोक लगाने की खबर आते ही नगर व क्षेत्र में खुशी का माहौल रहा। यहां के उच्च जाति वर्ग के लोगों में फैसले को लेकर उत्साह दिखा। लोगों ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को ऐतिहासिक बताते हुए न्यायपालिका का आभार जताया। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट के फैसले से नगर व क्षेत्र में संतोष व खुशी का माहौल है।

# ट्रैक्टर-ट्राली ने किशोर को कुचला, मौत

## लोगों ने आरोपी चालक को पकड़कर पुलिस को सौंपा, कोतवाली के बाहर शव रखकर हंगामा

संवाददाता, शाहाबाद, हरदोई

**अमृत विचार।** कोतवाली के दौलतपुर गंगादास निवासी किशोर को तेज रफ्तार गन्ना लदे ट्रैक्टर ट्राली ने कुचल दिया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। ट्रैक्टर ट्राली को चालक सहित हिरासत में लिया गया है। शाहाबाद कोतवाली के दौलतपुर गंगादास निवासी बाबूराम का पुत्र श्याम (17) बच्चों के साथ सड़क पर खेल रहा था। दोपहर करीब 12:30 बजे करीमनगर से गन्ना लादकर ले जा रहे ट्रैक्टर ट्राली ने मलकापुर और दौलतपुर गंगादास के बीच में किशोर को कुचल दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। ट्रैक्टर चालक बबलू पुत्र रियासत निवासी ग्राम एगमा को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। किशोर का शव लेकर परिजन और ग्रामीण कोतवाली पहुंचे, जहां पर भारी भीड़ एकत्रित हो गई। पुलिस ने जैसे तैसे समझा कर परिजनों को सीएचसी भिजवाया। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ केस दर्ज किया जाएगा।

शाहाबाद कोतवाली के सामने ग्रामीणों की भीड़। अमृत विचार

### पिकअप की टक्कर से बाइक सवार एक युवक की मौत, चार घायल

**भरखनी, हरदोई, अमृत विचार।** पाली कस्बे के पास गुरुवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पाली-शाहाबाद मार्ग पर गर्रा पुल के निकट तेज रफ्तार पिकअप ने दो बाइकों को टक्कर मार दी, जिससे उन पर सवार पांच युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनमें एक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पांचों युवक पुल पर रील बनाकर लौट रहे थे। पाली थाना क्षेत्र के भाहपुर गांव निवासी संतोष पुत्र लक्ष्मण और शोभित निवासी ग्राम भाहपुर पंत इण्टर कालेज में इंटरमीडिएट के छात्र हैं, गुरुवार को दोनों प्रैक्टिकल के बाद गांव निवासी पृथ्वीराज पुत्र रामगोपाल, विजय पुत्र बड़काई अमिरता गांव निवासी अभिषेक पुत्र मुनेंद्र के साथ दो बाइकों पर पाली गर्रा पुल पर रील बनाने गए थे। वापस लौटते समय जैसे ही वे पाली गर्रा पुल के पास लगने वाली अस्थाई मछली मंडी के सामने पहुंचे, तभी गंगा घाट से लौट रही पिकअप ने दोनों बाइकों को जोरदार टक्कर मार दी। आसपास मौजूद राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, मौके पर पहुंची पुलिस ने राहगीरों की मदद से सभी घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पाली पहुंचाया। पीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने शोभित, संतोष और विजय को हरदोई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहीं पृथ्वीराज के कंधे की हड्डी टूटने की बात सामने आई, जिसे उसके परिजन निजी अस्पताल ले गए। देर रात इलाज के दौरान विजय की मौत हो गई। अभिषेक का भी उपचार पीएचसी में किया गया। डॉक्टर के अनुसार शोभित, संतोष और विजय की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है, वहीं पुलिस ने पिकअप को कब्जे में लिया।

### सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

**शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार।** कोतवाली के शाहजहांपुर हाईवे पर नवीन मंडी स्थल के निकट बुधवार की रात टहलने निकले युवक को तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी, घायल अवस्था में उसे सीएचसी लाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला गिलजई निवासी मोहम्मद जैद (34) पुत्र मुख्तार अली खां अपने मित्र अलीम के साथ बुधवार की रात 9:00 खाना खाकर टहलने के लिए निकले थे। शाहजहांपुर हाई-वे पर नवीन मंडी स्थल के निकट पीछे से आ रहे तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी, युवक की मौत की खबर पाकर परिजनों में कोहराम मच गया। मोहम्मद जैद विवाहित था उसके दो बेटियां हैं।

मोहम्मद जैद की फाइल फोटो।

## बालामऊ-शाहजहांपुर पैसेंजर ट्रेन के समय में बदलाव, 15 मिनट पहले चलेगी रेलगाड़ी

**हरदोई, अमृत विचार।** उत्तर रेलवे द्वारा बालामऊ से शाहजहांपुर के बीच संचालित होने वाली (पैसेंजर) ट्रेन के समय में बदलाव किया गया है। नया समय परिवर्तन आगामी 30 जनवरी से प्रभावी माना जाएगा, हालांकि वर्तमान में यह ट्रेन 1 दिसंबर से 1 मार्च तक निरस्त चल रही है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, अप दिशा में चलने वाली इस ट्रेन को अब पहले की तुलना में 15 मिनट पहले संचालित किया जाएगा। अब तक बालामऊ जंक्शन से बालामऊ–शाहजहांपुर पैसेंजर ट्रेन का प्रस्थान समय शाम 6 बजकर 25 मिनट निर्धारित था। समय सारिणी में बदलाव के बाद यह ट्रेन अब शाम 6 बजकर 10 मिनट पर बालामऊ जंक्शन से रवाना होगी। संशोधित समय के अनुसार अब यह ट्रेन हरदोई स्टेशन पर शाम 6 बजकर 50 मिनट पर पहुंचेगी। हालांकि ट्रेन के फिलहाल निरस्त रहने के कारण यात्रियों को अभी इस बदलाव का प्रत्यक्ष लाभ नहीं मिल पाएगा, लेकिन मार्च के बाद जब ट्रेन का संचालन पुन: शुरू होगा, तब यह नई समय सारिणी लागू रहेगी।


**उत्तर रेलवे**

**शुद्धिपत्र–1**

संख्या: 2026 – ए.एम.वी.– सी एंड डब्ल्यू ई/निविदा – 05 दिनांक: 27.01.2026

विषय – निविदा प्रपत्र संख्या: 2026 – ए.एम.वी.– सी एंड डब्ल्यू ई/निविदा – 05 का शुद्धि पत्र।

सन्दर्भ – निविदा सूचना संख्या: 2026 –ए.एम.वी.– सी एंड डब्ल्यू ई/निविदा – 05 दिनांक: 12.01.2026 खुलने की तिथि: 13.02.2026.

कार्य का नाम- ओवरहॉलिंग ऑफ बायो टैंक ड्यूरिंग पी ओ एच इन कैरिज वर्कशॉप आलमबाग। उपरोक्त निविदा के सन्दर्भ में निविदा में निम्नलिखित परिवर्तन किया गया है।

| क्रम सं. | विवरण | परिवर्तन |
|---|---|---|
| 1 | निविदा प्रपत्र | संशोधित निविदा प्रपत्र सं. 1.0 वेबसाइट पर upload कर दिया गया है। |

अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी।

शुद्धिपत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in पर upload कर दिया गया है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 311/26


# फंदे से लटका मिला युवक का शव

**हरदोई, अमृत विचार।** युवक पूरी रात घर से लापता रहा। अगली सुबह युवक का शव पेड़ पर फंदे से लटका मिला। पुलिस आत्महत्या का दावा कर रही है, जबकि पिता ने हत्या का आरोप लगाया है। युवक का मोबाइल भी गायब है।

पाली कस्बे के भगवंतपुर निवासी महेंद्र का पुत्र रविकांत (20) बुधवार को पिता से 10 रुपये ले कर दुकान से घर जाने के लिए निकला था। लेकिन सारी रात घर नहीं पहुंचा। महेंद्र ने समझा कि वह ताऊ के घर कहार कोला चला गया होगा, लेकिन गुरुवार की सुबह बताया गया कि रविकांत का शव मोहल्ले के कूड़ाघर के बगल में पेड़ पर फांसी पर लटक रहा है। पिता महेंद्र के अनुसार रविकांत का शव पेड़ पर काफी ऊंचे पर लटक रहा था, दोनों पैरों में जूते पहन रखे थे, साथ ही उसका मोबाइल भी गायब था। महेंद्र का पहला सवाल है कि क्या कोई जूते पहने-पहने पेड़ पर ऐसे चढ़ सकता है? महेंद्र का आरोप है कि पुत्र की हत्या कर शव लटकाया गया। उसने बताया कि रविकांत नोएडा में था, एक हफ्ता पहले ही गांव आया था, उसका आरोप है कि रविकांत पर उसी के नातेदार अपनी भांजी से प्रेम-प्रसंग का आरोप लगा रहे थे। मंगलवार को उन्ही लोगों ने धमकाया भी था, उससे पहले पिटाई भी कर चुके थे।


**पूर्वोत्तर रेलवे**

**ई-निविदा सूचना सं.: DCE-BL-06-2026**

उप मुख्य इंजीनियर/पुल लाईन/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा आमंत्रित करते हैं :–

**क्र. सं. : 1, ई-निविदा सं. :** DCE-BL-06-2026, **कार्य का विवरण :** पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल पर स्थित पुल सं.–172DN (5x18.3m), 8, 57, 59DN (3x12.20m), 9(3x12.20m), 1UP (3x12.2), 3UP (3x12.20m), 178UP, 82DN, 59UP (3x12.20), 120UP, 125DN, 172UP (5x12.20m), 68UP, 9DN, 17DN, 2, 1DN, 3DN, 39UP, 59UP, 66UP पर साईड पाथवे का प्रावधान, **अनुमानित लागत :** ₹ 4,80,22,118.21, **बयाने की राशि :** ₹ 3,90,100.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य, **स्वीकृति पत्र जारी होने के तिथि से कार्य की समापन अवधि :** 18 (अट्ठारह) माह।

• ई-निविदा खुलने की तिथि दिनांक **20.02.2026** को 11.00 बजे। • ई-निविदा की प्राप्ति की तिथि दिनांक **20.02.2025** को 10.59 बजे। • ई-निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

मुजाधि/डब्ल्यू-438 उप मुख्य इंजीनियर/पुल लाईन

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें



**कार्यालय द्वितीय वाहिनी पीएसी सीतापुर**

**प्रेस विज्ञप्ति**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि द्वितीय वाहिनी पीएसी, सीतापुर मे वित्तीय वर्ष 2025–2026 मे मानक मद 44 प्रशिक्षण के अन्तर्गत वाहिनी आरटीसी मे प्रशिक्षण कार्य हेतु निम्नलिखित कार्य आगणन के अनुसार कराया जाना है–

| क्र.सं. | कार्य का विवरण | कराये जाने वाले कार्य की धनराशि (आगणन के अनुसार) |
|---|---|---|
| 1 | 01 अदद स्विंग रोप का निर्माण कार्य। | 2.50 लाख |
| | योग | 2.50 लाख |

अतः उपरोक्त कार्यो को कराये जाने हेतु निविदा दिनांक–05/02/2026 को समय 12: 00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो तद्दिनांक को ही अधोहस्ताक्षरी द्वारा प्राधिकृत किये गये राजपत्रित अधिकारी द्वारा समय 13.00 बजे खोली जायेगी। इच्छुक ठेकेदारं नियत तिथि के पूर्व किसी भी, कार्य दिवस मे उपस्थित होकर टेण्डर फार्म प्राप्त कर सकते है।

पत्र सख्या– भ–03/2026, दिनांक – 29/01/2026

सेनानायक, द्वितीय वाहिनी पीएसी सीतापुर।



**रायबरेली विकास प्राधिकरण, रायबरेली।**

**सार्वजनिक सूचना**

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि श्रीमती अर्चना त्रिपाठी पत्नी श्री पंकज त्रिपाठी व श्री पंकज त्रिपाठी पुत्र हरिकरन त्रिपाठी निवासीगण रामजी पुरम् बस्तेपुर, रायबरेली द्वारा गाटा सं0–21/2, 27 मि0, 27मि0, 27मि0, 695बी, 695बी, 695बी, 695बी व 695बी चक दौलताबाद, आनन्द नगर, जेल रोड़ रायबरेली द्वारा शमन मानचित्र–84/2025 स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया गया है। रायबरेली महायोजना–2031 के अन्तर्गत स्थल का भू–उपयोग आवासीय है। भवन उपविधि एवं जोनिंग रेगुरेशन–2025 के प्रस्तर–15.3.5 (5.7) के अनुसार आवासीय भू–उपयोग में नर्सिंग होम अनुमन्य है। उक्त शमन मानचित्र स्वीकृति से पूर्व नियमानुसार जन सामान्य से आपत्ति / सुझाव आमत्रित किए जाते है। यह स्थल रायबरेली महायोजना–2031 के अन्तर्गत 30 मीटर चौड़े मार्ग पर स्थित है।

उपरोक्त प्रकरण के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्राधिकरण के मानचित्र अनुभाग से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। आपत्ति/सुझाव प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के अन्दर मानचित्र अनुभाग में लिखित रुप से प्राप्त कराये जा सकते है। निर्धारित अवधि में प्राप्त आपत्ति / सुझाव पर ही विचार किया जायेगा।

सचिव
रायबरेली विकास प्राधिकरण,
रायबरेली।


### चालक को जहर खुरानी गिरोह ने बनाया शिकार, हालत गंभीर

**बांगरमऊ उन्नाव, अमृत विचार।** दिल्ली से रोडवेज बस से घर लौट रहे चालक को जहर खुरानी गिरोह ने शिकार बना लिया। बस चालक उसे बेहोशी हालात में छोड़ कर चला गया। लोगों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से उसे रेफर कर दिया गया। कोतवाली क्षेत्र के गांव गहिरा निवासी अमित (25) पुत्र राजेश दिल्ली में निजी वाहन चलाता है। बुधवार शाम वह रोडवेज बस से घर लौट रहा था। तभी रास्ते में ज़हर खुरानी गिरोह ने उसके 5 हजार रुपये, फोन व ड्राइवर लाइसेंस आदि पार कर दिया। गुरुवार सुबह बस परिचालक ने उसे बेहोशी की हालत में नगर नानामऊ तिराहे पर फेंक दिया।

### बटाईदार को घेरकर पीटा, गोली मारी

**हरदोई, अमृत विचार।** मामूली बात को लेकर हुए विवाद की रंजिश में दवाई ले कर लौट रहे बटाईदार को घेरकर पीटा गया और फिर गोली मार दी। माधौगंज थाने के अटवा अली मर्दानपुर निवासी 35 वर्षीय सुखवासी पुत्र सतनू ने गांव के सुनील का खेत बटाई कर रखा है, रविवार को सुखवासी की पत्नी फूलमती खेत पर थी। उसी बीच गांव के राजाराम की पत्नी रुचि वहां घास काटने पहुंची। आरोप है कि रुचि ने मटर की फली तोड़ने लगी। फूलमती ने रोका तो रुचि ने उसकी पिटाई कर दी। शिकायत करने पर पुलिस ने उसी दिन दोनों के बीच समझौता करा दिया था। बुधवार को सुखवासी बघौली से दवा लेकर बाइक से लौट रहा था, उसी बीच रास्ते में घेर लिया गया। आरोप है कि शिवकुमार और विजय पिटाई करने लगे। राजाराम ने उसे गोली मार दी। बाएं कंधे के नीचे गोली लगते ही वह गिर पड़ा, उसी दौरान हमलावर भाग निकले। सुखवासी की पत्नी उसे ले कर सीएचसी पहुंची, जहां से उसे मेडिकल कालेज के लिए रिफर कर दिया गया। पुलिस जांच कर रही है।

### बार एसोसिएशन के नव निर्वाचित पदाधिकारियों को दिलाई गई शपथ

**बांगरमऊ उन्नाव, अमृत विचार।** तहसील बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को गुरुवार को तहसील परिसर में आयोजित समारोह में न्यायाधिकारी आकांक्षा अवस्थी ने पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण की शुरुआत अधिवक्ताओं के स्वागत के साथ हुई। न्यायाधिकारी ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष रामभरोसे वर्मा, महामंत्री रमेश द्विवेदी व कोषाध्यक्ष मुजम्मिल अहमद आदि पदाधिकारियों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसमें पदाधिकारियों ने अधिवक्ता हितों की रक्षा, न्यायिक व्यवस्था सुदृढ़ बनाने व बार और बेंच के बीच समन्वय बनाए रखने का संकल्प लिया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने सभी अधिवक्ताओं का आभार जताते हुए विश्वास दिलाया कि संगठन को नई दिशा दी जाएगी और सबको साथ लेकर कार्य किया जाएगा। इसमें एसडीएम बृजमोहन शुक्ला के अलावा बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

### धमकियों से परेशान व्यापारी ने की आत्महत्या

**कछौना, हरदोई, अमृत विचार।** कोतवाली क्षेत्र के दिन नगर निवासी व्यापारी ने पैसे के लेनदेन के चक्कर में जीवन लीला समाप्त कर ली है। मृतक की पुत्री रिचा (17) निवासी दिननगर ने बताया है कि दिन नगर के मजरा रायपुर निवासी सुभाष सतीश, सर्वेश ने बुधवार घर पर आए थे और बंद कमरे में पिता रामसेवक (58) को धमकाया था। आरोपियों से रामसेवक ने चार लाख रुपये ब्याज पर लिए थे। जो पैसे अदा कर दिया था। एक माह का ब्याज रह गया था जिसको लेकर आए दिन धमकाते और प्रताड़ित करते थे। देर शाम को तीनों लोग आकर बंद कमरे में धमकाया, जिससे प्रताडित होकर रामसेवक देर रात घर के अंदर जाल में रस्सी के सहारे फांसी के फंदे लटक कर आत्म हत्या कर ली। रामसेवक अपनी पुत्री रिचा के साथ रहता था। एक पुत्र शैलेश बाहर प्राइवेट नौकरी करके परिवार का पालन पोषण करता था। रामसेवक गांव में ही गल्ला के खरीदारी कर मंडी ले जाता था। क्षेत्राधिकारी बघौली प्रवीण कुमार यादव ने बातया है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अभी तक मृतक परिजनों ने कोई तहरीर नही दी।

### ऑटो चालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

**हरदोई, अमृत विचार।** ऑटो चालक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई, जबकि पुलिस का दावा है कि युवक ने फांसी लगा कर आत्महत्या की, जबकि पिता का आरोप है कि उसके पुत्र की हत्या कर शव फांसी पर लटकाया गया। बिलग्राम कोतवाली के सरौना निवासी 27 वर्षीय रिसेंद्र पुत्र देवेंद्र आटो चालक था, परिवार में पत्नी मनीषा और बेटा ऋतिक है। पिता देवेंद्र ने बताया कि बुधवार की रात उसे सूचना देकर सीएचसी साण्डी बुलाया। जहां उसके पुत्र रिसेंद्र का शव रखा हुआ था। देवेंद्र का आरोप है कि उसकी हत्या की गई।


# कार्यालय नगर पंचायत शिवगढ़, रायबरेली।

पत्रांक: 1592/अधि0अधि0/न0पं0 शिक्षा/निर्माण/2025–26 दिनांक–28/1/2026

**पुन:निविदा सूचना**

समस्त राजकीय विभागों में पंजीकृत समस्त ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत शिवगढ को राज्य वित्त आयोग से उपलब्ध धनराशि से निम्न विवरण की अनुसार निर्माण कार्यो को कराये जाने हेतु शीलवन्द निविदा दिनांक 29/01/2026 से 13/02/2026 को अपराह्न 2: 00 बजे तक कार्यालय नगर पंचायत शिवगढ़ में आमन्त्रित की जाती है. जो दिनांक 16/2/2026 को पूर्वान्ह 4:00 बजे उपस्थित / अनुपस्थित ठेकेदारो के समक्ष खोली जायेगी। जिनसे सम्बन्धित निविदा प्रपत्र दिनांक 10/2/ 2026 तक निर्धारित शुल्क जमाकर कार्यालय नगर पंचायत से प्राप्त किये जा सकते है. एक अथवा समस्त निविदाओं को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा। कार्यो का विवरण नियम शर्ते निम्नवत् है–

| क्र.सं. | कार्य का नाम | आगणन की धनराशि जी0एस0टी0 सहित | आगणन की धनराशि जी0एस0टी0 रहित | 5% जमानत राशि | निविदा मूल्य | कार्यावधि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 1 | नगर पंचायत शिवगढ़ के अन्तर्गत कार्यालय परिसर के सामने की ओर मिट्टी भराई का कार्य। | 392000.00 | 332877.00 | 16644.00 | 400.00 | 1 माह |
| 2 | नगर पंचायत शिवगढ़ के अन्तर्गत कार्यालय परिसर के पीछे की तरफ मिट्टी भराई का कार्य। | 453000.00 | 384562.00 | 19228.00 | 500.00 | 1 माह |
| 3 | नगर पंचायत शिवगढ़ के अन्तर्गत वार्ड नं0 11 में केन्द्रीय विद्यालय परिसर में कवर्ड नाला का निर्माण कार्य। | 468000.00 | 396702.00 | 19835.00 | 500.00 | 1 माह |
| 4 | नगर पंचायत शिवगढ़ के अन्तर्गत वार्ड नं0 02 मोहल्ला अजीत खेड़ा में मूर्ति माता मन्दिर में रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग का निर्माण कार्य। | 497000.00 | 421867.00 | 21093.00 | 500.00 | 1 माह |

**नियम व शर्ते**

1. निविदादाताओं को अनिवार्य रूप से जिलाधिकारी महोदय द्वारा जारी अद्यतन हैसियत व चरित्र प्रमाण पत्र (T4 T5) निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।
2. निविदादाता को निविदा के साथ T6 प्रारूप पर शपथ पत्र, 100 रू0 के स्टाम्प पर निविदा वैद्यता शपथ पत्र, 10 रू0 के स्टाम्प पर निविदा की शर्तो को अनुपालन करने का शपथ पत्र तथा सभी अभिलेखों के स्वप्रमाणित कर संलग्न करना अनिवार्य होगा।
3. निविदादाताओं द्वारा निविदा प्रपत्र में दर प्रतिशत आधार पर भरे जायेगें। BOQ में उल्लिखित आइटमों हेतु रेट अलग–अलग नहीं भरे जायेगें। किसी एक अथवा समस्त निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।
4. आगणन दर से कम की दर प्रस्तुत करने वाले निविदाओं को शासनादेश संख्या 622/23–12–20125–2 आडिट/ 08 टी.सी.– 2 दिनांक 08 जून 2012 में की गयी व्यवस्था के अनुसार परफारमेन्स गारन्टी की धनराशि निविदा खोले जाने की तिथि से तीन दिनों के अन्दर कार्यालय नगर पंचायत शिवगढ़, जनपद–रायबरेली में जमा करना अनिवार्य होगा। यदि उक्त समय सीमा के अन्दर परफारमेन्स गारन्टी की धनराशि जमा नहीं की जाती है तब जमानत की धनराशि जब्त कर ली जायेगी तथा फर्म/व्यक्ति को काली सूची में डाले जाने की कार्यवाही कर दी जायेगी।
5. निविदा के साथ 5 प्रतिशत जमानत धनराशि EPVG, FDR, NSC मूल रूप से संलग्न करना अनिवार्य होगा।
6. निविदा स्वीकृति पत्र प्राप्त होने के पश्चात एक सप्ताह के अन्दर निर्धारित स्टाम्प पेपर पर अनुबन्ध सम्पादित व अवशेष 05 प्रतिशत जमानत धनराशि जमा करना अनिवार्य होगा।
7. ठेकेदार द्वारा निर्धारित समय के अन्दर कार्य पूर्ण न किये जाने की दशा में अनुबन्ध के अनुसार बिलम्ब पर नियमानुसार अर्थ दण्ड देय होगा एवं जमानत धनराशि जब्त कर ठेका निरस्त करने की कार्यवाही की जायेगी।
8. कार्यो की विस्तृत जानकारी व अन्य शर्ते किसी भी कार्य दिवस में नगर पंचायत शिवगढ़ कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
9. कार्य हेतु ठेकेदार अथवा उसके सहयोगी द्वारा निविदा इत्यादि कार्य में व्यवधान, अभद्रता, दुर्व्यवहार इत्यादि करने पर सम्बन्धित को ब्लैक लिस्टेड (काली सूची) में करते हुए प्रथम सूचना रिपोर्ट सम्बन्धित थाने में दर्ज करायी जायेगी।
10. ठेकेदारों को कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व, कार्य की प्रगति के दौरान तथा कार्य समाप्ति के उपरान्त कार्य स्थल का फोटो ग्राफ कार्यालय में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
11. निविदा के साथ 100,00 रू0 का जनरल स्टाम्प एवं रसीदी टिकट संलग्न करना होगा।
12. नगर पंचायत से विवरण प्राप्त कर लोकार्पण पत्थर लगाया जाना अनिवार्य होगा।
13. कार्य पूर्ण के 12 माह के पश्चात ठेकेदार द्वारा निविदा के समस्त शर्तो के अनुसार कार्य पूर्ण कर कार्य सन्तोषजनक होने की स्थिती में अवर अभियन्ता / सहायक अभियन्ता की जांचोपरान्त जमानत धनराशि अवमुक्त की जायेगी।
14. सभी नियम व शर्ते निदेशालय के पत्र संख्या TC/314/8/DLB/2020 दिनांक 01.01.2021 के अनुसार ही मान्य होगी।
15. कार्य पूर्ण होने अथवा भुगतान से पूर्व लिखित रूप से सूचित करना अनिवार्य होगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत शिवगढ़,
रायबरेली

अध्यक्ष
नगर पंचायत शिवगढ़,
रायबरेली



**अमृत विचार क्लासीफाइड**

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

**सूचना**

यह सूचित किया जाता है कि M/s Matani Enterprises LLP (पंजीकृत कार्यालय: 111A/72A, अशोक नगर, कानपुर 208012) के भागीदारों ने इसे M/s Matani Enterprises Private Limited में परिवर्तित करने का प्रस्ताव पास किया है।

**सूचना**

मैं **रानी देवी पत्नी श्री राम औतार, निवासिनी– ग्राम व पोस्ट गुगौली जनपद फतेहपुर उ0प्र0**, यहकि मेरे नाम की स्पेंलिग पूर्व में (RANEE DEVI) थी। जो कि मैने अपने नाम की स्पेंलिग को बदलकर (RANI DEVI) रख लिया है अब मुझे मेरे नाम की स्पेलिंग RANI DEVI से ही जाना जाये।

**सूचना**

त्रुटिवश मेरे पासपोर्ट मे मेरा नाम एकता अंकित हो गया है, जबकि मेरा वास्तविक नाम आधार कार्ड एवं अन्य अभिलेखों में एकता दुबे (EKTA DUBEY) है। मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **एकता दुबे पुत्री ब्रह्मानंद द्विवेदी बेलहर कलां, सन्त कबीर नगर उत्तर प्रदेश 272199**

**सूचना**

मैं विनय कृष्ण पाल पुत्र श्री छोटे लाल पाल निवासी गली नं.–2बी, आशाराम बाबू आश्रम, सिटी मार्डन आकेडमी स्कूल, लखनऊ, मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण–पत्र में शिरशा पाल नाम अंकित है। जबकि अन्य कागज जैसे आधार में वान्या पाल नाम अंकित है। मेरी पुत्री को अब वान्या पाल के नाम से जाना व पहचाना जाता है।

**सूचना**

मेरे पासपोर्ट मे मेरा नाम वीरेश धर लिख गया है जबकि मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड एवं अन्य अभिलेखों में मेरा नाम वीरेश धर दुबे (VIRESH DHAR DUBEY) है, मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **वीरेश धर दुबे पुत्र ब्रह्मानंद द्विवेदी बेलहर कलां सन्त कबीर नगर उत्तर प्रदेश 272199**

**सूचना**

मैने अपना नाम SHABNAM SULTANA से बदलकर SHABNAM ARA रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-KHALID FAISAL ADD-46, TAIGORE MARG, NADWA CAMPUS, DALIGANJ, NEW HYDERABAD, DIST-LUCKNOW-226007 (U.P.)

**सूचना**

मैने अपने (माइनर) पुत्र का नाम AZHAAN MOHAMMADMUSTAK PENDARI से बदलकर AZHAAN PENDARI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MOHAMMAD MUSTAK PENDARI ADD-529A/239, MATEEN PURWA, NEAR FATIMI MASJID, KHURRAM NAGAR, VIKAS NAGAR, DIST-LUCKNOW-226022 (U.P.)

**सूचना**

मैने अपना नाम TANIYA SINGH से बदलकर TANIYA PUNN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। C/0-ANADI PUNN ADD-802 SECTOR-24, KALYAN GARDEN VIEW APPARTMENT PO-INDIRA NAGAR DIST-LUCKNOW-226016 (U.P)

**सूचना**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम बृजेश कुमार पुत्र अयोध्या प्रसाद ग्राम कुशल खेड़ा पोस्ट पहुरी तहसील लालगंज जिला रायबरेली का निवासी हूं। मेरी वास्तविक जन्म तिथि 18/04/1975 है। मेरा मूल पता उपरोक्त है।

**NOTICE**

It is informed that the Date of Birth of Alizah Azaz, D/O Azaz Ahmad Ansari, R/O Moh-Baddha, Sikanderpur, Ballia (U.P.), recorded in school as 10.03.2015, is incorrect. The correct Date of Birth is 10.03.2016 as per Government records. All concerned may note this for future reference.

**सूचना**

मेरे सुपुत्र अभिराम त्रिवेदी के शैक्षिक प्रमाण पत्र एवं अन्य अभिलेखों में अभिराम त्रिवेदी दर्ज है। जबकि किसी कारणों एवं त्रुटिवश उसके आधार कार्ड नंबर – 2000,5884, 8460 में अभिनाश त्रिवेदी हो गया है। उसे अभिराम त्रिवेदी के नाम से जाना व पहचाना जाए। **धीरज त्रिवेदी पुत्र सन्तोष कुमार त्रिवेदी निवासी-गंगाबक्श पुरवा, बिलग्राम रोड (हरदोई)**

**लापता सूचना**

मेरे पति विजय जायसवाल पुत्र स्व. भगौती प्रसाद जायसवाल दि.17/06/1991 को अपनी स्कूटी-UP32/DS–6234 से अमीनाबाद गये थे जो आज तक वापस घर नही आये। जिसकी प्रथम सूचना रिपोर्ट तत्काल थाना–गाजीपुर, लखनऊ में मेरे द्वारा दर्ज करायी गयी थी। यदि किसी व्यक्ति को इनके बारे में कोई जानकारी हो तो मेरे निम्न पते पर सूचित करने की कृपा करें। विजय जायसवाल का अन्य विवरण इस प्रकार है –कद–5 फिट 5 इंच, रंग–हल्का सांवला, इकहरा शरीर। शान्ती जायसवाल, म.नं.–ए–1325/4, इन्दिरा नगर, निकट मीना मार्केट, लखनऊ।

**सूचना**

मैं **राफिक पुत्र नूर मोहम्मद निवासी ग्राम तकिया बदलगढ़ मजरे अहमदपुर थाना व विकाससखण्ड बाजारशुकुल परगना जगदीशपुर तहसील मुसाफिरखाना जनपद अमेठी,** मेरे पुत्र इमरान जिनका चाल चलन ठीक न होने के कारण उन्हें अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूँ। अब मेरा व उसके परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सम्बन्ध आज से नहीं रहेगा। इमरान के कृत्यों से सामाजिक व पारिवारिक व्यवहारों को देखते हुए मैं यह कार्य कर रहा हूँ। यदि उक्त कोई भी गलत कार्य करते है तो उसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगे मेरा व उसके किसी परिजनों का कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा।

**सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ड्राइविंग लाइसेंस संख्या UP7520110013292 (आनलाइन आवेदन संख्या 4815587822) में नाम व पते की प्रविष्टि त्रुटिवश गलत दर्ज हो गई है। उक्त ड्राइविंग लाइसेंस में मेरा नाम जयनेन्द्र कुमार पुत्र राम खखन अंकित हो गया है, जबकि मेरा सही नाम ज्ञानेन्द्र कुमार पुत्र रामलखन है। इसी प्रकार पता भी गलत अंकित हो गया है, जबकि मेरा सही पता ग्राम–पुर्वा वर, पोस्ट–रूरूगंज, तहसील– बिधूना, जनपद– औरैया है। उक्त त्रुटि के संशोधन हेतु संबंधित विभाग में आवेदन किया जा रहा है। **–ज्ञानेन्द्र कुमार पुत्र रामलखन ग्राम–पुर्वा वर, पोस्ट– रूरूगंज तहसील– बिधूना (औरैया)**

**सूचना**

मैं **अबनाश सिंह पुत्र अनगपाल सिंह, निवासी –ग्राम राजापुर पोस्ट जाफराबाद जनपद कन्नौज,** मेरी हाईस्कूल की अंक तालिका में अबनाश सिंह अंकित है तथा मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम अबिनाश सिंह अंकित हो गया है जो कि गलत है। जबकि मेरा सही नाम अबनाश सिंह (ABNASH SINGH) है। अतः मेरे आधार कार्ड में अशुद्ध नाम अबिनाश सिंह के स्थान पर पर शुद्ध नाम अवनाश सिंह (ABNASH SINGH) अंकित किया जाय।

**सूचना**

मै **राम धीरज पुत्र राम औतार निवासी रसूलपुर ब्लाक हरख तहसील नवाबगंज जनपद बाराबंकी उ0प्र0**, मेरी पुत्री के आधार कार्ड सं0–3277 5755 2279 में उसका नाम (depile) पुत्री Pushpa Devi अंकित है जोकि गलत है जबकि पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र पर उसका सही नाम दीपाली (DEEPALI) है जिसकी जन्मतिथि 13.11.2012 जो सत्य व सही है। अतः मेरी पुत्री का सही नाम दीपाली (DEEPALI) पुत्री राम धीरज अंकित किया जाय।

**सूचना**

मैं शमरीन खां पुत्री अबरार खां निवासी ग्राम हाजीपुर पो0 बेलगवां तह0 व जिला सीतापुर की हूँ। मैने हाईस्कूल की परीक्षा सन् 2021 में सेवाश्रम इण्टर कालेज काजीकमालपुर सीतापुर से संस्थागत छात्रा के रूप में उत्तीर्ण किया था। जिसका अनुक्रमांक–210970914 है, मेरा हाईस्कूल का मूल अंकपत्र सह प्रमाणपत्र तीन वर्ष पहले कहीं खो गया है। काफी तलाश किया परन्तु अंकपत्र सह प्रमाणपत्र नहीं मिल सका है।

**सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम राम किरसन पुत्र राम लखन, पता पूरे अकबर, पोस्ट कोटवा मोहम्मदाबाद, जनपद रायबरेली है। मेरे आधार कार्ड व बैंक पासबुक में मेरा नाम राम किरसन है। मैने भारतीय जीवन बीमा निगम में एक बीमा कराया था। जिसकी पॉलिसी सं. 236533692 है, जिसमें मेरा नाम कृष्ण कुमार पुत्र राम लखन अंकित है। उक्त दोनों नाम मेरे ही है मुझे दोनों नामों से जाना और पहचाना जाता है।

## न्यूज ब्रीफ

### सभासद के पति की हार्टअटैक से मौत

**बिलग्राम, हरदोई, अमृत विचार।** नगर के मोहल्ला मैदान पूरा निवासी, जाने-माने फल-सब्जी आढ़ती एवं नगर पालिका सभासद के पति रिसालत हुसैन का बुधवार देर रात हार्ट अटैक से निधन हो गया। उनके अचानक हुए निधन की खबर से पूरे नगर में शोक की लहर दौड़ गई और लोग गहरे सदमे में हैं। परिजनों के अनुसार बुधवार रात अचानक रिसालत हुसैन के सीने में तेज दर्द उठा। हालत बिगड़ने पर उन्हें आनन-फानन में बिलग्राम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक उनकी मौत हार्ट अटैक के कारण हुई है।

### तार जोड़ रहे युवक की करंट लगने से मौत

**हरदोई, अमृत विचार।** बिजली का टूटा पड़ा तार जोड़ रहा युवक अचानक करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। बिलग्राम कोतवाली के गनीपुर में गुरुवार की सुबह हुए हादसे से कोहराम बरपा हो गया। पुलिस जांच कर रही है। गनीपुर निवासी 24 वर्षीय प्रदीप पुत्र सर्वजीत खेती-बाड़ी करता था, परिवार में उसकी पत्नी शांति और दो साल की बेटी दीक्षा है। गुरुवार की सुबह घर में बिजली का तार टूट गया था, प्रदीप उसी को जोड़ रहा था, तभी करंट की चपेट चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए हादसे की जांच शुरु कर दी है।

# महिला अधिवक्ता के पति और परिजनों पर घेरकर हमला, सभी लखनऊ रेफर

## प्रधान, प्रधान प्रतिनिधि के अलावा 10 नामजद व 50-60 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज

संवाददाता, हरदोई

**अमृत विचार।** प्रधान प्रतिनिधि के इशारे पर उसके परिजनों ने अधिवक्ता के पति की कार से खींचकर बेरहमी से पिटाई की। जिससे उसकी आवाज़ चली गई, साथ ही बचाने पहुंचे कई लोगों के सिर फोड़ दिए। जिन्हे लखनऊ ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। पुलिस ने अधिवक्ता की तहरीर पर प्रधान प्रतिनिधि, उसके प्रधान भाई के अलावा 10 नामजद और 50-60 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। देर रात पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

कछौना कोतवाली के तकिया की फिरदौसजहां पेशे से अधिवक्ता है और कछौना में गौसगंज रोड इस्लाम नगर में नया मकान बनाकर रह रही हैं। फिरदौसजहां ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि रविवार को तकिया निवासी वहाब और रफीक के बीच झगड़ा हुआ था। शाम को उनके पति सलीम उसी मामले में तहरीर लेकर कोतवाली जा रहे थे, तभी रास्ते में प्रधान प्रतिनिधि नसीम ने रोका और उसके प्रधान भाई मुख्तार, शरीफ, इरशाद, अमीर, जमाल, शकील, अकील, इरफान, इकबाल, रफीक व सुफील ने अपने 50-60 अज्ञात साथियों के पति सलीम को बाहर खींचते हुए लाठी-डंडों से बुरी तरह से पीटने लगे। बचाने पहुंचे अलीजान, जान मोहम्मद, शान, वहीद, मोहम्मद जान और साहिल पर हमला कर सिर फोड़ दिया। इतना ही नहीं अधिवक्ता फिरदौस जहां के साथ बदसुलूकी करते हुए प्राइवेट पार्ट पर चोंट पहुंचाई। तहरीर में आगे कहा गया है कि हमलावर 20 हज़ार रुपये और सोने की चेन भी लूट ले गए। हमले के शिकार हुए सभी को लखनऊ ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। अधिवक्ता का कहना है कि उनके पति सलीम की आवाज़ चली गई। पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ केस दर्ज किया है। देर रात दबिश देकर सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

हमले में घायल होकर जमीन पर पड़े पति को दबंगों से बचाती महिला अधिवक्ता फिरदौसजहां।

### शिकायत पर जांच में प्रधान का पकड़ा गया था घोटाला वित्तीय अधिकार छीने जाने से था नाराज

अधिवक्ता के पति पर हुए जानलेवा हमले की साजिश उसी दिन लिखी गई थी जब उन्होनें कछौना देहात में कराए गए विकास कार्यों में किए गए घोटाले की शिकायत की। जांच में लाखों रुपये का घोटाला पकड़ा गया और उसी आरोप में प्रधान के वित्तीय अधिकार छीन लिए गए थे। ऐसा कहा जा रहा है कि उसके बाद से ही प्रधान प्रतिनिधि नसीम और उसके भाई व पतसेनी के प्रधान मुख्तार के अंदर बदले की आग धधक रही थी।

### हमलावरों की हमदर्द बन सामने आई पुलिस

कछौना पुलिस पूरी तरह से अधिवक्ता फिरदौसजहां और उनके पति सलीम पर जानलेवा हमला करने वाले हमलावरों की हमदर्द साबित हुई ही नहीं बल्कि पुलिस अफसरों ने भी उसकी इस हरकत को पकड़ा भी है। अधिवक्ता फिरदौस जहां अपने पति को उठाकर लखनऊ ट्रामा सेंटर पहुंची और इधर पुलिस ने पेश बंदी करते हुए दी गई प्रधान प्रतिनिधि की तहरीर पर जांच के बिना अधिवक्ता, उनके पति समेत कई लोगों पर केस दर्ज कर लिया। नसीम की तहरीर में शाम 4 बजे हमला होना बताया गया है, जबकि फिरदौसजहां की तहरीर में शाम 5 बजे हमला होना दर्ज है।

### एसएचओ कछौना निर्भय सिंह निलंबित

अधिवक्ता के पति की बेरहमी से पिटाई करने वाले हमलावरों की तरफदारी करने वाले एसएचओ कछौना निर्भय सिंह को निलंबित कर दिया है। एसपी अशोक कुमार मीणा ने पाया कि एसएचओ निर्भय सिंह ने अपने सच्चाई जानते हुए भी अधिवक्ता की तहरीर पर केस दर्ज न करते हुए अपने कर्तव्यों और दायित्वों का सही ढंग से निर्वहन नहीं किया।

# बिलग्राम सीएचसी में चिकित्सक के कमरे में भर रहा सीवर का पानी

संवाददाता, बिलग्राम, हरदोई

**अमृत विचार।** सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की पोल उस समय खुल गई जब चिकित्सक के कमरे में सीवर का गंदा पानी भरने की गंभीर समस्या सामने आई। बताया जा रहा है कि सीएचसी में तैनात चिकित्सक डॉ. देवेंद्र भारती के कमरे में पिछले दो महीनों से सीवर पाइप लाइन में लीकेज के कारण गंदा पानी लगातार भर रहा है, जिससे कार्य करना और वहां रहना मुश्किल हो गया है।

डॉ. देवेंद्र भारती ने बताया कि सीवर की पाइप लाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण उसका गंदा पानी कमरे में फैल जाता है। कई बार सफाई कराने के बाद भी समस्या दोबारा उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि इस गंभीर समस्या को लेकर उच्च अधिकारियों को कई बार अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। चिकित्सक वीरेंद्र भारती ने भी बताया कि गंदे पानी और बदबू के कारण कमरे में बैठना मुश्किल हो गया है। इस स्थिति से न केवल चिकित्सकों को परेशानी हो रही है, बल्कि संक्रमण फैलने का भी खतरा बना हुआ है। स्वास्थ्य केंद्र जैसे संवेदनशील स्थान पर ऐसी अव्यवस्था मरीजों और स्टाफ दोनों के लिए चिंताजनक है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो इसका सीधा असर मरीजों की स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ेगा। अब देखना यह है कि प्रशासन कब तक इस गंभीर समस्या पर संज्ञान लेता है।

कमरे में भरा गंदा पानी। अमृत विचार

### दबंगों ने मारपीट कर युवक को मारी गोली, लखनऊ रेफर

**माधौगंज, हरदोई, अमृत विचार।** थाना क्षेत्र की कुरसठ चौकी के अंतर्गत ग्राम अटवा अली मर्दानपुर निवासी सुखवासी पुत्र संतु (40) बुधवार शाम सड़क से गांव जा रहा था, तभी लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज के पास अचानक कुछ लोगों ने उसे घेरकर मारना पीटना शुरू कर दिया। वहीं मारपीट का विरोध करने पर गोली मार दी, जिससे युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया। गंभीर हालत में उसे लखनऊ रेफर किया गया है। मौके पर पहुंचे सीओ बिलग्राम रवि प्रकाश सिंह ने घटना का जायजा लिया। थानाध्यक्ष विजय कुमार ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

मंडी में बारिश में भीगा अनाज। अमृत विचार

तालाब बनी आरटीओ ऑफिस जाने वाली सड़क। अमृत विचार

### बारिश से भीगा हजारों कुंतल अनाज

**संवाददाता, हरदोई, अमृत विचार।** मंगलवार व बुधवार को हुई बारिश ने विकास की पोल खोल कर रख दी। जिला मुख्यालय पर जगह-जगह जलभराव हो गया। मंडी में जलभराव के चलते पैदल निकलने तक की रास्ता नहीं रही। खुले में रखा हजारों कुंतल अनाज भीग गया। करोड़ों रुपये का राजस्व देने वाली मंडी में पैदल निकलने तक का रास्ता नहीं बचा। जरा सी बरसात ने जिले में विकास की पोल खोल कर रख दी। सबसे महत्वपूर्ण एआरटीओ ऑफिस के सामने तालाब बन गया। यही नहीं इस तालाब के पास ही विद्युत विभाग ने ट्रांसफार्मर खराब होने पर मोबाइल ट्राली भी लगा दी, जिससे आरटीओ ऑफिस जाने के लिए लोग अपनी जान हथेली पर रख कर निकल रहे हैं। दो दिन की बारिश में विकास के साथ-साथ बिजली विभाग की भी पोल खुल गई। दर्जनों ट्रांसफार्मर फुंक गए। सैकड़ों घरों 12-24 घंटे अंधेरे में रहना पड़ा, जब जिला मुख्यालय की स्थिति यह रही तब ग्रामीण क्षेत्रों का अंदाजा मुश्किल नहीं हो रहा है।

### विराट हिंदू सम्मेलन का हुआ आयोजन

**सांडी, हरदोई, अमृत विचार।** देव दरबार आश्रम इंटर कॉलेज के प्रांगण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक अनिल कुमार की उपस्थिति में मुख्य अतिथि ब्रह्मकुमारी मालती देवी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। मुख्य वक्ता जिला प्रचारक ने कहा कि स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पंच प्रण का संकल्प लिया है, इनमें सामाजिक समरसता के तहत जाति भेदभाव भुलाकर समाज में एकता स्थापित करना भी रहते ही नहीं, कुटुंब प्रबोधन में परिवारों से संवाद बढ़ाना भारतीय संस्कृति अपनाना और बुजुर्गों का सम्मान करना। इसके साथ पर्यावरण संरक्षण स्वदेशी आचरण नागरिक कर्तव्य का ईमानदारी से निर्वहन करना हर व्यक्ति का कर्तव्य है।

# अधिवक्ता समिति की नवीन कार्यकारिणी का हुआ शपथ ग्रहण, कई प्रस्ताव पारित

**संडीला, हरदोई, अमृत विचार।** अधिवक्ता समिति सण्डीला की नवीन कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार को तहसील परिसर में गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। समारोह में इल्डर्स कमेटी के चेयरमैन मेराजुल हसन, उपजिलाधिकारी नारायणी भाटिया सहित कई वरिष्ठ अधिवक्ता उपस्थित रहे। सण्डीला विधायिक अलका सिंह अर्कवंशी ने समिति के अध्यक्ष मंत्री सहित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नव-निर्वाचित अध्यक्ष मो. नसीम खां ने कहा कि वह बार और बेंच के बीच बेहतर सामंजस्य स्थापित करने का हरसंभव प्रयास करेंगे। लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए प्रशासनिक अधिकारियों से संवाद किया जाएगा तथा अधिवक्ताओं के हितों से जुड़े सभी मुद्दों पर समिति सदैव तत्पर रहेगी। मुख्य अतिथि विधायक अलका सिंह अर्कवंशी से अधिवक्ताओं एवं वादकारियों के लिए प्रशिक्षणालय भवन निर्माण कराने का अनुरोध किया। इसके अतिरिक्त नगर पालिका परिषद सण्डीला के चेयरमैन से तहसील परिसर में दो वाटर कूलर लगवाने तथा गेट नंबर-3 के पास लगभग 200 मीटर इंटरलॉकिंग कार्य कराए जाने का अनुरोध किया किया गया। समारोह को विशिष्ठ अतिथि पूर्व चेयरमैन शैलेश अग्निहोत्री, कुंवर वीरेंद्र सिंह, इकबाल नुसरत, मुसाहिब अली, नगर पालिका अध्यक्ष मो. रईस अन्सारी, अनुराग अस्थाना सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाती विधायक अलका अर्कवंशी।

# स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग को लेकर कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, संडीला, हरदोई

**अमृत विचार।** स्टेट कैपिटल रीजन के अंतर्गत संडीला क्षेत्र के विकास की घोषणा के बावजूद संडीला तहसील से जुड़े भरावन, बालामऊ, बेंहदर, संडीला एवं कोथावां क्षेत्रों में बेरोजगारी की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। स्थानीय स्तर पर उद्योग-धंधों एवं रोजगार के पर्याप्त अवसर न होने के कारण क्षेत्र के हजारों युवा दिल्ली, नोएडा, मुंबई जैसे महानगरों में नौकरी, मजदूरी एवं रोजी-रोटी की तलाश में पलायन करने को मजबूर हैं। इन्हीं जनसमस्याओं को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी हरदोई के अध्यक्ष विक्रम पांडे के नेतृत्व में गुरुवार को संडीला उपजिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस पार्टी ने शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराते हुए मांग की कि संडीला क्षेत्र में संचालित विभिन्न फैक्ट्रियों एवं औद्योगिक इकाइयों में कम से कम 80 प्रतिशत रोजगार स्थानीय युवाओं को दिया जाना सुनिश्चित किया जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला महामंत्री प्रेम प्रकाश वर्मा, जिला महामंत्री नवरत्न द्विवेदी, छोटे लाल वर्मा, श्याम प्रकाश त्रिपाठी, मेहताब अहमद, संडीला ब्लॉक अध्यक्ष नसीम वारसी, संडीला नगर अध्यक्ष चांद बाबू सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

एसडीएम को ज्ञापन सौंपते कांग्रेस के पदाधिकारी।

# हास्पिटल में प्रसव के बाद महिला की मौत, शव को कर दिया रेफर

संवाददाता, हरदोई, शाहाबाद

**अमृत विचार।** निजी हास्पिटल में बरती गई लापरवाही से एक और प्रसूता की मौत हो गई। आरोप है कि डाक्टर ने शव को रेफर करते हुए जबरन अस्पताल से बाहर करने की कोशिश की। यही देख कर वहां हंगामा शुरू हो गया। पुलिस ने शव को अपने कब्ज़े में लेते हुए पूछताछ की। एएसपी शाहाबाद आलोक राज नारायण ने कहा है कि जांच की जा रही है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शाहाबाद कस्बे के मोहल्ला सुलेमानी निवासी संजीव ने बताया कि उसकी पत्नी रुचि (28) गर्भवती थी। बुधवार को वह उसे बेझा रोड पर मनोज राजपूत के यहां अल्ट्रासांउड कराने ले गया। संजीव का आरोप है कि वहां उसकी पत्नी की हालत गड़बड़ बताकर उसे भर्ती कर लिया और 25 हजार रुपये मांगे। बकौल संजीव उसके पास में एक सराफा की दुकान पर अपनी सोने की अंगूठी को गिरवीं रखकर 25 हज़ार रुपये जमा किए। रात में रुचि के आपरेशन से बेटा हुआ, उसके बाद उसकी हालत बिगड़ी और देर रात मौत भी हो गई। पति संजीव का कहना है कि मौत होने के बाद डाक्टर और उनके स्टाफ ने रेफर करते हुए शव बाहर निकाल दिया, जिससे गुस्सा भड़क गया। पुलिस ने शव को कब्ज़े में लेते हुए इस बाबत पूछताछ की। उधर एएसपी शाहाबाद आलोक राज नारायण का कहना है कि जांच की जा रही है। शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# बार एसोसिएशन चुनाव : अध्यक्ष व महामंत्री के दो-दो नामांकन दाखिल

संवाददाता, शाहाबाद, हरदोई

**अमृत विचार।** बार एसोसिएशन शाहाबाद के वार्षिक चुनाव का मतदान 10 फरवरी को और उसी दिन शाम को मतगणना की जाएगी।

चुनाव की नामांकन की प्रक्रिया के प्रथम दिन एल्डर कमेटी के अध्यक्ष आनंद वीर श्रीवास्तव व सदस्य गण ज्ञानप्रकाश पाल, अनिरुद्ध कुमार मिश्रा, राकेश कुमार, सैय्यद रईस अली की कमेटी द्वारा नामांकन पत्रों की बिक्री की गई।

विभिन्न पदों के लिए आज 20 नामांकन पत्रों की बिक्री हुई जिसमें अध्यक्ष पद हेतु विमलेश सिंह लोधी एवं उमेश कुमार, व वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर संत कुमार सिंह, खुर्शीद अली, गिरिद प्रकाश मिश्रा महामंत्री पद हेतु अनिल कुमार शुक्ला, बलराम दीक्षित, कोषाध्यक्ष पद हेतु हसनैन वारसी वह कनिष्ठ उपाध्यक्ष हेतु दुर्गेश अवस्थी । वरिष्ठ सदस्य हेतु अवधेश नारायण पाठक व नीरज दीक्षित, चंद्रपाल सिंह, कनिष्ठ सदस्य हेतु प्रदीप कुमार शर्मा मनिंदर कुमार रंजन ने नामांकन पत्र क्रय किए। जिसमें अध्यक्ष पद पर विमलेश सिंह लोधी व उमेश कुमार महामंत्री पद पर अनिल कुमार शुक्ला व वरिष्ठ उपाध्यक्ष हेतु संत कुमार सिंह कोषाध्यक्ष पद पर हसनैन वारसी ने नामांकन पत्र दाखिल किया है।

नामांकन दाखिल करते प्रत्याशी। अमृत विचार

**विरोध**

**दूसरे दिन भी जमकर हुआ यूजीसी का विरोध, राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा**

# अधिवक्ताओं व विभिन्न संगठनों ने यूजीसी को लेकर जताया आक्रोश

संवाददाता, हरदोई

**अमृत विचार।** यूजीसी का विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार को अधिवक्ता संघ, मानवाधिकार संगठन, क्षत्रिय महासभा ने अखिल भारतीय ब्राहम्ण महासभा ने विरोध प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट पहुंचे विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति को ज्ञापन भेज कर कानून वापसी की मांग की। यूजीसी के विरोध पर जनाक्रोश बढ़ता ही जा रहा है। गुरुवार को अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष जेपी त्रिवेदी के नेतृत्व में दर्जनों अधिवक्ताओं ने कलेक्ट्रेट में विरोध प्रदर्शन किया। श्री त्रिवेदी ने इस काले कानून को वापस लेने की मांग की है। अखिल भारतीय संयुक्त अधिवक्ता परिषद के सैकड़ो कार्यकर्ता में पदाधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर में एकत्रित होकर राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता शिव सेवक गुप्त जय शिव के नेतृत्व में यूजीसी 2026 के नए प्रावधानों एससी एसटी के साथ ओबीसी की नई एंट्री अच्छी बात है लेकिन स्वर वर्ग का कोई उत्पीड़न रोकने और शिकायती दर्ज करने का प्रावधान में कोई नियम न शामिल करने के विरोध में राष्ट्रपति को संबोधित मांग पत्र सहित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से भेजा गया। ज्ञापन के उपरांत श्री गुप्त ने कहा कि यूजीसी के नए रेगुलेशन में जो बड़ी कमियां है उन्हें सरकार चाहे तो दूर भी कर सकती है। क्षत्रिय महासभा एवं अखिल भारतीय ब्राम्हण महासभा के संयुक्त तत्वाधान जमकर विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह सनातन समाज को बांटने, वर्ग संगठन को बढ़ाने तथा देश को कमजोर करने की घृणित मानसिकता है। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन सौंपने वालों में राजपाल सिंह अध्यक्ष, गौरव सिंह भदौरिया उपाध्यक्ष, राजेश सिंह महामंत्री, राजकुमार सिंह कोषाध्यक्ष, नीरज अवस्थी अध्यक्ष, कृष्ण गोपाल अवस्थी, नृपेंद्र सिंह, बी. एस. चौहान मौजूद रहे। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष राजीव सिंह के नेतृत्व में दर्जनों लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने यूजीसी को वापस लेने की मांग की।

प्रदर्शन करते अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के लोग। अमृत विचार

सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देते अखिल भारतीय संयुक्त अधिवक्ता परिषद के लोग।

# राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित शिक्षिका पुरस्कृत

संवाददाता, हरदोई

**अमृत विचार।** सण्डीला ब्लाक के उच्च प्राथमिक विद्यालय नारायणपुर सूंडा में तैनात विज्ञान शिक्षिका डा. ख्याति श्रीवास्तव को षष्ठ राज्य स्तरीय कला, क्राफ्ट एवं पपेट्री प्रतियोगिता के विज्ञान वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया। इस उपलब्धि से जिले और ब्लाक का नाम रोशन करने वाली शिक्षिका डा. ख्याति श्रीवास्तव ने कहा कि उन्होंने बीईओ सण्डीला डा.बृजेश त्रिपाठी और विद्यालय के प्रधानाध्यापक चौधरी हैदर रज़ा के उचित मार्गदर्शन और सहयोग से इस लक्ष्य की प्राप्ति की है। इस दौरान समूचे विद्यालय स्टाफ शिक्षिका की लगन और मेहनत को सेल्यूट कर रहा है। प्रधानाध्यापक श्री रज़ा ने कहा कि ख्याति श्रीवास्तव ने साबित कर दिया कि मेहनत और लगन से किया गया हर काम कामयाब ज़रूर होता है।

मॉडल दिखाती ख्याति श्रीवास्तव।

- **डा. ख्याति श्रीवास्तव ने कला, क्राफ्ट एवं पपेट्री प्रतियोगिता के विज्ञान वर्ग में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन**

## न्यूज ब्रीफ

### लापरवाही में सीओ लहरपुर पर गिरी गाज

**सीतापुर ।** तालगांव थाना क्षेत्र में रिटायर्ड लेखपाल के घर हुई डकैती के मामले में पुलिस प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। थानाध्यक्ष आशीष तिवारी के बाद अब सीओ लहरपुर बृजेश कुमार को भी पद से हटाकर पुलिस मुख्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। एसपी अंकुर अग्रवाल ने यह कार्रवाई घटना के समय सक्रियता न दिखाने और मौके पर देरी से पहुंचने की लापरवाही को लेकर की है। सीओ ट्रैफिक आलोक प्रसाद को लहरपुर का नया प्रभार सौंपा गया है।

### जेल से रिहा हुए भाजपा नेता अम्बरीष गुप्ता

**महमूदाबाद ।** नगर पालिका परिषद महमूदाबाद के पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि व वरिष्ठ भाजपा नेता अम्बरीष गुप्ता की जिला कारागार से रिहाई के बाद क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। बुधवार देर रात उनके बेहमा चौराहे पहुंचने पर समर्थकों ने फूल-मालाओं और आतिशबाजी के साथ उनका जोरदार नागरिक अभिनंदन किया। इस दौरान सुंदर गुप्ता, रितेश सोनी, राजा निगम, पिंकू सिंह, बीरू गुप्ता, अशोक गुप्ता, जनरैल सिंह, दीपू जायसवाल और देवेंद्र यादव सहित भारी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

### राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान 2.0 का आगाज़

**सीतापुर ।** जनपद न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुलदीप सक्सेना के निर्देशन में जनपद में 'राष्ट्र के लिए विशेष मध्यस्थता अभियान 2.0' को सफल बनाने के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विजय भान ने बताया कि इस अभियान के तहत पराविधिक स्वयं सेवकों के माध्यम से घर-घर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य आपसी सुलह-समझौते के आधार पर वादों का निस्तारण कराना है।

### दो अपराधी गिरफ्तार

**महोली ।** पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल द्वारा अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत महोली पुलिस ने गुरुवार को दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पकड़े गए अभियुक्तों के पास से एक अवैध तमंचा और कारतूस बरामद हुआ है। क्षेत्राधिकारी महोली नागेन्द्र चौबे के पर्यवेक्षण में थाना महोली पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान अंकित मिश्रा निवासी चवावेगमपुर और राजानाऊ निवासी रजवापुर ।को दबोचा। पुलिस के अनुसार, अभियुक्त अंकित मिश्रा पर पहले से ही हत्या के प्रयास, पास्को जैसे आधा दर्जन गंभीर मामले दर्ज हैं।

### पीएम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं

**तंबौर ।** तंबौर इलाके में कब्र खोदकर शव के कराए गए पोस्टमार्टम में स्थितियां स्पष्ट नहीं हो सकीं। ऐसे में बिसरा सुरक्षित किया गया है। बता दें कि अनुराग की संदिग्ध हालातों में मौत हो गई थी। मृतक की पत्नी जुगराता ने विपक्षियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि उसके पति को योजना बनाकर मारा गया है, मारने से पहले उसे जहरीले पदार्थ का सेवन भी कराया गया। जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. के आदेश पर करीब डेढ़ माह बाद कब्र से निकालकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

### श्रीराम कथा से भक्तिमय हुआ माहौल

**लहरपुर ।** नगर के अंबर संराय स्थित प्रसिद्ध श्री महावीरन हनुमान मंदिर प्रांगण में आयोजित श्रीरुद्र महायज्ञ एवं श्रीराम कथा के सातवें दिन क्षेत्र में भक्ति की बयार बही। बृहस्पतिवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विश्व कल्याण के लिए आहुतियां डाली गईं। यज्ञाचार्य पंडित संगम शुक्ला नैमिष धाम के सानिध्य में वैदिक आचार्यों ने विधि-विधान से पूजन संपन्न कराया। श्रीराम कथा के मंच से कथा व्यास पंडित गिरजेश शुक्ला ने 'अहिल्या उद्धार' प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। कार्यक्रम में आयोजक राम सुंदर पांडेय, यजमान विजय बाजपेई, धीरेश कुमार त्रिवेदी, सुनीत पांडेय, राजू तिवारी, निर्मल, आकाश पांडे समेत बड़ी संख्या में नगरवासी मौजूद रहे।

### कथा सुनकर लौट रहे परिवार पर हमला

**सीतापुर ।** अटरिया थानाक्षेत्र के रायपुर देवशी गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दबंगों ने एक परिवार पर जानलेवा हमला कर दिया। जिसमें पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। बताते हैं कि अटरिया थानाक्षेत्र के रायपुर निवासी आलोक अपने परिवार के साथ भागवत कथा से लौट रहे थे। इसी दौरान विपक्षियों ने घेर लिया। पीड़ित पक्ष को धारदार हथियारों और लाठी-डंडों से पीटा गया। जिससे आलोक, रोहित, शोभित, ललिता सिंह और मुस्कान सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसमें से आलोक और रोहित की हालत अधिक गंभीर है।

# रफ्तार की मार: दो की मौत, तीन गंभीर

## अटरिया और तंबौर थानाक्षेत्र सहित अन्य स्थानों पर हुए हादसे

**कार्यालय संवाददाता, सीतापुर।**

हादसे के बाद मुख्य मार्ग पर खड़ा रोलर। अमृत विचार

**अमृत विचार :** बिगड़े मौसम के बीच दूसरा दिन भी हादसों की जद में रहा। तंबौर और अटरिया इलाकों में दो राहगीरों की मौत हो गई। अन्य स्थानों पर घायल हुए लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जनपद में पिछले चौबीस घंटों के भीतर हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। पहली घटना तंबौर मार्ग पर हुई जहां एक बुजुर्ग की जान चली गई, वहीं दूसरी ओर सिधौली में दोस्तों के साथ जश्न मनाने जा रहे एक युवक की हादसे में मौत हो गई।

तंबौर थाना क्षेत्र के अंतर्गत तंबौर-रतनगंज मार्ग पर डल्ला पुरवा निवासी छेदीलाल (60) पैदल अपने खेत जा रहे थे। इसी दौरान एक अनियंत्रित बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि छेदीलाल की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में बाइक सवार भगीरथ, रमेश और सुशीला भी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें सीएचसी में भर्ती कराया गया है। प्रभारी निरीक्षक बृजेश राय ने बताया कि मृतक के पुत्र अजय की तहरीर पर मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उधर, दूसरी घटना सिधौली थाना क्षेत्र के मनवा चौकी के पास हाईवे पर हुई। रामकोट के विश्राम नगर का रहने वाला एक युवक अपने दोस्तों के साथ जश्न मनाने के लिए लखनऊ जा रहा था। सिधौली के पास उनकी गाड़ी भीषण हादसे का शिकार हो गई, जिसमें युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस दोनों मामलों में विधिक कार्रवाई कर रही है और घायलों का उपचार जारी है।

### पिता पुत्र की गई जान

**सीतापुर ।** थानगांव थानाक्षेत्र के महेशपुर गांव निवासी लवकुश (25) पुत्र सम्बारी गुरुवार दोपहर अपनी पत्नी बीनू (23) और दो पुत्रों संगम व पीयूष के साथ बाइक से ससुराल जा रहा था। दोपहर करीब 4 बजे जैसे ही उनकी बाइक सोहलिया गांव के सामने पहुंची, तभी सामने से आ रहे एक रोड रोलर से बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में लवकुश और उसके 5 वर्षीय पुत्र संगम की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पत्नी और तीन वर्ष पुत्र घायल है।

भूमि पूजन करते विधायक निर्मल वर्मा। अमृत विचार

## ढफरा में बनेगा आधुनिक पार्क, विधायक ने रखी नींव

**संवाददाता, बिसवां । अमृत विचार :** ग्रामीण क्षेत्रों में खेलकूद और स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुरुवार को ग्राम पंचायत उलरा के मजरा ढफरा में भव्य पार्क के निर्माण का शुभारंभ हुआ। क्षेत्रीय विधायक निर्मल वर्मा और ग्राम प्रधान जयंती देवी ने विधि-विधान से पूजन व हवन के बाद पार्क की आधारशिला रखी। विधायक निर्मल वर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार गांवों में भी शहरों जैसी मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के लिए संकल्पित है। इस पार्क से जहां बच्चों की खेल प्रतिभा निखरेगी और वे स्वस्थ रहेंगे, वहीं बुजुर्गों को भी टहलने के लिए स्वच्छ वातावरण मिलेगा। ग्राम पंचायत सचिव रविशंकर ने बताया कि पार्क का सौंदर्यीकरण अत्याधुनिक तरीके से किया जाएगा। इस दौरान महेंद्र त्रिपाठी, अमर बाजपेई, अरविंद वर्मा, रोजगार सेवक शिवम त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

# जांच में खुलासा : डॉक्टर का पता नहीं कर दिया ऑपरेशन

**कार्यालय संवाददाता, सीतापुर।**

- जीवन ज्योति हॉस्पिटल में प्रसूता की मौत का मामला, कार्रवाई की संस्तुति

**अमृत विचारः** कांशीराम कॉलोनी के निकट जीवन ज्योति हॉस्पिटल एण्ड मैटरनिटी सेंटर में प्रसूता की मौत के मामले में हुई जांच में प्रबंधन की लापरवाही सामने आई है। विभागीय जांच में ये भी पता चला है कि उपचार और परीक्षण के दौरान कोई भी चिकित्सक मौजूद नहीं था, जिसकों लेकर कार्रवाई की संस्तुति हो गई है।

दरसअल बीते दिनों प्रसूता कीर्ति को उसके पिता मुनेंद्र और रिश्तेदार कैलाश लेकर निजी अस्पताल जीवन ज्योति हॉस्पिटल एण्ड मैटरनिटी सेंटर लेकर पहुंचे थे। जहां उपचार के दौरान के दौरान उसकी मौत हो गई। परिवार ने हंगामा करते हुए लापरवाही का आरोप लगाया, जिस पर डीएम डॉ. राजा गणपति आर. ने जांच के आदेश दिए। जांच टीम में डिप्टी सीएमओ डॉ. राजशेखर और सीएचसी प्रभारी डॉ. राहिल फरीद ने पहुंचकर अस्पताल का निरीक्षण किया। जिसमें पाया कि उपचार और परीक्षण के समय कोई भी एमबीबीएस डॉक्टर मौजूद नहीं था। एक अकेली डॉ. तृप्ति वर्मा भी मरीज के आने से पहले जा चुकी थी। संचालक राकेश कुमार शर्मा ने भी मृत्यु सहित अन्य जरूरी जानकारियां अपडेट नहीं की। स्वास्थ्य मानक भी अधूरे थे। बिन्दुवार जानकारी जांच टीम ने हॉस्पिटल पंजीकरण के नोडल अफसर डॉ. मनोज देशमणि को प्रेषित कर दी है।

## भूमि पैमाइश के दौरान खूनी संघर्ष, आधा दर्जन हिरासत में

**सीतापुर।** सिधौली तहसील क्षेत्र में बुधवार को भूमि पैमाइश के दौरान दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट और पथराव हुआ। घटना राजस्व टीम की मौजूदगी में हुई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों के आधा दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है। सीतापुर निवासी सत्यप्रकाश की पत्नी रीता के नाम सिधौली में एक भूमि दर्ज है। आरोप है कि पास के एक स्कूल प्रबंधक उस जमीन पर अवैध कब्जा कर बाउंड्री बनवा रहे थे, जबकि मामला पहले से न्यायालय में विचाराधीन है। जिलाधिकारी के निर्देश पर जब बुधवार शाम करीब चार बजे लेखपाल और कानूनगो की टीम पैमाइश करने पहुंची, तभी विपक्षी पक्ष ने सत्यप्रकाश और उनके साथियों पर हमला कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। सिधौली कोतवाली प्रभारी जयेन्द्र सिंह ने दोनों पक्षों के छः से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। मामला एसडीएम के संज्ञान में है और उनके निर्देशों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

# शातिर अपराधी समेत दस गिरफ्तार

**संवाददाता, सीतापुर।**

## अभियुक्त के पास से अवैध असलहा बरामद

**अमृत विचार :** जनपद में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देशानुसार अलग- अलग थाना क्षेत्रों में की गई कार्रवाई के दौरान एक शातिर अभियुक्त को अवैध शस्त्र के साथ और नौ अन्य वांछितों/ वारंटियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा।

क्षेत्राधिकारी मिश्रिख विशाल गुप्ता के पर्यवेक्षण में मछरेहटा पुलिस ने चेकिंग के दौरान गदपुरवा निवासी नौशाद को गिरफ्तार किया। अभियुक्त के पास से 315 बोर का तमंचा और जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस के अनुसार, नौशाद का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है, जिसमें लखीमपुर खीरी और सीतापुर के गंभीर मामले दर्ज हैं। अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए गए अभियान में पुलिस ने कुल नौ अन्य गिरफ्तारियां की हैं, जिनमें थाना मानपुर पुलिस टीम ने अलग-अलग मामलों में फरार चल रहे तीन वारंटियों वीरेन्द्र, तोताराम और कुलदीप को दबोचा। वहीं, थाना बिसवां में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच वारंटियों बरकत अली, राजू शुक्ला, अभिषेक, लुकमान और कमाल को गिरफ्तार किया। उधर, थाना पिसावां पुलिस ने पाक्सो एक्ट और एससी-एसटी एक्ट जैसे गंभीर मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त अनिल गोस्वामी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

### संत रविदास शोभायात्रा के लिए रूट तय

**कमलापुर।** संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती के उपलक्ष्य में सिधौली में पहली फरवरी को कस्बे में निकलने वाली विशाल शोभायात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। गुरुवार को कोतवाली परिसर में थाना प्रभारी जयेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजन समिति के पदाधिकारियों के साथ समन्वय बैठक संपन्न हुई। थाना प्रभारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शोभायात्रा पूर्व निर्धारित रोड मैप के अनुसार ही निकाली जाएगी। एंबुलेंस और आपातकालीन सेवाओं में बाधा न आए, इसके लिए यातायात के विशेष इंतजाम रहेंगे। बैठक में मुख्य रूप से कमल सेन, सुरेश कुमार, हर्ष हेमनाथ गौतम, प्रेम पंकज चौधरी, रामचंद्र गौतम और बृजलाल गौतम सहित कई नागरिक उपस्थित रहे।

# डीएम ने परखी विकास कार्यों की गुणवत्ता, लापरवाही पर दिए निर्देश

**संवाददाता, सीतापुर।**

**अमृत विचार :** जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. ने गुरुवार को तहसील सिधौली के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता को लेकर कड़ा रुख अपनाया।

महेशनाथ मंदिर में उखड़वाई इंटरलॉकिंग महेशपुर स्थित प्राचीन महेशनाथ मंदिर परिसर में पर्यटन विभाग द्वारा कराए जा रहे सौंदर्यीकरण कार्यों की जांच के दौरान डीएम ने बिछाई गई इंटरलॉकिंग सड़क की ईंटें उखड़वाकर आधार की गहराई और गुणवत्ता को परखा। उन्होंने विभाग द्वारा निर्मित शौचालय का भी बारीकी से निरीक्षण किया। उप- निबंधक कार्यालय में सीलन की समस्या पर निर्देश तत्पश्चात, जिलाधिकारी ने स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग द्वारा निर्माणाधीन उप-निबंधक कार्यालय भवन का जायजा लिया। भवन के पीछे जलभराव देख उन्होंने गहरी नाराजगी जताई और निर्देश दिए कि निर्माण में उच्च श्रेणी की सामग्री का उपयोग हो ताकि भविष्य में सीलन की समस्या न आए। अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए एक सप्ताह में रिपोर्ट मांगी गई है।

कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक कर निर्देश देते जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर.।

### सैनिक संजीवनी स्कूल में लगा स्वास्थ्य शिविर

**नेरी । अमृत विचार :** क्षेत्र के सैनिक संजीवनी पब्लिक स्कूल नेरी में नि :शुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। आदर्श अग्रवाल, शिल्पी अग्रवाल, उपेन्द्र दीक्षित, शिव अग्रवाल और रेनू मित्तल के सहयोग से आयोजित इस शिविर में सैकड़ों ग्रामीणों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। दिल्ली से आईं डॉ. रश्मि मित्तल ने करीब सौ मरीजों का परीक्षण किया। यहां मरीजों की शुगर और ब्लड प्रेशर की मुफ्त जांच कर उचित परामर्श दिया गया। सीतापुर आंख अस्पताल की टीम डॉ. शेखर सिंह व स्टाफ ने 170 मरीजों की आंखों की जांच की। जांच के दौरान गंभीर समस्या वाले पैंतालीस मरीजों को ऑपरेशन के लिए सीतापुर आंख अस्पताल रेफर किया गया। आयोजक आदर्श अग्रवाल ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संस्थान द्वारा समय-समय पर ऐसे सेवा कार्य आयोजित किए जाते रहेंगे।

जागरूकता रथ के साथ विभागीय टीम। अमृत विचार

## जागरूकता रथ ने भरी हुंकार, बाल विवाह मुक्त भारत का लिया संकल्प

**लहरपुर । अमृत विचार :** क्षेत्र में बाल विवाह जैसी कुप्रथा पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से बृहस्पतिवार को पेस संस्था द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया। संस्था के जागरूकता रथ ने कुल्ताजपुर, रमना फॉर्म, नबीनगर चौराहा और विकास खंड कार्यालय सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर पहुँचकर ग्रामीणों को जागरूक किया। अभियान के दौरान कार्यकर्ताओं ने बाल विवाह के शारीरिक व मानसिक दुष्परिणामों की जानकारी दी और लोगों को उपयुक्त आयु में ही विवाह करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह से हस्ताक्षर कराकर 'बाल विवाह मुक्त भारत' बनाने का संकल्प दिलाया गया। संस्था के जिला समन्वयक सर्वेश शुक्ला ने कहा कि समाज के सहयोग से ही इस कुप्रथा को जड़ से मिटाया जा सकता है। कार्यक्रम में रहमत अंसारी, उर्मिला, आराधना, अमरीश और सुधा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ज्ञापन सौपते सवर्ण समाज के लोग। अमृत विचार

## मुखर हुआ समाज, सौंपा एसडीएम को ज्ञापन

- बिसवां में यूजीसी को लेकर सवर्ण समाज ने किया प्रदर्शन

**बिसवां । अमृत विचार :** विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को लेकर देशभर में उठ रहे विरोध के स्वर अब बिसवां तहसील कार्यालय में मुखर हुआ। सवर्ण समाज के लोगों ने एकजुट होकर इन नियमों के खिलाफ शहीद पार्क तहसील परिसर में विरोध प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की। यूजीसी के नियमों को समाज में विभाजन बढ़ाने वाला काला कानून बताया। प्रदर्शनकारियों ने उपजिलाधिकारी बिसवां शिखा शुक्ला को राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि इस नियमावली को तत्काल वापस लिया जाए तथा सवर्ण समाज को इससे मुक्त किया जाए। इस अवसर पर अश्वनी कुमार त्रिपाठी, मुकुट बिहारी बाजपेयी, नीरज मिश्रा, बबलू जोशी, रजनीश मिश्रा, पंकज मिश्रा, नंदकिशोर सिंह, अभिलाष सिंह, विवेक पांडेय, बरखा सिंह, तुषार शर्मा, आयुष मिश्रा उपस्थित रहे।

### पेड़ से लटका मिला युवक का शव

**सीतापुर। अमृत विचार :** अटरिया थाना क्षेत्र के छावन गांव के पास गुरुवार सुबह एक युवक का शव आम के बाग में पेड़ से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान विशेश्वरपुर निवासी सोनू (27) पुत्र धनीराम के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों के मुताबिक, सोनू मंगलवार को खैराबाद के मंसूरपुर अपनी रिश्तेदारी में गया था। बुधवार शाम उसने फोन पर घर लौटने की बात कही थी, लेकिन जब वह देर रात तक नहीं पहुंचा, तो परिवार वालों ने उसकी तलाश शुरू की। गुरुवार सुबह करीब दस बजे उसका शव छावन गांव के पास पेड़ से लटका मिला। सूचना मिलते ही अटरिया पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। घटना आत्महत्या है या कुछ और, पुलिस इसकी हर पहलू से जांच कर रही है। थाना प्रभारी राकेश कुमार गुप्ता ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

# शताब्दी वर्ष : समरसता भोज में एकजुट हुआ संघ

**संवाददाता, लहरपुर।**

हिंदू सम्मेलन में मंचासीन संघ पदाधिकारी।

**अमृत विचार :** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर हिंदू सम्मेलन व समरसता भोज का आयोजित किया गया। नगर के श्री रामलीला मैदान स्थित पक्का तालाब तीर्थ पर एक विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन सकल हिंदू समाज के द्वारा किया गया, जिसकी अध्यक्षता निरंकार मेहरोत्रा ने की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक अभिषेक कुमार एवं विशिष्ट अतिथि राष्ट्र सेविका समिति की डॉक्टर पारुल त्रिवेदी थी। कार्यक्रम का सफल संचालन वीरेंद्र पुरी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व विधायक सुनील वर्मा, निरंकार मल्होत्रा, मुकंदे लाल त्रिवेदी, वीरेंद्र पूरी, राजेश्वर रस्तोगी, हरीश रस्तोगी, भगवान दीन त्रिवेदी, श्रीनारायण महरोत्रा, राजू तिवारी, मनोज गुप्ता, बंसीधर पाठक, रामे बाजपेई, प्रमोद बाजपेई, पप्पू टन्डन, अवनीश मिश्रा, देवेन्द्र पाण्डेय, मन मोहन गुप्ता,प्रमोद अवस्थी सहित भारी संख्या में हिंदू धर्मावलंबी उपस्थित थे।

## डकैत और चोर गिरफ्तार

**सीतापुर।** पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देशन में जनपद में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत तालगांव और सिधौली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई में एक अंतर्जनपदीय इनामी डकैत और चोरी की कई घटनाओं में वांछित शातिर अपराधी को अवैध शस्त्रों व नकदी के साथ दबोच लिया है। तालगांव पुलिस ने सलेमपुर तिराहे के पास से बीस हजार रुपये के वांछित इनामी अपराधी कलीम को गिरफ्तार किया है। आरोपी बीते दिनों देर रात साथियों के साथ मिलकर ग्राम रसूलपुर में एक लेखपाल के घर डकैती डाली थी। क्षेत्राधिकारी लहरपुर आलोक प्रसाद के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में अभियुक्त के पास से दस हजार रुपये नकद, एक देशी तमंचा और कारतूस बरामद हुए हैं। कलीम एक शातिर अंतर्जनपदीय अपराधी है, जिस पर लखनऊ, बहराइच और खीरी सहित विभिन्न जिलों में एक दर्जन से अधिक मुकदमें दर्ज हैं। उधर, दूसरी बड़ी सफलता सिधौली पुलिस को मिली, जहां क्षेत्राधिकारी कपूर कुमार और पुलिस टीम ने मनिकापुर मार्ग से लुकमान नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष को सम्मानित करते लोजपा (आर) के पदाधिकारी व अन्य। अमृत विचार

## सिसेंडी में लोजपा (आर) की हुंकार, उमड़ा जनसैलाब

**मछरेहटा ।** लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने मछरेहटा के ग्राम सिसेंडी में विशाल जनसभा के साथ चुनावी बिगुल फूंक दिया है। सभा का आगाज जलालपुर मोड़ से सिसेंडी तक भव्य काफिले के साथ हुआ, जहां जगह-जगह ग्रामीणों ने पार्टी पदाधिकारियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया। जिलाध्यक्ष शरद तिवारी ने कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर प्रदेश सचिव देवेन्द्र तिवारी, सचिव सचिन और किशोर सहित सैकड़ों कार्यकर्ता व स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

# आईजी लखनऊ ने किया वार्षिक निरीक्षण

**कार्यालय संवाददाता, सीतापुर।**

खैराबाद थाने का निरीक्षण करते पुलिस महानिरीक्षक लखनऊ परिक्षेत्र तरुण गाबा।

**अमृत विचारः** पुलिस महानिरीक्षक लखनऊ परिक्षेत्र, तरुण गाबा ने वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस कार्यालय से लेकर थानों तक की कार्यप्रणाली को जांचा और बेहतर पुलिसिंग के लिए अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री अंकुर अग्रवाल, एएसपी उत्तरी आलोक सिंह, एएसपी दक्षिणी दुर्गेश कुमार सिंह सहित जनपद के सभी क्षेत्राधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस कार्यालय पहुंचने पर आईजी को सलामी दी गई, जिसके बाद उन्होंने विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने ईगल कंट्रोल रूम के माध्यम से शहर की सीसीटीवी निगरानी प्रणाली को देखा और तकनीकी सतर्कता की सराहना की। पुलिस लाइन के दधीचि सभागार में राजपत्रित अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए आईजी ने विशेष निर्देश दिए और कहा कि यक्ष एप पर डेटा फीडिंग और साइबर अपराध जागरूकता बढ़ाई जाय।

**थाना निरीक्षण एवं मानवता का संदेश :** आईजी ने थाना खैराबाद, कोतवाली देहात और साइबर थाने का निरीक्षण किया। उन्होंने अभिलेखों के रखरखाव और साफ-सफाई पर संतोष व्यक्त किया। खैराबाद थाने में उन्होंने चौकीदारों को कंबल वितरित कर उनकी सेवाओं को सराहा।

### निर्वाण दिवस पर याद किये गए कबीर, भण्डारा आयोजित

**महोली ।** महोली स्थित सतलोक आश्रम में कबीर के निर्वाण दिवस पर आयोजन हुआ। संत रामपाल के सानिध्य में तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें नेपाली सहित देश के अलग-अलग हिस्सों से आए लोगों ने प्रतिभाग किया। भण्डारे में 21 जोड़ों का दहेज रहित विवाह आयोजित हुआ। 17 मिनट के दौरान आयोजित कार्यक्रम में गुरुवाणी हुई। इसके अलावा 60 भक्तों ने रक्तदान भी किया। कार्यक्रम के अंत में बड़ी संख्या में लोगों ने मांसाहार छोड़ने की दीक्षा ग्रहण की।

गुणवत्ता का मुआएना करते जिलाधिकारी। अमृत विचार

## डीएम ने परखी विकास कार्यों की गुणवत्ता

**सीतापुर । अमृत विचार :** जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. ने तहसील सिधौली के महेशपुर स्थित महेशनाथ मंदिर में पर्यटन विभाग द्वारा कराए जा रहे सौंदर्यीकरण कार्यों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों की शुचिता परखने के लिए बिछाई गई इंटरलॉकिंग सड़क की ईंटें उखड़वाकर गहराई और मिट्टी के भराव की जांच की। इसके बाद उन्होंने निर्माणाधीन उप निबंधक कार्यालय के भवन का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मंदिर परिसर और नए कार्यालय भवन में प्रयुक्त सीमेंट, मौरंग और अन्य सामग्री की बारीकी से पड़ताल की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यों की थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन रिपोर्ट एक सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करें।

# जिला अस्पताल में युवतियों का हंगामा फार्मासिस्ट पर उत्पीड़न का आरोप

## वीडियो के बाद वायरल ऑडियो में अश्लील बातें करने का आया मामला प्रकाश में

जिला अस्पताल में हंगामे के वायरल वीडियो का स्क्रीन शॉट। अमृत विचार

जिला अस्पताल की इमरजेंसी। अमृत विचार

**जांच के आदेश**

संवाददाता, रायबरेली

**अमृत विचार।** जिला अस्पताल एक बार फिर चर्चा में है। इस बाद दवा की पर्ची नहीं बल्कि उन युवतियों के हंगामे के कारण है, जो यहां पर साथियों से मिलने के लिए आई थी। आरोप इतना गंभीर की जिम्मेदार भी जवाब देने से बच रहे हैं। सरकारी पद को ढाल बनाकर युवतियों से घिनौना और अभद्र व्यवहार करते हुए अश्लील शब्दों का प्रयोग कर मर्यादा को तार तार करने वाले फार्मासिस्ट का वीडियो के बाद वायरल ऑडियो ने पूरे स्वास्थ्य तंत्र को शर्मसार कर दिया है। युवतियों से अश्लीलता, अभद्र भाषा, मां-बहन की गालियां और यहां तक कि अमर्यादित बातें करने का ऑडियो, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है। यह घटना केवल कर्मचारी की देन नहीं, बल्कि अस्पताल प्रशासन की गंभीर अनदेखी और सत्ता संरक्षित लापरवाही का साक्षात प्रमाण है। वायरल ऑडियो वीडियो में आरोपी फार्मासिस्ट खुलेआम युवतियों के साथ अश्लील और आपत्तिजनक बातचीत करता दिख और सुनाई दे रहा है। इस दौरान एक युवक ने अभद्रता पर विरोध जताया। इसके बावजूद उक्त फार्मासिस्ट पर कोई असर नहीं पड़ा। इस ऑडियो में वह न सिर्फ महिलाओं की गरिमा को रौंद रहा है, बल्कि अपने पद का घोर दुरुपयोग कर अपनी क्रूरता, घटिया व्यवहार और अश्लीलता का शौक रखने का बेहिसाब नजराना पेश किया है। साफ संकेत है कि उसे कानून और प्रशासन का कोई डर नहीं। यह वही इमरजेंसी वार्ड है, जहां महिलाएं दर्द और मजबूरी की हालत में जीवन बचाने आती हैं, और अब तो यहां पर उन्हें सुरक्षा, स्वास्थ्य उपचार के बजाय मानसिक प्रताड़ना और यौन धमकी तक मिलनी शुरू हो गई है। यह घटना सीधे तौर पर महिला सुरक्षा पर तगड़ा हमला है। सवाल अब यह है कि आरोपी को इतनी छूट किसने दी है। स्थानीय लोगों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने आरोपी के तत्काल निलंबन और आपराधिक मुकदमे की मांग की जा रही है।

### जांच के बहाने कार्रवाई से बच रहे सीएमएस

सोशल मीडिया पर वायरल ऑडियो वीडियो के बाद जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. पुष्पेंद्र कुमार ने औपचारिक बयान जारी किया है कि महिला जांच कमेटी गठित कर दी गई है। रिपोर्ट मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। जबकि कार्रवाई के स्थान पर उनके द्वारा दिए गए जांच के निर्देश में फार्मासिस्ट साफ बचते नजर आ रहे हैं। जब घटना हो रही थी, तब नियम कानून से डरे बिना गंदी मानसिकता का परिणाम सबके सामने है और अब जब कार्रवाई का समय आया तो जिम्मेदार नियमों का अनुपालन दर्शा अपने महापराक्रमी होने की प्रभुता का प्रदर्शन कर रहे हैं।

> मामला जानकारी में नहीं है। सीएमएस यदि जांच करा रहे हैं तो उनकी रिपोर्ट के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। शिकायत मिलने पर जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।
> -डॉ. नवीन चंद्रा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, रायबरेली

## न्यूज ब्रीफ

### मरकरन वीर बाबा मंदिर में हुआ भंडारा

**सरेनी, रायबरेली।** सरेनी क्षेत्र के धूरेमऊ गांव में मरकरन वीर बाबा मन्दिर में सामूहिक भण्डारे का आयोजन किया गया। भण्डारे में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर सुरेन्द्र बाबूजी, सुरेश सिंह, रामनरेश सिंह, महेन्द्र प्रताप सिंह, कृष्ण बहादुर सिंह, बाबू सिंह, राहुल सिंह, मोहित, विपिन सिंह, अगम सिंह, बचोले सिंह, राजन सिंह, सत्यनारायण सिंह, बालकृष्ण, विजय गुप्ता, कालिका सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

### गैंगस्टर एक्ट के वांछित को भेजा जेल

**लालगंज, रायबरेली।** गैंगस्टर एक्ट के वाछिंत उमेश उर्फ गोलू पुत्र राजेश नट निवासी पूरे खलार मजरे पश्चिम गांव थाना बछरावां को पुलिस ने पकड़कर जेल भेजा है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि उसके खिलाफ सरेनी, महराजगंज, गुरुबक्सगंज व बछरावां थाने में भी आधा दर्जन से अधिक केस दर्ज हैं।

### खनन कर रहे दो ट्रैक्टर पर हुई कार्रवाई

**महराजगंज, रायबरेली।** क्षेत्र में चल रहे अवैध खनन को लेकर तहसील प्रशासन सक्रिय हो गया है। गुरुवार को क्षेत्र कलंदरगंज के पास दिन में अवैध खनन कर रहे दो ट्रैक्टरों को पुलिस नायब तहसीलदार उमेश चंद्र त्रिपाठी के आदेश पर जब्त कर लिया है। अवैध खनन की शिकायत मिलते ही मौके पर पहुंचे नायब तहसीलदार ने कोतवाली पुलिस को सूचना दी है एसडीएम गौतम सिंह ने बताया कि अवैध खनन कर रहे दो ट्रैक्टरों को सीज किया गया है। खनन में संलिप्त लोगों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

### प्रशिक्षण कैंप 31 से

**लालगंज, रायबरेली।** 31 जनवरी से एक होटल में प्रशिक्षण कैंप लगाया जाएगा। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के लालगंज अध्यक्ष विवेक शर्मा और नगर महामंत्री शिवम गुप्ता ने बताया कि खाद्य एवं औषधि प्रशासन फूड विभाग द्वारा होटल रेस्टोरेंट, किराना, बेकरी, पानी, खाने-पीने की वस्तु बेचने एवं बनाने वाले व्यापारियों के बाबत प्रशिक्षण पाठशाला होगी। प्रशिक्षण कैंप की सफलता के लिए व्यापार मंडल व्यापारियों से संपर्क कर सूचना पत्र भी भेज रहा है।

### महिला को पीटा

**बछरावां, रायबरेली।** रघुनाथ खेड़ा मजरे रैन निवासिनी कल्पना पत्नी रामपाल बुधवार की देर रात घर में कार्य कर रही थी, तभी महिला ने किसी बात को लेकर बच्चों की डांट लगाते हुए पिटाई कर दी। इससे नाराज पति रामपाल एवं उसके देवर ने महिला को पीट दिया जिससे वह घायल हो गई।

## एसपी के निर्देश पर दर्ज हुआ मुकदमा

**खीरों, रायबरेली।** थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने एसपी को शिकायती पत्र सौंपा है। शिकायती पत्र में गांव का एक युवक फोन पर अश्लील बातें करता है और विरोध करने पर उसे जान से मारने की धमकी दे रहा है। एसपी के निर्देश पर पुलिस ने पीड़िता के शिकायती पत्र के आधार पर नामजद आरोपी अर्जुन पासवान पुत्र गोवर्धन पासवान के विरुद्ध मुकदमा दर्ज मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि शिकायती पत्र के आधार पर एसपी के आदेशानुसार नामजद आरोपी के विरुद्ध केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

एम्स में पत्रकारवार्ता के दौरान जानकारी देते सामुदायिक चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डा. भोलानाथ। अमृत विचार

### आज एम्स आएंगे उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक

**रायबरेली, अमृत विचार।** अखिल भारतीय आयुर्वेदिक विज्ञान संस्थान (एम्स) मुंशीगंज की ओर से चार दिवसीय तंबाकू व स्वास्थ्य राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्घाटन शुक्रवार को प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक करेंगे। यह जानकारी सामुदायिक चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के विभाग अध्यक्ष प्रो. डॉ. भोलानाथ ने दी। पत्रकारों से रूबरू होते हुए बताया कि चार दिवसीय कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों से लगभग 300 विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा सातवें राष्ट्रीय तम्बाकू स्वास्थ्य सम्मेलन की शुरूआत छह गहन प्री कान्फ्रेंस कार्यशालाओं के साथ शुरू हो रही है। यह आयोजन भारत के साक्ष्य आधारित तम्बाकू नियंत्रण के प्रति एक सशक्त प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

## सधई मिश्र की टीम ने दर्ज की जीत

**क्रिकेट टूर्नामेंट**

संवाददाता डीह, रायबरेली

**अमृत विचार।** ब्लाक क्षेत्र के आशापुर खेल मैदान में राजपूत क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ जिसमें सधई मिश्र ने जगदीशपुर को हराकर जीत से खाता खोला।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष विवेक विक्रम सिंह ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया। कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे आयोजनों से आपसी भाईचारा बढ़ता है। साथ ही युवाओं को अपना हुनर दिखाने का अवसर मिलता है। विशिष्ट अतिथि भाजपा मंडल अध्यक्ष राजकुमार द्विवेदी ने खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। इससे पहले टास जीतकर सधई मिश्र की टीम ने क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। जगदीशपुर टीम ने 12 ओवर में 106 रन बनाए। ज़वाब में उतरी सधई मिश्र ने 9 ओवर में ही 107 रन बनाकर मैच जीत लिया। कमेंट्री संदीप और राजेश, अम्पायरिंग आशू व विमलेश ने किया। विक्रान्त सिंह, सौरभ, शिवांशु, अनिल सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर अशोक यादव, रंजीत सिंह, कुंवर सिंह, नरेंद्र सिंह आदि रहे।

मुख्य अतिथि जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष विवेक विक्रम सिंह का हुआ स्वागत।

## कर्कशा की टीम ने लखनऊ को हराया

**वॉलीबाल प्रतियोगिता**

**डीह, रायबरेली।** ब्लाक क्षेत्र के रोखा गांव में दो दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें क्षेत्रीय के साथ अयोध्या, लखनऊ, प्रयोगराज, सुल्तानपुर, फतेहपुर, अमेठी और साई हास्टल की टीमों ने दमखम का प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबले में करकसा रायबरेली ने लखनऊ को 2-1 से ट्राफी पर कब्जा जमा लिया। मुख्य अतिथिःसमाजसेवी शेखर रस्तोगी, बजरंग दल जिला अध्यक्ष विनोद मौर्य, व्यापारी तनवीर हसन ने विजेता और उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। पहला सेमीफाइनल मैच सुल्तानपुर और लखनऊ के मध्य खेला गया। इसमें लखनऊ ने सुल्तानपुर को 25-23, 22-25 और 26-24 से हराकर फाइनल में स्थान पक्का किया। दूसरा सेमीफाइनल करकसा रायबरेली और प्रयागराज के मध्य हुआ, जिसमें करकसा रायबरेली ने प्रयागराज को सीधे सेटों में 25-21 और 25- 23 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मैच में करकसा रायबरेली ने लखनऊ को रोमांचक मैच में 25-23, 26- 28 और 26- 24 से हराकर अपने नाम किया। मैन ऑफ द मैच लखनऊ के खिलाड़ी सौरभ नेगी को सोनू ज्वेलर्स डीह के तरफ से एलईडी टीवी दिया गया। निर्णायक नागेश्वर, पिंटू एवं नफ़ीश खान रहे। मुख्य आयोजक शिवप्रसाद तिवारी, पीपी सिंह, अनिल शुक्ला, ललित अवस्थी, महेंद्र अवस्थी, बीरेंद्र सिंह, शेर बहादुर सिंह, रवि सिंह कोटेदार रोखा, अखिलेश तिवारी, गुड्डू खान, अरुण तिवारी, दीनानाथ, टीम प्रबन्धन कर रहे तिलक अवस्थी ने अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर गौशालम खान, नानू अवस्थी, प्रदीप सिंह, अजीज खान, शैलेन्द्र सिंह, विकास, सतीश, राहुल आदि मौजूद रहे।

रोखा में आयोजित वॉलीबाल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते खिलाड़ी। अमृत विचार

## आग लगने से तीन दुकानें हुईं राख, पांच लाख रुपये से अधिक का नुकसान

**संवाददाता लालगंज, रायबरेली, अमृत विचार।** अज्ञात कारणों से लगी आग से तीन दुकानें जलकर राख हो गई। अग्निकांड में लगभग पांच लाख रुपये से अधिक का नुकसान बताया जा रहा है। कस्बे के बेहटा चौराहे के निकट टीन की दो दुकानें बनाकर कमलेश कुमारी पत्नी छोटे लाल निवासी सुदन खेड़ा ने कॉस्मेटिक की दुकाने खोल रखी हैं। पूरे बेचू निवासी संदीप उसी के बगल में टीन की ही दुकान बनाकर कपड़े का व्यापार करता है। सुबह लगभग चार बजे अज्ञात कारणो से दुकानों में आग लग गई। सूचना पर फायर बिग्रेड की गाड़ी जब तक मौके पर पहुंचती तब तक दुकानों का पूरा सामान जल चुका था। पीड़िता कमलेश कुमारी का कहना है किअग्निकांड में पांच लाख से अधिक का नुकसान हुआ है। वहीं संदीप की दुकान में भी लगभग 50 हजार की क्षति अनुमानित है। घटना के बाद से पीड़ित काफी चिंतित हो गये हैं।

## लाल मेजर जनरल को मिला विशिष्ट सेवा मेडल

संवाददाता रायबरेली

**अमृत विचार।** बैसवारे के लाल मेजर जनरल दिगेंद्र प्रताप सिंह को विशिष्ठ सेवा मेडल से सम्मानित किया गया। पिता के नक्शे कदम पर चलते हुए उन्होंने देश की सेवा की और अपने बेटे को भी देश की सेवा में लगा दिया है। लालगंज क्षेत्र के बेहटा कला के रहने वाले मेजर जनरल दिग्रेंद्र प्रताप सिंह को गणतंत्र दिवस पर विशिष्ठ सेवा मेडल देकर सम्मानित किया गया है। उनके पिता कर्नल स्व. राघवेंद्र प्रताप सिंह भी सेना के एजूकेशन कोर में कर्नल थे। उनका बेटा विक्रांत प्रताप सिंह वर्तमान में मेजर है। उनके बाबा सधऊ सिंह क्षेत्र के बडे समाजसेवी थे। जबकि दादा जेल अधीक्षक स्व. हरेंद्र बहादुर सिंह ने क्षेत्र के युवाओं के लिए बेहतर काम किया था। उनके चचेरे भाई अवधेश प्रताप सिंह सीआईएसएफ में डीआईजी है। वैसे इस गांव का सेना से लगाव काफी पुराना है। मेजर जनरल डीपी सिंह कई आपरेशनों में शामिल रहे।

मेजर जनरल दिगेंद्र प्रताप सिंह।

## संदिग्ध परिस्थितियों में घर में मिला युवक का शव

**लालगंज, रायबरेली।** क्षेत्र के मधुकरपुर गांव निवासी राजकुमार उर्फ गुड्डू पुत्र छोटेलाल घर पर अकेले ही रहता था। गुरूवार को पड़ोसियों ने उसे घर के अंदर कमरे में पड़ा देखा तो मामले की जानकारी पुलिस को दी। उसकी एक आंख गायब थी।चेहरे पर भी घाव थे। सिर पर चोट का निशान था। शव छत के छल्ले से साड़ी लटकी हुई थी। कोतवाल प्रमोद सिंह का कहना है कि युवक नशेड़ी प्रवृत्ति का था। उसने साड़ी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया होगा। लेकिन नीचे गिरने से उसका सिर बख्शे से टकरा गया जिससे उसके सिर पर चोट आयी है। रात में चूहे ने उसकी आंख व चेहरे को कुतर दिया है। सूचना पर मृतक की बहन सुनीता पत्नी बाबूलाल निवासी मीरमीरानपुर थाना डलमऊ भी मौके पर पहुंची। कोतवाल प्रमोद सिंह का कहना है कि मामला आत्महत्या का है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

## एम्स में नशा मुक्त भारत बनाने का लिया संकल्प

संवाददाता, रायबरेली

**अमृत विचार।** अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) मुंशीगंज में तंबाकू और स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत सामुदायिक चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग की ओर से एनर्जी प्लस पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सूर्यकांत नई दिल्ली व डा. संतोष एम्स ऋषिकेश रहे। मुख्य अतिथि के साथ डीन प्रो. डॉ. नीरज कुमारी, उपनिदेशक कर्नल अखिलेश सिंह, वित्तीय सलाहकार यूएन राय, अधीक्षक प्रो. डॉ. नीरज कुमार श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि सूर्यकांत ने आशा बहू को समाज में बदलाव की प्रथम सीढ़ी बताया। उन्होंने नर्सिंग, आशा बहू व मौजूद छात्राओं में उत्साह भरते हुए तंबाकू से होने वाले नुकसान व बीमारियों की जानकारी देते हुए नशा मुक्त भारत बनाने पर जोर दिया। सामुदायिक चिकित्सा विभाग की ओर से प्रो. डॉ. अभय सिंह ने आयोजित कार्यक्रम का संचालन करते हुए तंबाकू से होने वाले नुकसानों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि तंबाकू का सेवन करने से न केवल सेहत खराब होती है, बल्कि मेहनत से कमाई गई दौलत भी चली जाती है। तंबाकू का सेवन करने से फेफड़े ,हृदय स्वास्थ्य जैसी अनेक बीमारियों के साथ कैंसर जैसी भयंकर बीमारी हो जाती है। तंबाकू को छोड़ने के लिए दृढ़ संकल्प होने के साथ लोगों को तंबाकू का सेवन न करने व समाज और अपने-अपने घरों में तंबाकू का सेवन करने वाले लोगों की आदतों को छुड़वाने की शपथ दिलाई। इस मौके पर प्रो. डा. सुयश सिंह, प्रो. डा. रजत शुभ्र दास आदि मौजूद रहे।

एम्स के सामुदायिक चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग की ओर से आयोजित एनर्जी प्लस कार्यशाला में मौजूद अतिथिगण। अमृत विचार

### बच्चों की शिक्षा का किया गया आकलन

बच्चों की शिक्षा का आकलन करते प्रशिक्षक। अमृत विचार

**सरेनी, रायबरेली, अमृत विचार।** सरेनी क्षेत्र के पीएम श्री विद्यालय धुरेमऊ में डीएलएड प्रशिक्षु द्वारा निपुण आकलन किया गया। इस दौरान निपुण लक्ष्य ऐप के माध्यम से डायट प्रशिक्षु हर्षिता शुक्ला व विष्णु प्रताप सिंह ने बच्चाों की बुद्धि, शिक्षा व बुनियादी भाषा का आकलन किया। आकलन का उद्देश्य छात्रों के बुनियादी भाषा ज्ञान व संख्या ज्ञान का आकलन कर उनमे दक्षताओं में सुधार करना है। इस अवसर पर दीपिका अवस्थी, मोनी, नीलम सिंह, राजेंद्र कुमार, तेज प्रताप, प्रकाश द्विवेदी आदि लोग मौजूद रहे।

### दो बाइकों की आमने-सामने हुई टक्कर

**जगतपुर, रायबरेली।** थाना क्षेत्र के धूता गांव निवासी धुन्नर पुत्र रामनाथ बाइक से किसी कार्य के लिए जा रहे थे। तभी लखनऊ-प्रयागराज मार्ग पर जिंगना के पास सामने से आ रही बाइक ने टक्कर मार दी, जिससे धुन्नर घायल हो गया। स्थानीय लोगों द्वारा एंबुलेंस की मदद से घायल को जगतपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया। सीएचसी के चिकित्सक डा .लइक अहमद ने बताया कि सड़क दुर्घटना में एक बुजुर्ग गंभीर हालत में लाया गया था। जिसे जिला चिकित्सालय भेजा गया है।

### खरौली तिराहा से जमुनापुर तक चौड़ी होगी सड़क

**ऊंचाहार, रायबरेली, अमृत विचार।** क्षेत्र के गंगा तटों गोकना और पूरे तीर को जोड़ने वाले खरौली मार्ग का चौड़ीकरण का कार्य प्रारंभ हो गया है। सात मीटर चौड़ी और 14 किलोमीटर लंबी इस सड़क से क्षेत्र के दर्जनों गांव लाभान्वित होंगे। जिला पंचायत सदस्य शैलेंद्र गुप्ता ने गुरुवार को विधिवत पूजा अर्चना करके मार्ग निर्माण का आरंभ किया। लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाई जा रही इस सड़क से स्नानार्थियों को काफी सहूलियत मिलेगी। इसके अलावा फतेहपुर की ओर पूरे तीर गंगा पुल से आने जाने वाले बड़े वाहनों को भीड़भाड़ वाले ऊंचाहार नगर में नहीं आना होगा। वाहन खरौली तिराहा से जमुनापुर होते हुए कानपुर या लखनऊ के लिए निकल जाएंगे। इसके अलावा क्षेत्र के गंगा कटरी के दर्जनों गांवों के लोगों को भी आवागमन में सुविधा मिलेगी। क्षेत्र के राम नरेश यादव, सुनील कुमार, मुकेश कुमार, गुड्डू पांडेय, राम लखन यादव, पूर्व प्रधान दीपक निषाद, राजाराम भारती, राम किशुन, देशराज यादव, राम नारायण, अखिलेश कुमार यादव आदि ने खुशी जताई है।

खरौली-जमुनापुर मार्ग पर चल रहा कार्य।

## यशपाल को मिल रहा सभी वर्गों का समर्थन

**बार काउंसिल चुनाव**

संवाददाता, रायबरेली

**अमृत विचार।** बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश चुनाव के चौथे एवं अंतिम चरण में रायबरेली जनपद के अधिवक्ता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इसी क्रम में सुभाष चंद्र बोस सेवा फाउंडेशन की बैठक में बार काउंसिल सदस्य पद के प्रत्याशी वरिष्ठ अधिवक्ता यशपाल सिंह के पक्ष में मतदान करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। फाउंडेशन के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद श्रीवास्तव ने कहा कि यशपाल सिंह न केवल एक अनुभवी अधिवक्ता हैं, बल्कि कानून और समाज सेवा के क्षेत्र में भी निरंतर सक्रिय रहते हुए अधिवक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहे हैं। सेंट्रल बार एसोसिएशन अध्यक्ष राकेश तिवारी और महामंत्री योगेंद्र दीक्षित ने यशपाल सिंह को योग्य प्रत्याशी बताते हुए उनके पक्ष में मतदान करने का आह्वान किया। पूर्व अध्यक्ष रामबरन सिंह, कमलेश चंद्र पांडेय और पूर्व महामंत्री गंगा प्रसाद यादव ने यशपाल सिंह को अधिवक्ताओं का सच्चा हितैषी बताया। कहा कि उन्हें प्रदेश में प्रत्येक वर्ग के अधिवक्ताओं का व्यापक समर्थन प्राप्त हो रहा है। फाउंडेशन के सचिव अनूप श्रीवास्तव ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिवक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उपस्थित अधिवक्ताओं ने एक स्वर में प्रत्याशी यशपाल सिंह को प्रथम वरीयता का मत देने का निर्णय लिया। वरिष्ठ अधिवक्ता अम्बरीष अग्रवाल, शिव कुमार श्रीवास्तव, अनूप जायसवाल, विजय द्विवेदी, कमलेश चंद्र श्रीवास्तव, विजय मिश्रा, आलोक श्रीवास्तव, राजकुमार, उत्तम श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

सुभाषचंद्र बोस सेवा फाउंडेशन की बैठक में बोलते बार काउंसिल सदस्य पद के प्रत्याशी यशपाल सिंह।

## राधा-कृष्ण की मूर्तियां बरामद होने की खुशी में गूंजे गीत

**शिवगढ़, रायबरेली।** चोरी गई बेशकीमती राधा-कृष्ण की मूर्तियां पुलिस द्वारा बरामद होने के बाद भक्तों में खुशी का ठिकाना नहीं रहा। एक ओर आस्था पर चोट पहुंचाने के प्रयास को असफल करने वाली खाकी की भक्तों ने सराहना की, तो वहीं सूनी पड़ी मंदिर में राधा कृष्ण की मूर्तियां के पहुंचने पर लोगों में उत्साह भी है। गौरतलब है कि 23 जनवरी की रात अज्ञात चोरों ने मन्दिर का ताला तोड़कर राधा-कृष्ण की बेशकीमती मूर्तियां पार कर दी थीं। जिसके बाद गांव में आक्रोश था। आस्था के इस अपमान से हर श्रद्धालु व्यथित व परेशान था। पुजारी की तहरीर पर शिवगढ़ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरी गई मूर्तियों की तलाश में जुटी थी। पुलिस के अनुसार बुधवार की सुबह चोरी हुई मूर्तियां बाराबंकी जिले के लोनी कटरा थाना क्षेत्र के नबीपुर गांव के पास सड़क किनारे रखी मिली हैं। सूचना मिलते ही देहली गांव में मानो दीप जल उठे, सबके होठों पर मुस्कान और चेहरे पर खुशी और सकून छलक रहा था। लोनी कटरा पुलिस ने मूर्तियों को अपने कब्जे में लेकर शिवगढ़ पुलिस को सौंप दिया। जांच के बाद पुष्टि हुई कि मूर्तियां पीतल और कांसे की मिश्रित धातु से बनी हैं। देर शाम शिवगढ़ पुलिस ने श्रद्धालुओं की मौजूदगी में मूर्तियां पुनः मन्दिर के पुजारी को सौंप दी गईं। मूर्तियों की वापसी पर भवानीगढ़ चौराहे से डीजे के साथ "राधे-राधे" और "जय श्रीकृष्ण" के जयकारों के उद्घोष के साथ मूर्तियां गांव ले जायी गई। मूर्तियां गांव पहुंचते ही लोग खुशी से झूम उठे। ज्ञात हो कि वर्ष 2013 में भी यही मूर्तियां चोरी हुई थीं।

## न्यूज ब्रीफ

### दो युवकों पर किशोरी के अपहरण का आरोप केस दर्ज, जांच शुरू

**खीरों, रायबरेली।** थाना क्षेत्र के एक गांव के व्यक्ति ने गुरुबक्शगंज के बढ़ईन का पुरवा निवासी अजीत पुत्र नन्हकऊ पर 23 जनवरी को अपने साथी पिंटू के साथ बेटी (17) का अपहरण करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़ित के शिकायती पत्र के आधार पर घटना के एक सप्ताह बाद नामजद आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक सन्तोष कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित के शिकायती पत्र के आधार पर नामजद आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर अपहृता और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

### क्षेत्र पंचायत की बैठक में ब्लॉक प्रमुख ने दी योजनाओं की जानकारी

**बछरावां, रायबरेली।** कस्बे में स्थित विकासखंड कार्यालय के ब्लॉक सभागार में गुरुवार को ब्लॉक प्रमुख बछरावां अमन सिंह दउवा की अध्यक्षता में क्षेत्र पंचायत की बैठक संपन्न हुई। यहां पर सभी जनप्रतिनिधियों से सरकार द्वारा आम जनमानस के लिए चलाई जा रही हितकारी योजनाओं के विषय में जानकारी ली गई। साथ ही साथ सभी को क्षेत्र के प्रत्येक जन-जन तक सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ पहुंचे, उसके लिए निर्देशित भी किया गया। अधिकारी ने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जायेगी। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख अमन सिंह दउवा, खंड विकास अधिकारी बछरावां शिव बहादुर सिंह, अरुण नारायण, सुरेंद्र सिंह, धर्मराज रावत, दीपक चौधरी, धनीराम, नीरज कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

# एसडीएम ने लगाई चौपाल, विवादित स्थल का किया स्थलीय निरीक्षण

## ग्रामीणों से किया सीधा संवाद, जनकल्याणकारी योजनाओं की दी जानकारी

चौपाल में लोगों की शिकायत सुनते एसडीएम। अमृत विचार

स्थानांतरण की मांग को लेकर प्रदर्शन करते अधिवक्ता। अमृत विचार

संवाददाता जगदीशपुर, अमेठी

**अमृत विचार।** थाना क्षेत्र के कमरौली में मुसाफिरखाना उपजिलाधिकारी अभिनव कन्नौजिया ने उतेलवा गांव में चौपाल लगाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। चौपाल का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना और ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर समाधान सुनिश्चित करना रहा। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत आयोजित चौपाल में कठौरा, कमरौली, सिंदुरवा सहित 13 गांवों के ग्राम प्रधान, प्रधान प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। एसडीएम ने प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, वृद्धावस्था, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन, राशन वितरण तथा किसान सम्मान निधि योजना की विस्तृत जानकारी दी। चौपाल के दौरान पंचायत कठौरा के मकान संख्या 418, 419, 420 एवं 421 से संबंधित मामला सामने आया। मकान मालिकों ने आरोप लगाया कि उनके घरों में 260 मांगता बिरादरी का एसआईआर गलत तरीके से दर्ज कर दिया गया है। इस पर एसडीएम ने संबंधित अभिलेखों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके अलावा ग्रामीणों ने उतेलवा क्षेत्र में यूपीसीडा की जमीन से जुड़े विवाद को भी उठाया।

शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर यूपीसीडा के विवादित स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया और निष्पक्ष निस्तारण के निर्देश दिए। वहीं धुडेहरी गांव में रास्ते के विवाद सहित अन्य समस्याएं भी सामने आईं।चौपाल में कुल 13 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से पांच का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

### एसडीएम के स्थानांतरण व आय से अधिक संपत्ति की जांच की मांग को लेकर प्रदर्शन

**मुसाफिरखाना, अमेठी, अमृत विचार।** तहसील परिसर में गुरुवार को एसडीएम प्रशासनिक अभिनव कनौजिया के स्थानांतरण तथा उनकी आय से अधिक संपत्ति की निष्पक्ष जांच समेत अन्य मांगों को लेकर अधिवक्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। बार एसोसिएशन अध्यक्ष वेद प्रकाश शुक्ला के नेतृत्व में सैकड़ों अधिवक्ताओं ने एसडीएम के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि एसडीएम अभिनव कनौजिया अधिवक्ताओं और वादकारियों के साथ उचित व्यवहार नहीं करते। बार एसो. अध्यक्ष वेद प्रकाश शुक्ला ने बताया कि अधिवक्ताओं का यह प्रदर्शन पिछले एक माह से लगातार चल रहा है, लेकिन अब तक शासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द मांगों पर विचार नहीं किया गया तो 30 व 31 जनवरी को सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे तक तहसील गेट पर जबरदस्त धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इसके साथ ही तहसील स्थित रजिस्ट्री कार्यालय के कार्य को भी बाधित किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। प्रदर्शन के दौरान जगतराम पाल, केके सिंह, राजन सिंह, प्रमोद श्रीवास्तव, पवन तिवारी, संजय मिश्रा, सुग्रीव मिश्रा, अंजनी मिश्रा, संजय शुक्ला, कृष्णानंद मिश्रा, राजीव तिवारी, सतीश सिंह, अवधेश सिंह, अश्विनी श्रीवास्तव, नवनीत चौबे, ललित चौबे, सत्यभान सिंह, संदीप तिवारी, संतोष सिंह, एसपी यादव, लिपिक राकेश तिवारी आदि मौजूद रहे।

## राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर बच्चों ने निकाली रैली

**रायबरेली, अमृत विचार।** सलोन ब्लाक के ग्लोबल इंस्टिट्यूट सूची की तरफ से राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जागरूकता रैली निकली गयी। ग्लोबल इंस्टिट्यूट के संस्थापक राम बाबू जायसवाल, सहायक अध्यापक नीरज, राघवेंद्र पाण्डेय, आंनद सिंह, रामजीत, जीतेन्द्र ने बच्चों को मतदाता दिवस के बारे में बताया। उन्होंने कहा सभी को मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। इस मौके पर अंतिमा, अंजलि अग्रहरी, कोमल, शिवानी सिंह, कीर्ति सिंह, काजल यादव, रुपाली, पुलकित सिंह, प्रमेंद्र आदि उपस्थित रहे।

## प्रदेश उपाध्यक्ष ने जानी गौ सेवा की हकीकत

**अमेठी, अमृत विचार।** जिले में गौसेवा को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश गौसेवा आयोग के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश कुमार शुक्ला ने भेटुआ ब्लॉक स्थित सुलतानपुर व कोरारी लच्छनशाह में बने गोशालाओं का बृहस्पतिवार को औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गौशालाओं में रह रही गोवंश की यथा स्थिति,जानी और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

प्रदेश उपाध्यक्ष ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि गोशालाओं में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि गौसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना मुख्यमंत्री का स्पष्ट उद्देश्य है। निरीक्षण के दौरान गोशाला संचालकों ने बिजली कनेक्शन न मिलने की समस्या रखी, जिस पर प्रदेश उपाध्यक्ष ने शीघ्र संबंधित विभाग के अधिकारी को फोन कर बिजली कनेक्शन करने को कहा।साथ ही मुख्य पशु चिकित्साधिकारी अमेठी को गोशालाओं में काम कर रहे केयरटेकरों के मानदेय में बढ़ोतरी के निर्देश दिए। इस मौके पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी गोपाल कृष्ण शुक्ला आदि मौजूद रहे।

# सनातन हिंदू एकता पदयात्रा शुरू

संवाददाता अमेठी

गौरीगंज में गाजे-बाजे के साथ निकाली गयी यात्रा में शामिल लोग। अमृत विचार

**अमृत विचार।** सनातन हिंदू एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बृहस्पतिवार गौरीगंज से अयोध्या तक एक विशाल पद यात्रा शुरू हुई। इस तीन दिवसीय यात्रा का नेतृत्व बसंत तिवारी कर रहे हैं। यात्रा में हजारों की संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं, जो सनातन धर्म की एकता और सामाजिक समरसता को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह पद यात्रा रामगंज और मुसाफिरखाना होते हुए अयोध्या धाम पहुंचेगी। यात्रा के दौरान पदयात्रियों की सुविधा के लिए रात्रि विश्राम, भोजन और स्वच्छ पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य सेवाओं का भी विशेष ध्यान रखा गया है, जिसमें एम्बुलेंस और चिकित्सकों की टीम निरंतर उपलब्ध रहेगी। बसंत तिवारी ने बताया कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य देशभर के सनातन धर्मावलंबियों को एकजुट करना है। यह पहल न केवल आध्यात्मिक बल्कि सामाजिक स्तर पर भी लोगों को जोड़ने का एक माध्यम बनेगी। यात्रा के माध्यम से राष्ट्रव्यापी स्तर पर सनातन हिंदू एकता को मजबूत करने और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। यात्रा का समापन अयोध्या धाम में होने के साथ ही इसके व्यापक प्रभाव की उम्मीद है।

यूजीसी के नए नियमों पर रोक लगने के बाद एक-दूसरे का मुंह मीठा कराते लोग।

### यूजीसी के नए नियमों पर रोक से खुशी

**अमेठी, अमृत विचार।** यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा बृहस्पतिवार को रोक लगाए जाने से जिले में युवाओं में खुशी का माहौल रहा।और सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले की सराहना की,इसी खुशी में अमेठी रेलवे स्टेशन रोड पर सवर्ण युवा समाज के लोगों ने एकत्र होकर मिठाई बांटी और फैसले का स्वागत किया। युवाओं ने कहा कि नए नियमों से छात्रों और शिक्षकों में असमंजस था। सवर्ण युवा समाज के प्रतिनिधि जय प्रकाश मिश्र ने इसे छात्रों के हित में लिया गया सराहनीय फैसला बताया है। कार्यक्रम में विजय तिवारी छोटू, जितेंद्र तिवारी, प्रतीक मिश्र, विकास शुक्ल, पंकज मिश्रा, अभिनव मिश्र सहित कई मौजूद रहे। फैसले को लोकतंत्र की जीत बताया।

# आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने भरी हुंकार

**विकास भवन पर धरना**

संवाददाता, रायबरेली

कलेक्ट्रेट में ज्ञापन देने जाते आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका। अमृत विचार

**अमृत विचार।** आंगनबाड़ी संयुक्त मोर्चा की ओर से गुरुवार को विकास भवन में धरना दिया गया। इस दौरान मांगों को लेकर आवाज उठाते हुए जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं/सहायिकाओं की लंबित एवं न्यायोचित मांगों को लेकर आंगनबाड़ी संयुक्त मोर्चा (उ.प्र.) के आह्वान पर धरने में जिले के सभी विकास खंडों से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं पहुंची। जिलाध्यक्ष मंजू सिंह ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सेवा-परिस्थितियों, मानदेय, सामाजिक सुरक्षा, सम्मान एवं भविष्य की अनिश्चितता पर विस्तार से अपनी-अपनी बातें रखीं तथा सरकार से शीघ्र निर्णय लेने की मांग की। बीना सिंह ने कहा कि हक के लिए संघर्ष आगे भी जारी रहेगा। किसी कीमत पर हम पीछे नहीं हटने वाले हैं।

लीना त्रिपाठी ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं से दूसरे विभागों से भी काम लिए जाते हैं। मांगों को लेकर सरकार अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। अब इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जिला संरक्षक अनुप कुमार मिश्र, विक्रम सिंह, राकेश कुमार शुक्ल ने भी विचार व्यक्त किए। कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सरकार की सबसे मजबूत जमीनी कड़ी हैं, फिर भी उन्हें आज तक स्थायी कर्मचारी का दर्जा एवं सामाजिक सुरक्षा नहीं मिल सकी है। इस मौके पर राज सुंदरी, स्नेहा सिंह, सुनीता त्रिपाठी आदि मौजूद रहे। ज्ञापन के दौरान बताया कि 8 मार्च से प्रदेश के सभी 75 जनपदों में एक साथ विशाल धरना-प्रदर्शन किया जाएगा, जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

## अज्ञात वाहन की टक्कर से श्रमिक की गयी जान

**तिलोई, अमेठी।** कोतवाली मोहनगंज क्षेत्र के अन्तर्गत श्रमिक मोहित प्रजापति उम्र लगभग 19 वर्ष पुत्र दयाराम निवासी पूरे कुम्हारन मजरे तिलोई थाना मोहनगंज अमेठी ने रोजी-रोटी के सिलसिले में चेन्नई शहर में नौकरी कर रहा था। जहां किसी अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दिया जिसमें उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। लोहे की कम्पनी में काम करता था। मृतक का भाई रोहित प्रजापति और उक्त गांव के दो चार लोग साथ में काम करते थे गणतंत्र दिवस का अवकाश होने पर मृतक घूमने निकला था तथा पैदल जा रहा था एक अज्ञात वाहन ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया। और उसकी मौत हो गई। मौत की सूचना कम्पनी के मालिक को मिलने पर तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। और उनके परिजनों को फोन से जानकारी दी गई है। जिससे परिवारीजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवारों व गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिजन मृतक की शरीर का अभी तक आने का इंतजार कर रहे हैं दिन बुधवार की रात चेन्नई शहर से मृतक मोहित का शव गांव पूरे कुम्हारन मजरे तिलोई पहुंचा, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

# राज्यमंत्री ने भाजपा पदाधिकारियों संग की बैठक

लालगंज, रायबरेली

बैठक को संबोधित करते राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह। अमृत विचार

**अमृत विचार।** प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) को लेकर लालगंज मंडल के आलमपुर पंचायत भवन में भाजपा पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें मतदाता सूची में नाम बढ़ाने और त्रुटियों को सुधारने पर चर्चा की गई। उन्होंने पंचायत भवन में भी 150 फिट का पोल लगाकर राष्ट्रीय ध्वज लगाने की घोषणा करते हुए पंचायत भवन के सौंदर्यीकरण की भी बात कही है। जिलाध्यक्ष बुद्धी लाल पासी ने कहा कि एसआईआर में मतदाताओं को हो रही दिक्कतों को हमें हर हाल में ठीक कराना है। नए मतदाताओं को जोड़ने का उन्होंने भीआह्वान किया। गुरुवार को भाजपा जिला मंत्री विजय सिंह की देखरेख में 70 लोगों के फॉर्म नंबर 6 भराये गए। बैठक का संयोजन मंडल अध्यक्ष मनोज अवस्थी और संचालन प्रांतीय परिषद सदस्य सुशील शुक्ला ने किया। प्रधानाचार्य डॉक्टर नरेंद्र सिंह और भवानी श्रीवास्तव ने राज्य मंत्री का बुके भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर जिला मंत्री राधेश्याम पाल, नंद कुमार सिंह, रमेश सिंह, बच्चा पांडे, बीके सिंह, यतीन सिंह चौहान ,अखिलेश बाजपेई, सत्येंद्र बहादुर सिंह, बाबू तिवारी, संजय त्रिवेदी, संजय बाजपेई, सुनील मिश्रा, प्रधान बच्चा लाल, राजेश निर्मल, जयशंकर चौधरी, सुनील मिश्रा, राम शंकर आदि मौजूद रहे।

# सोने-चांदी के दामों में बढ़ोतरी से कारोबार पर गहराया संकट

संवाददाता अमेठी

**अमृत विचार।** जिले में सोने और चांदी के दामों में लगातार हो रही बढ़ोतरी का असर अब सर्राफा कारोबार पर साफ दिखाई देने लगा है। बढ़े हुए भावों के चलते सर्राफा बाजार में ग्राहकों की आवाजाही तो बनी हुई है, लेकिन जैसे ही ग्राहक जेवरों के दाम सुनते हैं, बिना खरीदारी किए ही वापस लौट जाते हैं।

सर्राफा व्यापारियों का कहना है कि लगातार बढ़ती कीमतों ने छोटे दुकानदारों की परेशानी बढ़ा दी है। पहले जहां त्योहारों और मांगलिक कार्यक्रमों में अच्छी बिक्री होती थी, वहीं अब ग्राहक केवल भाव पूछकर ही संतोष कर ले रहे हैं। इससे कारोबार में भारी गिरावट दर्ज की जा रही है। व्यापारियों ने मांग की है कि सोने-चांदी के दामों में स्थिरता लाई जाए, ताकि आम ग्राहकों की क्रय शक्ति बनी रहे और बाजार में फिर से रौनक लौट सके।

उनका कहना है कि यदि भाव स्थिर होते हैं तो ग्राहकों की संख्या में बढ़ोतरी हो सकती है और व्यापार को संजीवनी मिल सकती है। वहीं, भाव में आई तेज़ी से ग्राहक भी निराश नजर आ रहे हैं। आम लोगों का कहना है कि बढ़ती महंगाई के बीच सोने-चांदी के ऊंचे दाम उनके बजट से बाहर होते जा रहे हैं, जिससे जेवर खरीदना मुश्किल हो गया है। कुल मिलाकर, सोने-चांदी के दामों में निरंतर बढ़ोतरी ने अमेठी के सर्राफा बाजार को संकट में डाल दिया है, जिससे व्यापारी और ग्राहक दोनों ही परेशान दिखाई दे रहे हैं।

### दुर्लभ प्रजाति के कछुआ तस्करी में 3 गिरफ्तार

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी। अमृत विचार

**मुंशीगंज अमेठी, अमृत विचार।** सराय खेमा गांव के बगल में स्थित राजर्षि रणंजय सिंह इंजीनियरिंग कॉलेज के पास से मुंशीगंज पुलिस को एक बड़ी कामयाबी मिली। पुलिस टीम ने वहां से कछुआ तस्करों को पकड़ा जिनके पास से दुर्लभ किस्म के 1203 कछुए बरामद हुए जिसकी कीमत लगभग 30 लाख रूपये की थी। पुलिस द्वारा पकड़े गए तीन अभियुक्तों में रमेश पुत्र हजारी, राजेश पुत्र गिरधारी ग्राम पालपुर मजरे गांधीनगर थाना जगदीशपुर तथा वीरेंद्र विक्रम पुत्र प्रेम प्रसाद गांव भगवानपुर ,मल्हीपुर जिला श्रावस्ती के निवासी रहे। तीनों अभियुक्तों को पुलिस ने सुसंगत धाराओं में कार्यवाही करते हुए जेल भेज दिया। गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक लक्ष्मण सिंह चंदेल मय फोर्स की विशेष भूमिका रही।

### संदिग्ध हालात में मिला अधेड़ का शव

**छतोह, रायबरेली, अमृत विचार।** परशदेपुर चौकी क्षेत्र के महेशपुर गांव में 58 वर्षीय राम निहोरा का संदिग्ध परिस्थितियों में सुबह गेहूं के खेत में पड़ा शव मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक के बड़े बेटे सुशील कुमार पटेल ने बताया कि उसके पिता राम निहोरा बुधवार को दिन में गेहूं के खेत में पानी लगाने गए थे। देर रात तक घर वापस न लौटने पर तलाश शुरू की गई, लेकिन उनका पता नहीं चला। गुरुवार सुबह उनका शव खेत में पड़ा पाया गया। घटना की सूचना मिलते ही परशदेपुर चौकी इंचार्ज मोहित शर्मा मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। चौकी प्रभारी के अनुसार फिलहाल मृत्यु का कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी।

### स्कूलों में छात्रों का निपुण आकलन शुरू

**महराजगंज, रायबरेली, अमृत विचार।** परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा के स्तर को सुधारने और बच्चों की बुनियादी समझ को मजबूत करने के लिए 'निपुण आकलन शुरू हो गया है। 29 जनवरी से शुरू हुए इस अभियान के तहत कक्षा एक और दो के छात्र-छात्राओं की शैक्षिक गुणवत्ता की जांच की जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य शुरुआती स्तर पर ही बच्चे पढ़ने, लिखने और गणितीय गणनाओं में दक्ष बन सकें। अभियान के पहले दिन खेरवा, मऊ सर्की, कुशमहुरा, चिरैंधा, हरदोई, हाजीपुर, मोन, दौतरा, जमुरांवा और मदनिया समेत 18 प्राथमिक विद्यालयों में आकलन संपन्न हुआ। खण्ड शिक्षा अधिकारी राम मिलन यादव ने बताया कि प्रत्येक विद्यालय में कक्षा एक व दो के 12-12 छात्रों का रैंडम आधार पर आकलन किया गया। जिन स्कूलों में छात्रों की संख्या 12 से कम थी, वहां सभी बच्चों का मूल्यांकन किया गया। शेष अन्य स्कूलों में भी 6 फरवरी डीएलएड प्रशिक्षुओं की टीमें जाकर हर बच्चे का निपुण आकलन करेंगी।

# करंट से झुलसे संविदा लाइनमैन की गई जान

ऊंचाहार, रायबरेली

सूरजभान (फाइल फोटो)

**अमृत विचार।** ऊंचाहार कोतवाली क्षेत्र के गांव हटवा निवासी संविदा लाइन मैन सूरजभान पुत्र रामफेर विद्युत विभाग में संविदा लाइन मैन थे। बीती 24 जनवरी को वह 33 केवीए विद्युत लाइन में गड़बड़ी ठीक कर रहे थे। आरोप है कि उसी समय विद्युत लाइन चालू कर दी गई, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गए। इस हादसे के बाद उन्हें पहले स्थानीय फिर जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां के बाद परिजन उनको लेकर मंगलवार को ऊंचाहार उपकेंद्र पहुंचे और उपकेंद्र में लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। अधिकारियों के समझाने बुझाने के बाद परिजन उसको लेकर लखनऊ के एक निजी अस्पताल में गए, जहां इलाज के दौरान गुरुवार को उसकी मौत हो गई है। परिजनों का आरोप है कि शट डाउन लेने के बावजूद विद्युत लाइन चला दी गई थी, जिसके कारण घटना हुई है।

# वाणी पुत्रों के काव्य पाठ से श्रोता मंत्रमुग्ध

सरेनी, रायबरेली

सरेनी क्षेत्र के एक गेस्ट हाउस में आयोजित समारोह में मौजूद अतिथि। अमृत विचार

**अमृत विचार।** सरेनी विकास क्षेत्र के एक गेस्ट हाउस में साहित्यिक संस्था रश्मिपुंज साहित्यानुरागी संस्थान की ओर से संस्था के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सतीश कुमार सिंह के जन्मदिन पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम साहित्यिक पूर्वजों, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, डॉ. शिव बहादुर सिंह भदौरिया, डॉ. हरेंद्र सिंह, डॉ. उपेंद्र सिंह, दिनेश सिंह, रामसुख सिंह, बृजनंदन पाण्डेय, राजेंद्र दीक्षित, गया प्रसाद धुन्नर, मधुकर खरे, चंद्र प्रकाश पांडेय, अवधेश मालवीय, भंवरेश, अवधेश सिंह, बच्चन जी, सूर्य बख़्श सिंह सुर्ज, अवधेश सिंह, मो. अतहर, पं रघुनंन्दन प्रसाद शर्मा, राम देव सिंह बहोरी, डॉ. ओपी सिंह, गिरिजा शंकर शेखर, गिरधारी की स्मृति में एक स्मरणोत्सव एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अविनाश सिंह, विशिष्ट अतिथि प्रभात सिंह त्रिलोकचंदी, डॉ. महादेव सिंह, अरुण कुमार सिंह रहे। काव्योत्सव में रायबरेली एवं विभिन्न जिले से आये रचनाकारों ने कविता सुनाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतापगढ़ से आये कवि डॉ. अशोक अग्रहरि, रचनाकारों में स्वामी बृह्मतमानंद सरस्वती, आशुतोष तिवारी बाराबंकी, आफरीन बानो प्रतापगढ़, प्रदीप मौर्य रायबरेली, कृष्ण द्विवेदी रायबरेली, राघवेंद्र राघव रायबरेली, ज़मीर अहमद आदि उपस्थिति रहे। इस मौके पर सनेही शैलेंद्र, मोहन शुक्ल उन्नाव, संतोष दीक्षित, राहुल कश्यप, ज्ञानेंद्र प्रकाश, कुमार मयंक मिश्रा, डॉ. गोविन्द 'गजब', विजय चौधरी आदि लोग मौजूद रहे।

# अमृत विचार

शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

अगर तुम सूरज के चले जाने पर रोओगे, तो तुम्हारे आंसू तुम्हें तारे देखने से रोक देंगे।
-रवींद्रनाथ टैगोर, साहित्यकार



## दुर्घटना और सवाल

महाराष्ट्र को उपमुख्यमंत्री के बतौर सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले अजित पवार का हवाई दुर्घटना में निधन अत्यंत दुखद है। उनके साथ स्टॉफ पायलट, को-पॉयलट समेत पांच लोगों की मृत्यु ने कई असहज प्रश्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे में सीबीआई और अन्य तकनीकी एजेंसियों द्वारा गहन जांच की मांग को 'राजनीति प्रेरित' करार देना उचित नहीं। किसी भी वीआईपी विमान हादसे में पारदर्शी, बहु-एजेंसी तथ्य-आधारित और समयबद्ध जांच विश्वास बहाली का आवश्यक साधन होती है। लीयरजेट अपेक्षाकृत सुरक्षित जेट विमान माने जाते हैं। संबंधित भारतीय निजी कंपनी को भी डीजीसीए के फरवरी 2025 के ऑडिट में बेदाग पाया गया था। मुख्य पायलट के 15 हजार घंटे और सह-पायलट के 1500 घंटे का अनुभव कम नहीं है। अंतिम क्षणों में विमान गिर पड़ा।

यह परिदृश्य तीन आशंकाओं की ओर इशारा करता है। पहला- अचानक तकनीकी खराबी जैसे कंट्रोल सरफेस या हाइड्रोलिक्स या इंजन का असंतुलन, दूसरा-माइक्रोबर्स्ट या विंड-शियर जैसी चुनौती, तीसरा- अंतिम क्षण में निर्णय या कॉन्फ़िगरेशन की त्रुटि। निष्कर्ष के लिए एफडीआर-सीवीआर विश्लेषण ही निर्णायक होगा, लेकिन एयर इंडिया की त्रासदी के महज सात महीने बाद यह हादसा उड्डयन सुरक्षा पर सवाल तो खड़े ही करता है। देश में रोज़ाना पांच लाख से अधिक यात्री उड़ान भरते हैं। हवाई यात्रा अब भी सबसे सुरक्षित परिवहन है, पर जुलाई 2012 से नवंबर 2025 के बीच 112 एक्सीडेंट और 128 गंभीर घटनाएं दर्ज हुईं; छोटे विमानों में जानलेवा हादसों की दर वाणिज्यिक विमानों से 10 से 50 गुना अधिक बताई जाती हैं। इसका अर्थ है कि जनरल एविएशन के मानक शायद छोटे विमानों के लिए कमर्शियल एविएशन के समकक्ष कठोर नहीं हैं। लीयरजेट-45 के 1998 से अब तक आठ बड़े हादसों और 29 मौतों का रिकॉर्ड, तथा सितंबर 2023 में मुंबई में रनवे से फिसलने की घटना, जिसकी जांच रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक नहीं हुई है, पारदर्शिता की कमी की ओर संकेत करती है। समय पर रिपोर्ट सार्वजनिक होती, तो सुधारात्मक कदम और सीख सामने आते। बारामती एयरपोर्ट की लोकेशन, सीमित संसाधन और बार-बार प्रशिक्षण विमानों की दुर्घटनाएं यह संकेत है कि बुनियादी ढांचे और जोखिम-आकलन में तत्काल सुधार जरूरी है। मैंगलोर, कोझिकोड, इंफाल, लेह जैसे चुनौतीपूर्ण हवाई अड्डों पर रनवे सेफ्टी एरिया, ईएमएएस, उन्नत आईएलएस और जीपीएस-आधारित एप्रोच, रियल-टाइम वेदर रडार और विंड-शियर अलर्ट अनिवार्य किए बिना नित नए एयरपोर्ट खोलना विवेकपूर्ण नहीं है।

डीजीसीए को जनरल एविएशन के लिए अनिवार्य सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम, डेटा-शेयरिंग, थर्ड-पार्टी ऑडिट, पुराने विमानों की चरणबद्ध समीक्षा, सिम्युलेटर-आधारित प्रशिक्षण की न्यूनतम घंटों की बाध्यता और 'नो-फॉल्ट' सेफ्टी रिपोर्टिंग संस्कृति को सख्ती से लागू करना चाहिए। सरकार को एएआई और राज्यों के साथ मिलकर इस दिशा में प्राथमिकता तय करके काम करना होगा, पहले सुधार, फिर विस्तार। यदि इससे सबक लेकर सुरक्षा ढांचा सुदृढ़ किया जाए, तो यही दुर्घटना के दिवंगतों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

### प्रसंगवश

## जन भवन: लोकतांत्रिक चेतना का नया अध्याय

उत्तर प्रदेश में 'राजभवन' का 'जन भवन' के रूप में पुनर्संस्कार, स्वतंत्र भारत की लोकतांत्रिक यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है। यह प्रतीकात्मक परिवर्तन नागरिक गरिमा और सहभागिता को शासन के केंद्र में स्थापित करने का एक सार्थक प्रयास है। राजनीति के व्याकरण को 'अधिकार' से 'कर्तव्य' की ओर मोड़ने वाला यह निर्णय, दरअसल सत्ता के चरित्र को 'शासक' से 'सेवक' के रूप में ढालने का वह वैचारिक साहस है, जो लोकतंत्र को उसकी मूल आत्मा से जोड़ता है।

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'राजभवन' को 'जन भवन' के रूप में नामित किया जाना मात्र एक प्रतीकात्मक प्रशासनिक परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र की मूल आत्मा को पुनः स्मरण कराने वाला एक सशक्त वैचारिक संकेत है। यह निर्णय शासन और जनता के बीच संबंधों को नई, अधिक मानवीय परिभाषा देने की दिशा में उठाया गया साहसिक कदम है, जो सत्ता के चरित्र और उद्देश्य पर गहन पुनर्विचार की मांग करता है।

डॉ. कैलाश चंद सैनी
लेखक

भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती; वह समाज की चेतना और दृष्टि को भी आकार देती है। 'राजभवन' शब्द अपने भीतर सत्ता की भव्यता, कठोर प्रोटोकॉल और शासक-शासित के बीच खिंची एक अदृश्य किंतु सुदृढ़ दीवार का बोध कराता है। इसके विपरीत 'जन भवन' उस दीवार को भेदते हुए शासन के केंद्र में 'लोक' की प्रतिष्ठा का संकेत देता है। यह परिवर्तन सत्ता को उत्तरदायित्व, सहभागिता और सेवा से जोड़ता है तथा यह प्रश्न करता है कि स्वतंत्रता के अमृत काल में हमारी सत्ता अब भी 'राज' का विस्तार बनी हुई है या वह वास्तव में 'जन' की आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति बन पाई है।

आचार्य चाणक्य ने 'अर्थशास्त्र' में यह स्पष्ट किया है कि शासक का सुख जनता के सुख में और उसका हित जनता के हित में निहित है। यह सूत्र सत्ता को नैतिक अनुशासन और उत्तरदायित्व के कठोर मानकों से बांधता है। सम्राट अशोक इस दर्शन के सर्वाधिक प्रेरक उदाहरण हैं। कलिंग युद्ध के पश्चात उन्होंने विजय और दमन की नीति त्यागकर प्रशासन को जनकल्याण की दिशा में मोड़ा और यह घोषणा की कि जनता अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उनसे किसी भी समय संपर्क कर सकती है। 'जन भवन' की अवधारणा इसी संवेदनशील परंपरा का आधुनिक रूपांतरण प्रतीत होती है।

आधुनिक भारत में महात्मा ज्योतिबा फुले ने इसी विचार को सामाजिक न्याय के धरातल पर उतारा। उनके लिए राजनीति का उद्देश्य महलों की चमक बढ़ाना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति के दुख को कम करना था। उनका यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है कि किसी व्यवस्था की सफलता का मूल्यांकन महलों की रोशनी से नहीं, बल्कि गरीब की झोपड़ी में घटते अंधकार से होना चाहिए। इसी वैचारिक यात्रा की निरंतरता में सत्ता के सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति द्वारा स्वयं को 'प्रधान सेवक' के रूप में परिभाषित करना इस बात का संकेत है कि जब सत्ता स्वयं को स्वामी के स्थान पर सेवक मानने लगती है, तब नीतियां कागजों से निकलकर सीधे जनजीवन की पीड़ा और आवश्यकताओं से जुड़ने लगती हैं।

'जन भवन' की सार्थकता केवल नाम परिवर्तन से सिद्ध नहीं होगी। इसे वास्तविक अर्थों में जीवंत बनाने के लिए प्रशासनिक कार्यशैली में बुनियादी और जमीनी सुधार अनिवार्य हैं। वास्तविक परिवर्तन तब दिखाई देगा, जब अधिकारियों के आचरण में जनता के प्रति गहरी संवेदनशीलता झलके और नीति-निर्माण में केवल आंकड़ों के बजाय सक्रिय जन-भागीदारी को स्थान मिले।

## आम बजट 2026 खुशहाली की आस में मध्यवर्ग

विवेक सक्सेना
अयोध्या

आम बजट 2026 में महज कुछ ही दिन शेष हैं। अगले वित्त वर्ष के लिए तैयार हो रहे बजट में आम आदमी की जेब पर क्या असर पड़ेगा, यह सबसे बड़ा सवाल है। हर साल बजट का दिन आम आदमी के लिए उम्मीदों की नई किरण लेकर आता है। कोई टैक्स में राहत चाहता है, कोई नौकरी के नए मौके, तो कोई महंगाई से छुटकारा। इस बार भी 2026 का बजट लोगों की उम्मीदों का बड़ा इम्तिहान बनने वाला है। पिछले बजट में कई मांगें अधूरी रह गई थीं, अब नजरें इस बात पर टिकी हैं कि सरकार आम जनता को क्या बड़ी राहत देती है।

आम आदमी को आयकर में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद कम है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले बजट में व्यक्तिगत आयकर में कटौती के बावजूद टैक्स ग्रोथ केवल 6.8% रही, जबकि उम्मीद 21.6% थी। इससे सरकार को खर्च के लिए नए स्रोत तलाशने पड़े। हमारा टैक्स-जीडीपी अनुपात लगभग 12 प्रतिशत है, जबकि अधिकांश विकसित देशों में यह 35 से 45 प्रतिशत के दायरे में होता है। भारत में आयकर चुकाने वाली आबादी दो से तीन प्रतिशत के बीच है, जो विकसित देशों में 45 से 55 प्रतिशत तक होती है। इसका एक महत्वपूर्ण कारण कृषि आय को कर से छूट दिया जाना है। कृषि से जुड़े हमारे लगभग 40 प्रतिशत अंशभागी कर देनदारी के दायरे से बाहर हैं। इसके लिए एक आधार बनाकर समृद्ध कृषकों को आयकर के दायरे में लाना होगा। इसके लिए या तो एक निश्चित स्तर से ऊपर की आय अथवा कृषि भूमि आकार को आधार बना सकते हैं।

वेतनभोगियों के लिए मानक कटौती बढ़ाना और आवासीय ऋण के ब्याज पर कटौती की सीमा में वृद्धि करना उपयुक्त होगा। ईमानदार करदाताओं को प्रोत्साहन हमारी नीतियों के केंद्र में होना चाहिए। सरकार की मंशा एक सीमित वर्ग से कर वसूली के बजाय करों के दायरे का विस्तार करने की होनी चाहिए। पिछले वर्ष प्रत्यक्ष करों के स्तर पर रियायत, वित्तीय वर्ष के मध्य में ही जीएसटी दरों में कटौती और विभिन्न व्यापार समझौतों के अस्तित्व में आने से सीमा शुल्क में संकुचन के बाद अब राजस्व बढ़ाने के लिए नई राह की ओर देखना होगा।

टैक्स कलेक्शन उम्मीद से कम रहने पर सरकार के राजस्व पर दबाव पड़ा। ऐसे में इस बार टैक्स रिबेट या बड़े स्लैब बदलाव की संभावना कम है। सरकार छोटे-छोटे सुधार, लिमिटेड कटौती और रिबेट ट्यूनिंग के जरिए आम आदमी को थोड़ी राहत दे सकती है, लेकिन महंगाई पर नियंत्रण और राजस्व जुटाने की प्राथमिकता पहले रहेगी। दूसरी ओर, राजस्व बढ़ाने के लिए कुछ वैट या सेवा शुल्क में बदलाव की संभावना है, जिससे रोजमर्रा की चीजों की कीमत पर असर पड़ सकता है।

सरकारी सब्सिडी और टैरिफ में संभावित बदलाव के चलते पेट्रोल-डीजल, गैस और बिजली पर राहत कम दिख रही है। ऐसे संकेत हैं कि सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर पर निवेश बढ़ेगा, जिससे सड़क, रेल, पानी और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा। यह आम आदमी की रोजमर्रा की जिंदगी को बेहतर बनाने में मदद करेगा। सरकार स्किल डेवलपमेंट और डिजिटल स्किल्स पर जोर दे सकती है। छोटे-मध्यम व्यवसायों के लिए आसान क्रेडिट पॉलिसी और निवेश पैकेज ला सकती है। इसका सीधा असर नौकरी और व्यवसाय के नए अवसरों में दिखेगा।

लग्जरी और इम्पोर्टेड आइटम महंगे हो सकते हैं, ताकि कैपेक्स और सामाजिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च के लिए अतिरिक्त राजस्व जुटाया जा सके। एक संभावना यह है कि सरकार विनियमन यानी नियमों को और सरल-सुगम बनाने की राह पर ही आगे बढ़े। अच्छे परिदृश्य पर चर्चा करें तो भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ रही है। सरकार के पहले अग्रिम अनुमान के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। यह पिछले वर्ष की 6.5 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक होगी।

कुछ ही दिन पहले आए दूसरी तिमाही के आंकड़ों में 8.2 प्रतिशत की तेजी दिखी थी। यह वृद्धि सामान्य जनजीवन में भी नजर आती है। वाहनों की बिक्री बढ़ रही है। हवाई यात्रा में तेजी आई है। वित्त, परिवहन, आतिथ्य सत्कार और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों का निरंतर विस्तार हो रहा है। कुछ अपवाद को छोड़ दिया जाए तो महंगाई का रुख भी नरम है। इससे घरेलू बजट पर दबाव घटा है, लेकिन असल समस्या वृद्धि में नहीं, बल्कि आमदनी के स्तर पर है। सीधे शब्दों में कहा जाए तो अर्थव्यवस्था अधिक वस्तुएं और सेवाएं तो उत्पन्न कर रही है, लेकिन उनका कुल मूल्य उतनी तेजी से नहीं बढ़ रहा है।

कुछ क्षेत्रों में तो कीमतें गिर रही हैं। यह सुनने में अच्छा लग सकता है, लेकिन कुछ दूसरे मोर्चों पर कीमत चुकानी पड़ती है। चाहे जीएसटी हो, आयकर हो या कॉरपोरेट कर, उन पर राजस्व की प्राप्ति लेनदेन के आधार पर ही निर्भर करती है। जब लेनदेन में वृद्धि धीमी होती है तो कर संग्रह भी धीमा हो जाता है। ऐसे में सरकारी आमदनी भले ही घट जाए, लेकिन वेतन, पेंशन, ब्याज भुगतान और कल्याणकारी योजनाओं की देनदारी तो जस की तस बनी रहती है।

जाहिर है कि सरकार को या तो अधिक उधारी लेनी पड़ेगी या किसी अन्य मोर्चे पर कटौती का विकल्प अपनाना होगा। नई महत्वाकांक्षी घोषणाओं को लेकर भी संयम बरतना पड़ेगा। बाहरी मोर्चे पर स्थितियां नियंत्रण में अवश्य, लेकिन जोखिम से मुक्त नहीं हैं। वैश्विक अनिश्चितताएं कभी भी संकट खड़ा कर सकती हैं। तमाम उभरती हुई अर्थव्यवस्थाएं पूंजी प्रवाह को लेकर अस्थिरता का सामना कर रही हैं।

डालर के मुकाबले गिरता रुपया भी प्रभावित कर रहा है। अमेरिकी टैरिफ ने भी चिंताओं को और बढ़ाने का काम किया है। बजट में वित्त मंत्री को इन चिंताओं का संज्ञान लेना होगा। इसमें कर वृद्धि अनुमान को लेकर बहुत सावधानी बरतनी होगी। उधारी की योजनाओं को लेकर भी सतर्कता आवश्यक होगी, ताकि ब्याज अदायगी को लेकर अतिरिक्त बोझ न बढ़े।

आम बजट आम आदमी के लिए उम्मीदों की नई किरण लेकर आता है। कोई टैक्स में राहत चाहता है, कोई नौकरी के नए मौके, तो कोई महंगाई से छुटकारा। बजट लोगों की उम्मीदों का बड़ा इम्तिहान बनने वाला है।

### आमने सामने

मुझे अजित पवार की विमान हादसे में मौत की खबर सुनकर गहरा सदमा लगा है। जब राजनीतिक नेता भी सुरक्षित नहीं हैं, तो आम लोगों की सुरक्षा की क्या बात की जाए। दो दिन पहले मुझे पता चला था कि अजित पवार बीजेपी छोड़ने वाले हैं और आज यह घटना हो गई।
-ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

ममता बनर्जी निराश और हताश लग रही हैं। उन्हें लगता है कि आने वाले पश्चिम बंगाल चुनावों में उनकी हार होने वाली है, इसीलिए वह इतने गुस्से में प्रतिक्रिया दे रही हैं। अपनी निराशा और हताशा में वह ऐसे कदम उठा रही हैं, जो लोकतंत्र के लिए हानिकारक हो सकते हैं।
-नरेश बंसल
भाजपा सांसद

## विकास की वेदी पर 'निकोबार' के आदिवासी

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

हिंद महासागर के नीले पानी के बीच स्थित ग्रेट निकोबार द्वीप समूह आज एक ऐसी जंग का मैदान बना हुआ है, जहां एक तरफ आधुनिक भारत की विशाल रणनीतिक आकांक्षाएं हैं और दूसरी तरफ एक प्राचीन सभ्यता के अस्तित्व की पुकार। केंद्र सरकार की 72,000 करोड़ की 'ग्रेट निकोबार होलिस्टिक डेवलपमेंट प्रोजेक्ट' को लेकर स्थानीय 'निकोबारी जनजातीय परिषद' ने जो मोर्चा खोला है, वह केवल पर्यावरण बचाने की मुहिम नहीं, बल्कि अपनी पहचान, संस्कृति और कानूनी अधिकारों को बचाने की अंतिम लड़ाई है।

यह स्थान समृद्ध जैव विविधता और वन्यजीवों की एक असाधारण विविधता का घर है। सरकार के अनुसार, यह दुनिया में सबसे अच्छी तरह से संरक्षित उष्णकटिबंधीय वर्षा वनों में से एक है। यहां धरती की सबसे पुरने आदिवासी आबादी रहती है। क्या विकास का नया मॉडल इन सभी नैसर्गिक उपहारों का दुश्मन बन जाएगा? भूमि से दूर हिंद महासागर के बंगाल की खाड़ी के दक्षिण पूर्वी भाग में स्थित 572 द्वीपों का समूह अंडमान निकोबार इन दिनों ऐसे ही द्वंद से गुजर रहा है है। ये द्वीप इंडोनेशिया और थाईलैंड के निकट स्थित हैं। 2013 में इसे यूनेस्को के जैवमंडल कार्यक्रम (ह्यूमन एंड बायोस्पियर प्रोग्राम) में शामिल किया गया था। आज वहां कंक्रीट के साथ बाहरी लोगों को बसाने की योजना तैयार की जा रही है, वह भी पर्यावरणीय कानूनों की अनदेखी कर रहे हैं।

निकोबारी आदिवासियों के विरोध का सबसे बुनियादी और भावुक मुद्दा उनकी पैतृक भूमि है। 2004 की सुनामी ने निकोबार के भूगोल और समाज को पूरी तरह बदल दिया था। उस समय सुरक्षा कारणों से प्रशासन ने तटीय गांवों, विशेष रूप से चिनगेनह (Chingenh), पुलो बाहा (Pulo Baha), और कोकेओन (Kokeon) के निवासियों को अस्थायी शिविरों और पुनर्वास बस्तियों (जैसे कैंपबेल बे) में भेज दिया था।

ग्रेट निकोबार के जनजातीय परिषदाध्यक्षों का आरोप है कि उन्हें द्वीप के पश्चिमी तट पर अपनी पुश्तैनी ज़मीनें छोड़ देने के प्रमाण-पत्रों पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा गया, ताकि ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना के विकास को अनुमति दी जा सके। 22 जनवरी को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में द्वीप पर जनजातीय समितियों के प्रमुखों की तरफ से श्री बरनबास मंजु ने बताया कि जिला प्रशासन ने उन्हें सात जनवरी को एक बैठक के लिए बुलाया और फिर द्वीप के विकास के समर्थन के रूप में दिखाने के लिए उन्हें सरेंडर प्रमाण-पत्रों पर हस्ताक्षर करने को कहा गया, जिसका वे 2022 से विरोध कर रहे हैं।

उन्होंने बताया, "ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना में एक ट्रांसशिपमेंट कंटेनर पोर्ट, एक बड़ा टाउनशिप, एक ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट तथा गैस और सौर ऊर्जा संयंत्र का निर्माण शामिल है, जिसकी लागत 81,000 करोड़ (810 अरब) बताई गई है। यह भूमि 2004 के सुनामी तक 27 गांवों में निकोबारी लोगों द्वारा आबाद थी, जिसके बाद उन्हें फिर से बसाया गया और कैंपबेल बे के निकट ऊपरी पूर्वी तट पर राजीव नगर और न्यू चिंगेनह बस्तियों में स्थानांतरित किया गया। 'जब हमें पुनर्वासित किया गया था, तो हमें वादा किया गया था कि हम वापस आ सकेंगे।"

निकोबारी जनजातीय परिषद का तर्क है कि दो दशकों से वे अपनी इन पैतृक जमीनों पर वापस लौटने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उनके लिए ये जमीनें केवल मिट्टी का टुकड़ा नहीं, बल्कि उनके पूर्वजों की समाधियां, उनके पवित्र नारियल के बागान और उनकी सांस्कृतिक विरासत हैं। सरकार की नई योजना के तहत, इन्ही जमीनों पर अब 'कंटेनर टर्मिनल' और 'हवाई पट्टी' प्रस्तावित है। परिषद का आरोप है कि उन्हें अपनी ही जमीन से हमेशा के लिए बेदखल करने की साजिश रची जा रही है।

हाल ही में विरोध तब और उग्र हो गया जब यह बात सामने आई कि स्थानीय प्रशासन आदिवासियों से उनकी पैतृक भूमि के अधिकार छोड़ने के लिए 'सरेंडर सर्टिफिकेट' पर हस्ताक्षर करने का दबाव बना रहा है। जनजातीय परिषद ने स्पष्ट किया है कि सुनामी के बाद उन्हें केवल 'सुरक्षा' के लिए हटाया गया था, न कि उन्होंने अपनी जमीन का मालिकाना हक सरकार को सौंप दिया था। परिषद का कहना है कि प्रशासन यह भ्रम पैदा कर रहा है कि आदिवासी अपनी मर्जी से जमीन छोड़ रहे हैं, जबकि हकीकत में उन्हें डराया-धमकाया जा रहा है या विकास का झूठा लालच दिया जा रहा है।

निकोबारी परिषद के विरोध का सबसे मजबूत कानूनी आधार 'अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वनाधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006' है। कानून के अनुसार, किसी भी विकास कार्य के लिए ग्राम सभा की 'स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति' (Free, Prior and Informed Consent) अनिवार्य है। परिषद ने केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय को लिखे पत्रों में आरोप लगाया है कि प्रशासन ने फर्जी तरीके से यह रिपोर्ट दी कि आदिवासियों के अधिकारों का निपटारा कर दिया गया है।

ग्रेट निकोबार द्वीप समूह ऐसी जंग का मैदान बना हुआ है, जहां एक तरफ आधुनिक भारत की विशाल रणनीतिक आकांक्षाएं हैं, दूसरी तरफ एक प्राचीन सभ्यता के अस्तित्व की पुकार।

### सोशल फोरम

## ऋत्विक की 'मेघे ढाका तारा'

ऋत्विक घटक की कालजयी फिल्म 'मेघे ढाका तारा' को उनकी जन्मशताब्दी के अवसर पर देखना एक सिनेमाई अनुभव भर नहीं है, वह एक गहरा, लगभग आध्यात्मिक पुनर्मिलन था— जैसे बरसों से बिछुड़ी किसी आत्मीय आवाज़ की प्रतिध्वनि अचानक भीतर के सबसे शांत कोने तक पहुंच जाए। यह फिल्म एक कथा भर नहीं कहती, यह उस सभ्यता की सामूहिक चीख है, जो अपने विकास की अंधी दौड़ में सबसे करुण, सबसे समर्पित आत्माओं को ही बलि वेदी पर चढ़ा देती है। यह उन दबे हुए रुदनों का कोलाज है, जिन्हें समाज ने अपनी सुविधाजनक चुप्पियों की दीवारों में चुन दिया है। नीता की अनसुनी सिसकियां, उसका निरंतर टलता हुआ जीवन, उसका त्याग जो किसी पुण्य की तरह नहीं, एक धीमी आत्म-क्षरण की तरह घटित होता है।

डॉ. उर्वशी
लेखिका

'मेघे ढाका तारा' देश-विभाजन की त्रासदी पर बनी घटक की त्रयी का पहला अध्याय है, पर यहां विभाजन भूगोल से अधिक मनुष्य के भीतर घटता है। नक्शों की रेखाएं यहां दिलों की दरारों में बदल जाती हैं। पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर कोलकाता के उपनगर में बसे एक शरणार्थी परिवार की कहानी में नीता एक साधारण पात्र नहीं, पूरे परिवार की रीढ़ है। पढ़ी-लिखी, स्वप्नशील, पर परिस्थितियों से जकड़ी हुई।

वह पिता की बीमारी का खर्च उठाती है, भाइयों की पढ़ाई चलाती है, घर की आर्थिक धुरी बनी रहती है। मां की कटुता सहती है और अपने प्रेम को बार-बार टाल देती है— जैसे अपने जीवन के हिस्सों को मोमबत्ती की तरह पिघलाकर दूसरों को उजाला देती जा रही हो। पर यह उजाला उसे नहीं बचाता; उसका शरीर, जो आत्मा का मंदिर होना चाहिए था, त्याग की नमी से गलने लगता है।

क्षय रोग उसकी देह में उसी तरह घर करता है जैसे अवहेलना उसके जीवन में। और प्रेम? वह भी उसके लिए कोई शरण नहीं बनता। उसकी ही बहन गीता चुपचाप उसके प्रिय को अपने हिस्से कर लेती है। यहां प्रेम नियति नहीं, अवसर है और अवसर हमेशा संवेदनशीलों के हिस्से नहीं आते।

घटक इस कथा को रचते नहीं, वे उसे जीते हैं। प्रकाश और अंधकार का उनका शिल्प किसी शास्त्रीय संगीत की रचना-प्रक्रिया जैसा है। कहीं संगीत अचानक फट पड़ता है, कहीं एक गहरी चुप्पी पूरे दृश्य का बोझ उठा लेती है। नीता की धीमी सिसकी, मां की खीझती सांसें, शंकर का स्वर— सब मिलकर एक ऐसा समवेत विलाप रचते हैं जो निजी होकर भी सामूहिक है, जैसे युगों से दबा कोई स्त्री-राग पहली बार खुलकर सुनाई दे रहा हो।

### सामयिकी

## समय को बांध लेने वाले अजित का असमय जाना

पिछले एक दशक में भाजपा के तूफान में देश के कई राजनीतिक जहाज क्रैश होते दिखे। महाराष्ट्र की राजनीति का पर्याय शिवसेना भी टूट-फूट कर बिखर गई। कांग्रेस का भी बुरा हाल हुआ। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी बिखराव का शिकार हो गई। सूबे में दशकों से जमे-जमाए नेताओं का जनाधार बौना पड़ने लगा। ऐसे में अपने अपने क्रैश जहाज से जिंदा बचने का एक ही रास्ता था। बग़ावत कर भाजपा के साथ आ जाना। राष्ट्रवादी कांग्रेस के अजित पवार अपने चाचा और देश के सबसे वरिष्ठ सक्रिय नेता शरद पवार से बगावत कर भाजपा के कुनबे में शामिल हो गए। ऐसा ही कुछ शिवसेना के एकनाथ शिंदे ने किया। ये लोग विपक्ष के मरुस्थल से सत्ता की ताकत में बने रहे।

महाराष्ट्र सहित पूरे देश के सबसे वरिष्ठ और सक्रिय राजनीतिज्ञ शरद पवार की राजनीतिक दक्षता से भी चार कदम आगे थे उनके भतीजे अजित पवार। भाजपा की सुनामी ने जब महाराष्ट्र में शिवसेना तक को निगल लिया, ऐसे में सत्ता में खुद का राजनीतिक अस्तित्व टॉप टू में क़ायम रख पाना कोई मामूली बात नहीं थी। राजनीति में तोड़ना, जोड़ना, क्षमा, वफ़ा, दगा, छल-कपट सब जायज है। सियासत की यही खूबियां हैं। यहां कभी-कभी नकारात्मकता ही सकारात्मकता बन जाती है। अनैतिक फैसलों के बिना नेता न आगे बढ़ सकते हैं और न विरोधी से बच सकते हैं। सियासत के यही सिद्धांत हैं कि अपनी ताकत और नीतियों से सामने वाले को खत्म कर दो, दूसरा अधिक ताकतवर है और उसे पराजित करने में फिलहाल सक्षम नहीं हो, तो उससे हाथ मिला लो। उसके साथ आकर एक और एक ग्यारह बन जाओ।

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

दादा कहे जाने वाले अजित पवार जानते थे कि सियासत में जनता से कनेक्ट रहें, जन विश्वास बनाए रहे तो जनाधार बना रहेगा और जनाधार व जनसमर्थन हो तो विचारधारा, पार्टी और सिद्धांतों को भी बदल लें तो भी फर्क नहीं पड़ता। अजित पवार कम बोलते थे, लेकिन उनका काम ज्यादा बोलता था। उनके करीबी संबंध हर पार्टी के नेता से थे। जनता से जुड़े रहना और अपनी जमीन से रिश्ता कायम रखना दादा की खूबी थी।

जब महाराष्ट्र के बड़े-बड़े दिग्गजों की राजनीति खत्म हो गई, सबका राजनीतिक जहाज क्रैश हो गया, ऐसे में अजित पवार अपने चाचा शरद पवार की सियासत के क्रैश जहाज से जिंदा बच निकलकर उप मुख्यमंत्री पद पर काबिज थे। वाकई दिवंगत अजित दादा में अदभुत खूबियां थीं। जनता के बीच रहने वाले जमीनी जनाधार वाले नेता तो थे ही, सियासत के सबसे बड़े हुनर दांव-पेंच और उलटफेर में माहिर थे। उन्होंने साबित किया था कि पार्टी और पार्टी की विचारधारा से कहीं ज्यादा जनाधार की ताकत होती है।

जब कभी महाराष्ट्र की राजनीति का जिक्र होगा तो कांग्रेस तोड़ कर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी बनाने वाले शरद पवार और एनसीपी के दो फाड़ करने वाले उनके भतीजे अजित पवार ज़रूर याद किए जाएंगे। चाचा बड़े पवार से अजित ने सियासत के सारे दांव-पेंच सीखे। यही वजह रही कि चाचा से अलग होने के बावजूद वह अपना वजूद बनाए रखने में कामयाब रहे। यह बात दीगर है कि समय की नब्ज को पहचानने वाले अजित असमय दुनिया से विदा हो गए।

**हम भी दरिया हैं हमें अपना हुनर मालूम है**
**जिस तरफ़ भी चल पड़ेंगे रास्ता हो जाएगा**

इस पुराने शेर को सत्य साबित कर अजित दादा राजनीति के विद्यार्थियों को संदेश दे गए कि खुद में दम हो तो सत्ता आपके कदमों की आहट का इंतजार करती है।


स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

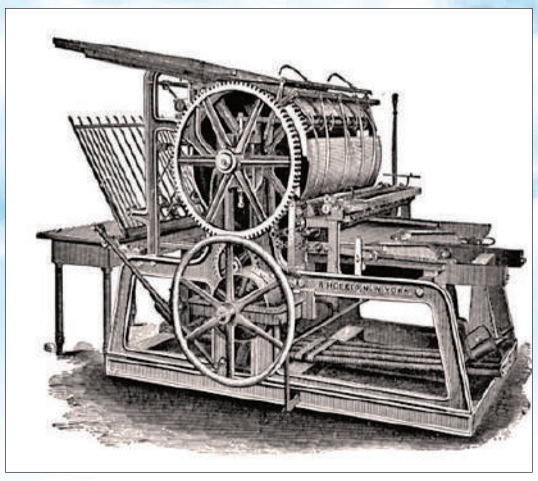

# प्रिंटिंग मशीन

जर्मनी के मेंज (माइंस) शहर में वर्ष 1398 में जन्मे योहानेस गटेनबर्ग ने मानव इतिहास की सबसे क्रांतिकारी खोजों में से एक प्रिंटिंग मशीन का आविष्कार किया। पंद्रहवीं सदी तक पुस्तकों की दुनिया पूरी तरह हाथ से लिखी गई पांडुलिपियों और लकड़ी के गुटकों से होने वाली छपाई पर निर्भर थी। यह प्रक्रिया न केवल अत्यंत धीमी थी, बल्कि महंगी और सीमित भी थी। गटेनबर्ग ने इसी जटिल और श्रमसाध्य व्यवस्था को बदलने की नींव रखी। वर्ष 1439 में गटेनबर्ग ने मूवेबल टाइप प्रिंटिंग मशीन का आविष्कार किया। यह तकनीक अपने समय से कहीं आगे थी, क्योंकि इसमें लकड़ी के अक्षरों के स्थान पर धातु (मेटल) से बने अलग-अलग अक्षरों का उपयोग किया गया था। इन अक्षरों को जरूरत के अनुसार बदला और दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता था। यही विशेषता इस मशीन को पहले की सभी छपाई तकनीकों से अलग और अधिक प्रभावशाली बनाती थी।

गटेनबर्ग की प्रिंटिंग प्रेस की सबसे ऐतिहासिक उपलब्धि 1456 में सामने आई, जब जर्मनी के माइंस शहर में उनकी प्रेस से बाइबिल की पहली मुद्रित प्रति प्रकाशित हुई। इसे आज भी मुद्रण इतिहास की अमूल्य धरोहर माना जाता है। इस मशीन की एक बड़ी खासियत यह थी कि इससे किसी भी प्रकार के कागज पर साफ, स्पष्ट और तेज छपाई संभव हो सकी। जहां पहले की तकनीकों से दिनभर में केवल 40 से 50 पृष्ठ ही छप पाते थे, वहीं गटेनबर्ग की प्रिंटिंग मशीन से प्रतिदिन 1,000 से अधिक पृष्ठों की छपाई संभव हो गई। इस आविष्कार ने न केवल पुस्तकों को सस्ता और सुलभ बनाया, बल्कि ज्ञान, शिक्षा और विचारों के प्रसार को अभूतपूर्व गति दी। यह आविष्कार केवल तकनीकी परिवर्तन नहीं था, बल्कि सामाजिक और बौद्धिक क्रांति की शुरुआत भी था। मुद्रण के कारण ज्ञान सस्ता हुआ, शिक्षा का प्रसार हुआ और विचारों का आदान-प्रदान तेज हुआ।

## वैज्ञानिक के बारे में

योहानेस गटेनबर्ग को यूरोप के इतिहास में उस व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं, जिन्होंने ज्ञान की दुनिया को आम लोगों तक पहुंचाने का रास्ता खोला। वे जर्मनी के मेंज (Mainz) शहर में जन्मे थे और पेशे से सुनार, आविष्कारक और मुद्रक थे। गटेनबर्ग का सबसे बड़ा योगदान था चल अक्षरों (Movable Type) वाली मुद्रण मशीन का विकास, जिसने पुस्तकों के निर्माण की प्रक्रिया को पूरी तरह बदल दिया। उनका आविष्कार मानव सभ्यता के उन दुर्लभ मोड़ों में से एक है, जिसने सोचने, सीखने और दुनिया को समझने के तरीके को हमेशा के लिए बदल दिया।

कल्पना कीजिए आप एक विशाल सभागार में बैठे हैं। रोशनी धीमी पड़ती है और अचानक ऐसा लगता है मानो छत गायब हो गई हो। आपके ऊपर अनंत ब्रह्मांड फैल जाता है- तारे, आकाशगंगाएं, घूमते ग्रह। आप सिर्फ देख नहीं रहे, बल्कि उस दृश्य के भीतर मौजूद हैं। चेहरे पर ठंडी हवा का अहसास होता है, कुर्सी के नीचे हल्का कंपन महसूस होता है और कानों में आती आवाज इतनी साफ कि लगता है कोई आपके बिल्कुल पास खड़ा होकर बोल रहा हो। यह न तो किसी विज्ञान-कथा फिल्म का दृश्य है और न ही भविष्य की कोरी कल्पना- यह यथार्थ है। अमेरिका के लास वेगास में बना स्फीयर (Sphere) मनोरंजन की दुनिया में इसी यथार्थ को संभव बनाता है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

# स्फीयर: रोमांचकारी अनुभव और मनोरंजन का मंच

## थिएटर नहीं, एक जीवंत अनुभव

स्फीयर कोई साधारण थिएटर या स्टेडियम नहीं है। यह ऐसा मंच है, जहां दर्शक कार्यक्रम को सिर्फ देखते नहीं, बल्कि उसके भीतर प्रवेश कर जाते हैं। वे उसे जीते हैं। मनोरंजन के इतिहास में इसे तकनीक और अनुभव के मेल की एक असाधारण छलांग कहा जा सकता है। जिस तरह कभी मूक फिल्मों से 'टॉकीज' और श्वेत-श्याम से रंगीन सिनेमा तक का सफर एक ऐतिहासिक मोड़ था, उसी तरह स्फीयर उस दौर का संकेत है, जहां मनोरंजन सिर्फ देखा नहीं जाता- महसूस किया जाता है, जिया जाता है।

## एक महत्वाकांक्षी परियोजना और विशाल संरचना

करीब 2.3 अरब डॉलर की लागत से निर्मित यह संरचना दुनिया की सबसे बड़ी गोलाकार मनोरंजन इमारतों में गिनी जाती है। 2018 में मेडिसन स्क्वायर गार्डन समूह के प्रमुख जेम्स डॉलन की परिकल्पना के रूप में शुरू हुआ यह प्रोजेक्ट महामारी और वैश्विक सप्लाई-चेन संकट जैसी बाधाओं के बावजूद 2023 में पूरा हुआ। 366 फीट ऊंचाई और 516 फीट व्यास वाली यह इमारत केवल वास्तुकला की उपलब्धि नहीं, बल्कि 'अनुभव-आधारित तकनीक' का प्रतीक भी है।

## तकनीक जो लगती है जादू जैसी

स्फीयर का सबसे बड़ा आकर्षण इसका 16K रैपअराउंड एलईडी स्क्रीन है, जो दर्शकों को चारों ओर से घेर लेता है। लगभग 1,60,000 वर्ग फुट में फैला यह दृश्य-परिदृश्य यह सुनिश्चित करता है कि दर्शक जहां भी बैठा हो, अनुभव का केंद्र वही हो। इमारत की बाहरी सतह करीब 5,80,000 वर्ग फुट खुद एक विशाल डिजिटल कैनवस है, जो रात के समय पूरे लास वेगास के आकाश को एक चलती-फिरती दृश्य-कला में बदल देती है। दृश्य जितने भव्य हैं, ध्वनि तकनीक उससे भी आगे जाती है। जर्मन कंपनी HOLOPLOT द्वारा डिजाइन की गई प्रणाली में 1,64,000 से अधिक साउंड ड्राइवर्स लगे हैं, जो उन्नत तकनीक के जरिए हर सीट तक सटीक ध्वनि पहुंचाते हैं। इसका परिणाम यह है कि एक ही कार्यक्रम में बैठे दो दर्शकों को भी आवाज का अनुभव थोड़ा अलग लग सकता है। इसके साथ सीटों में कंपन, तापमान और अन्य सेंसरी प्रभाव दर्शक को सिर्फ देखने-सुनने तक सीमित नहीं रखते, बल्कि उसे अनुभव का सक्रिय हिस्सा बना देते हैं।

## विज्ञापन और शहर का नया चेहरा

स्फीयर की बाहरी सतह, जिसे 'एक्सोस्फीयर' कहा जाता है। तकनीकी रूप से और भी अधिक क्रांतिकारी है। लगभग 5,80,000 वर्ग फुट की यह पूर्ण-रंग एलईडी स्क्रीन दिन-रात सक्रिय रहती है। कभी यह पृथ्वी का रूप ले लेती है, कभी मंगल ग्रह का, तो कभी किसी उत्सव या कल्पनालोक का दृश्य बन जाती है। मार्केटिंग के लिहाज से यह दुनिया के सबसे दृश्यमान और प्रभावशाली विज्ञापन माध्यमों में शामिल हो चुकी है। लास वेगास आने वाला लगभग हर व्यक्ति इसे देखता है-चाहे वह पर्यटक हो, चालक हो या केवल आकाश की ओर देखने वाला राहगीर।

## उद्घाटन से वैश्विक पहचान तक

सितंबर 2023 में आयरिश बैंड यू-2 के उद्घाटन कार्यक्रम ने दुनिया को पहली बार इस मंच की पूरी क्षमता से परिचित कराया। इसके बाद फिल्म निर्देशक डैरेन एरोनोफस्की की फिल्मपोस्टकार्ड फ्रॉम अर्थ ने यह स्पष्ट कर दिया कि स्फीयर सिर्फ संगीत या शो का मंच नहीं, बल्कि कहानी कहने और सिनेमा की भाषा को नए सिरे से गढ़ने का एक बिल्कुल नया माध्यम है। कुछ ही महीनों में बड़े आयोजनों और वैश्विक ब्रांड अभियानों ने इसे तकनीकी कौतूहल से आगे बढ़ाकर आर्थिक रूप से व्यवहार्य मंच बना दिया।

## भव्यता के साथ आती चुनौतियां

इतनी विशाल और अत्याधुनिक संरचना अपने साथ चुनौतियां भी लाती है। अत्यधिक लागत और लगातार उच्च-स्तरीय कंटेंट की जरूरत इसे एक साहसिक और जोखिम भरा प्रयोग बनाती है। इतनी विशाल डिजिटल संरचना के संचालन के लिए भारी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता होती है। पर्यावरणीय स्थिरता और शहरी नियोजन के संदर्भ में इस तरह की परियोजनाएं गंभीर समीक्षा की मांग करती हैं। हालांकि सौर ऊर्जा और सीमित प्रकाश मोड जैसे उपायों के जरिए इन समस्याओं को कम करने की कोशिश की जा रही है।

## भविष्य की दिशा

स्फीयर यह संकेत देता है कि भविष्य का मनोरंजन निष्क्रिय नहीं होगा। आने वाले समय में प्रतिस्पर्धा केवल स्टेडियमों, सिनेमाघरों या शो की नहीं होगी, बल्कि उन अनुभवों की होगी, जो मानव मन और शरीर दोनों को गहराई से छू सकें। तकनीक तैयार है, मंच सजा हुआ है। अब चुनौती रचनात्मकता की है कि इस विशाल कैनवास पर हम कौन-सी कहानियां रचते हैं। क्योंकि जब तकनीक संस्कृति से मिलती है, तब इतिहास लिखा नहीं जाता, जिया जाता है।

## भारतीय परिप्रेक्ष्य: अवसर और प्रश्न

भारत के संदर्भ में यह अनुभव कई अहम सवाल खड़े करता है। हमारे पास तकनीकी दक्षता, युवा प्रतिभा और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत-तीनों मौजूद हैं। सवाल यह नहीं कि भारत स्फीयर जैसी संरचना बना सकता है या नहीं, असली प्रश्न यह है कि क्या हम इसे केवल पश्चिमी मॉडल की नकल के रूप में अपनाएंगे या अपनी कला, मिथक, इतिहास, विज्ञान और भविष्य-दृष्टि को वैश्विक मंच पर नए रूप में प्रस्तुत करेंगे। यदि ऐसे केंद्रों को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और शैक्षिक नवाचार के रूप में देखा जाए, तो वे पर्यटन, रोजगार और रचनात्मक उद्योगों में नई ऊर्जा भर सकते हैं।

जंगल की दुनिया

# मंदारिन बत्तख: पंखों पर उतरती बसंत ऋतु

बसंत और ग्रीष्म ऋतु के आगमन के साथ ही प्रकृति मानो अपने सबसे चमकदार रंगों में सज उठती है और इसी रंगीन उत्सव का जीवंत प्रतीक है मंदारिन बत्तख। प्रजनन काल में नर मंदारिन बत्तख के पंख असाधारण रूप से आकर्षक हो जाते हैं। लाल, नारंगी, नीले, हरे और सफेद रंगों का अनूठा संयोजन इसे दूर से ही पहचानने योग्य बना देता है।

मंदारिन बत्तख सजीली कलगी, पंखों की विशिष्ट बनावट और चमकदार चोंच इसे दुनिया की सबसे सुंदर बत्तखों में स्थान दिलाती है। इसके विपरीत मादा मंदारिन अपेक्षाकृत साधारण होती है। उसके भूरे रंग के पंख और सादी चोंच उसे प्राकृतिक वातावरण में छिपने में मदद करते हैं, जो प्रजनन और सुरक्षा की दृष्टि से उपयोगी है। प्रजनन काल समाप्त होते ही नर मंदारिन के रंग भी फीके पड़ जाते हैं। उसके पंख भूरे और धूसर रंग के हो जाते हैं, जिससे वह मादा के समान दिखाई देने लगता है। यह परिवर्तन प्रकृति की उस व्यवस्था को दर्शाता है, जहां सौंदर्य केवल आकर्षण का माध्यम नहीं, बल्कि अस्तित्व और संतुलन का हिस्सा भी है। मंदारिन बत्तख का वैज्ञानिक नाम ऐक्स गैलेरिकुलता (Aix galericulata) है। इसकी पहचान सबसे पहले वर्ष 1758 में स्वीडिश वनस्पतिशास्त्री, चिकित्सक और प्राणी विज्ञानी कार्ल लिनिअस ने की थी।

अपने अद्वितीय रंगों और सीमित प्राकृतिक खतरों के कारण इसे अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) की रेड लिस्ट में 'संकट मुक्त' श्रेणी में रखा गया है। सामान्यत: मंदारिन बत्तखें रूस, कोरिया, जापान और चीन के उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में प्रजनन करती हैं। समय के साथ इनका विस्तार पश्चिमी यूरोप और अमेरिका तक भी देखा गया है। भारत में इसका पहला रिकॉर्ड वर्ष 1902 में असम के तिनसुकिया जिले के रोंगगोरा क्षेत्र में, डिब्रू नदी के तट पर दर्ज किया गया था। चीन और जापान की मूल निवासी मंदारिन बत्तख न केवल जैव विविधता का अद्भुत उदाहरण है, बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। नर मंदारिन के मनोहारी रंगों ने सदियों से कलाकारों को प्रेरित किया है।

वैज्ञानिक फैक्ट

# मानव मस्तिष्क जला सकता है 20 वॉट का बल्ब

मानव मस्तिष्क अपनी जटिलता और शक्ति के कारण प्रकृति का सबसे अद्भुत अंग माना जाता है। यह लगातार विद्युत और रासायनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से काम करता है। हमारे मस्तिष्क में लगभग 86 अरब न्यूरॉन्स हैं, जो निरंतर संदेशों का आदान-प्रदान करते रहते हैं। इस संचार प्रक्रिया में हर न्यूरॉन विद्युत आवेग (Electrical Impulse) उत्पन्न करता है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि मस्तिष्क द्वारा उत्पन्न कुल ऊर्जा लगभग 20 वॉट होती है, जो एक छोटे लैंप को जलाने के लिए पर्याप्त है। यह ऊर्जा केवल बिजली का उत्पादन नहीं करती, बल्कि हमारी सोचना, सीखना, याददाश्त और भावनाओं की गतिविधियों का आधार भी है।

न्यूरॉन्स में सूचनाओं का तेज आदान-प्रदान शरीर के हर अंग को नियंत्रित करता है। मस्तिष्क के इस नेटवर्क की जटिलता इतनी है कि एक ही समय में हम कई कार्य कर सकते हैं-सोच सकते हैं, निर्णय ले सकते हैं, समस्याओं का समाधान कर सकते हैं और शरीर की क्रियाओं को संतुलित रख सकते हैं। हालांकि यह विद्युत ऊर्जा हमारे प्रत्यक्ष उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं है, फिर भी यह हमारे मस्तिष्क की अद्भुत कार्यप्रणाली और जैविक डिजाइन की शक्ति को प्रमाणित करती है। हर पल जब हम सोचते, याद करते या महसूस करते हैं, तब हमारे भीतर लगभग 20 वॉट की निरंतर ऊर्जा काम कर रही होती है। इस ऊर्जा का अध्ययन न केवल मानव मस्तिष्क की कार्यक्षमता को समझने में मदद करता है, बल्कि यह हमें जीवन की जटिल प्रक्रियाओं और हमारे शरीर के अद्भुत संतुलन का एहसास भी कराता है। मस्तिष्क का यह विद्युत नेटवर्क यह दर्शाता है कि सोचने और महसूस करने की क्षमता केवल जैविक मशीनरी का परिणाम नहीं, बल्कि प्रकृति की सटीक योजना और अद्भुत रचना का प्रतीक है।

# आर्द्रभूमि: विज्ञान, जीवन और संस्कृति का संगम

भारतीय संस्कृति में प्रकृति को केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदायिनी और पूजनीय सत्ता के रूप में देखा गया है। जल, भूमि, वन और जीव-जंतु—सभी को धर्म, दर्शन और जीवन पद्धति से जोड़ा गया। इसी सांस्कृतिक दृष्टि का एक अत्यंत महत्वपूर्ण, लेकिन आज उपेक्षित पक्ष हैं आर्द्रभूमियां- तालाब, झीलें, सरोवर, नदी किनारे के दलदली क्षेत्र, बाढ़ के मैदान और तटवर्ती जलक्षेत्र। भारतीय सभ्यता के विकास, धार्मिक परंपराओं, सामाजिक जीवन और आजीविका में आर्द्रभूमियों की भूमिका केंद्रीय रही है। प्राचीन भारत में आर्द्रभूमियों को केवल जलस्रोत नहीं माना गया, बल्कि उन्हें सांस्कृतिक और आध्यात्मिक केंद्र का दर्जा प्राप्त था। वेदों में जल को जीवन का मूल तत्व कहा गया है- 'आप: प्राणा:'। ऋग्वेद, अथर्ववेद और उपनिषदों में जलाशयों, नदियों और सरोवरों की महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। यह दृष्टि स्पष्ट करती है कि भारतीय संस्कृति में आर्द्रभूमियां जीवन के संरक्षण और संतुलन का प्रतीक रही हैं।

डॉ. जितेंद्र शुक्ला
वन्य जीव विशेषज्ञ

भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं में आर्द्रभूमियों का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। देश के लगभग हर प्रमुख तीर्थ का संबंध किसी न किसी नदी, सरोवर या जलाशय से जुड़ा हुआ है। काशी में गंगा, प्रयाग में संगम, पुष्कर का सरोवर और अमृतसर का अमृत सरोवर इस तथ्य के जीवंत उदाहरण हैं। ये आर्द्रभूमियां केवल जल स्रोत नहीं थीं, बल्कि पूजा, तप, संस्कार और आत्मशुद्धि का माध्यम भी थीं। मंदिरों के साथ निर्मित पुष्करणी, कुंड और बावड़ियां स्थापत्य की उत्कृष्ट कृतियां होने के साथ-साथ सामाजिक और धार्मिक जीवन का अभिन्न अंग थीं।

भारतीय ग्रामीण जीवन की धुरी भी आर्द्रभूमियां ही रही हैं। गांव का तालाब सिर्फ पानी भरने की जगह नहीं था, बल्कि सामूहिक चेतना का केंद्र था। वहीं से सिंचाई होती थी, पशुओं को पानी मिलता था, मछली पालन होता था और अनेक लोक परंपराएं जन्म लेती थीं। छठ पूजा, कार्तिक स्नान, गंगा दशहरा और मकर संक्रांति जैसे पर्व सीधे तौर पर जल और आर्द्रभूमियों से जुड़े हुए हैं। ये उत्सव दर्शाते हैं कि भारतीय संस्कृति में जल केवल भौतिक आवश्यकता नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान था।

भारतीय दर्शन के पंचमहाभूत सिद्धांत में जल और पृथ्वी के संतुलन को जीवन का आधार माना गया है। आर्द्रभूमियां इसी संतुलन की जीवंत अभिव्यक्ति हैं, जहां जल और भूमि का समन्वय होता है। इसी कारण तालाब या सरोवर को पाटना पाप और जलाशय निर्माण को पुण्य कार्य माना गया। इतिहास भी इस सोच की पुष्टि करता है। मौर्य, गुप्त, चोल और विजयनगर काल में तालाबों और जलाशयों का व्यापक निर्माण हुआ। दक्षिण भारत का एरी सिस्टम, राजस्थान की जोहड़ और उत्तर भारत की बावड़ियां भारतीय समाज की वैज्ञानिक और सामुदायिक जल-संरक्षण परंपरा का प्रमाण हैं।

लोक साहित्य और परंपराओं में भी आर्द्रभूमियों की गहरी छाप दिखाई देती है। लोकगीतों और कथाओं में तालाब, कमल, मछली और पक्षियों का बार-बार उल्लेख मिलता है। दलदली जल में खिलने वाला कमल भारतीय संस्कृति में पवित्रता और सौंदर्य का प्रतीक बना। लक्ष्मी और सरस्वती जैसी देवियों का कमल पर विराजमान होना आर्द्रभूमियों के सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करता है।

आधुनिक विज्ञान जिन गुणों को आज आर्द्रभूमियों की विशेषता मानता है। जल संरक्षण, जैव विविधता, बाढ़ नियंत्रण और भूजल पुनर्भरण, उनका अनुभव भारतीय समाज ने सदियों पहले अपने जीवन में उतार लिया था। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार आर्द्रभूमियां पृथ्वी की कुल भूमि का लगभग छह प्रतिशत क्षेत्र घेरती हैं, लेकिन इसके बावजूद विश्व की लगभग चालीस प्रतिशत जैव विविधता को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहारा देती हैं। ये प्राकृतिक स्पंज की तरह कार्य करती हैं, जो अत्यधिक वर्षा के समय बाढ़ को नियंत्रित करती हैं और सूखे में नमी बनाए रखती हैं।

भूजल पुनर्भरण में भी इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब आर्द्रभूमियां नष्ट होती हैं, तो इसका सीधा असर भूजल स्तर पर पड़ता है। इसके अलावा ये प्राकृतिक जल शोधन संयंत्र की तरह काम करती हैं। पौधे और सूक्ष्म जीव प्रदूषकों को अवशोषित कर जल को स्वच्छ बनाते हैं। जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में भी आर्द्रभूमियां कार्बन सिंक के रूप में महत्वपूर्ण हैं, विशेषकर मैंग्रोव और पीटलैंड क्षेत्र। दुर्भाग्यवश आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में आर्द्रभूमियां अतिक्रमण, प्रदूषण और उपेक्षा का शिकार हो रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार पिछली एक सदी में विश्व की लगभग पैंतीस प्रतिशत आर्द्रभूमियां नष्ट हो चुकी हैं। जब तालाब सूखते हैं, तो केवल जल नहीं, बल्कि उससे जुड़ी संस्कृति, परंपरा और सामूहिक स्मृति भी समाप्त हो जाती है।

अंततः यह समझना होगा कि आर्द्रभूमियां प्रकृति का कोई अलग-थलग हिस्सा नहीं हैं, बल्कि वही कड़ी हैं, जो जल, भूमि, वायु और जीवन को एक सूत्र में बांधती हैं। यदि आर्द्रभूमियां सुरक्षित हैं, तो नदियां जीवित रहेंगी, भूजल स्थिर रहेगा, जैव विविधता फलती-फूलती रहेगी और जलवायु संतुलन बना रहेगा, लेकिन यदि इन्हें नजरअंदाज किया गया, तो विकास के सारे दावे खोखले साबित होंगे। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि आर्द्रभूमियों पर ही प्रकृति का संतुलन टिका है और उनका संरक्षण हमारे भविष्य की अनिवार्य शर्त है।

| बाजार | सेंसेक्स | निफ्टी |
| --- | --- | --- |
| बंद हुआ | 82,566.37 | 25,418.90 |
| बढ़त | 221.69 | 76.15 |
| प्रतिशत में | 0.27 | 0.30 |

सोना 1,83,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 4,04,500 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

www.amritvichar.com



# वैश्वीकरण का अंत करीब, स्वदेशी को टाल नहीं सकते

## बजट सत्रः आर्थिक समीक्षा में समय की बर्बादी से बचने पर जोर, कहा- देश के लिए मैराथन को भी तेजी से दौड़ने जैसी स्थितियां

नई दिल्ली, एजेंसी

बढ़ते निर्यात नियंत्रण, विकसित देशों की ओर से प्रौद्योगिकी देने से इन्कार और कार्बन कर व्यवस्था वास्तव में वैश्वीकरण के अंत का संकेत दे रहे हैं। ऐसे में भारत में स्वदेशी नीतियों पर ध्यान देना अपरिहार्य और आवश्यक हो गया है। संसद में बृहस्पतिवार को पेश की गई आर्थिक समीक्षा में इस पर जोर दिया गया है।

वित्त वर्ष 2025-26 की आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि भारत को आयात प्रतिस्थापन, रणनीतिक मजबूती और रणनीतिक अनिवार्यता की अपनी निकट, मध्यम और दीर्घकालिक नीतिगत प्राथमिकताओं को एक साथ आगे बढ़ाना होगा। समय बर्बाद करने का कोई मौका नहीं है। यह एक ही समय में मैराथन और तेजी से दौड़ने जैसा है या मैराथन को तेजी से दौड़ना दौड़ना है। कहा गया कि वर्तमान में कोई भी देश ऐसे वातावरण में काम कर रहा है जहां कच्चा माल, प्रौद्योगिकी और बाजारों तक पहुंच को निर्बाध या स्थायी नहीं माना जा सकता है। निर्यात नियंत्रण, प्रौद्योगिकी प्रतिबंध, कार्बन सीमा तंत्र और पश्चिम एवं पूर्व दोनों देशों की औद्योगिक नीतियां सीधे तौर पर वैश्वीकरण के खात्मे का संकेत है।

समीक्षा में कहा गया है, ऐसी परिस्थितियों में स्वदेशी एक रक्षात्मक और आक्रामक नीतिगत साधन बन जाता है। यह बाहरी झटकों के बावजूद उत्पादन की निरंतरता सुनिश्चित करने का एक माध्यम है और आर्थिक संप्रभुता को सुदृढ़ करने वाली स्थायी राष्ट्रीय क्षमताओं के निर्माण का रास्ता साफ करता है। सवाल अब यह नहीं है कि राज्य को स्वदेशी को प्रोत्साहित करना चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि दक्षता, नवाचार या वैश्विक एकीकरण को कमजोर किए बिना ऐसा कैसे किया जाए।

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी की।

### सोशल मीडिया के इस्तेमाल के लिए तय हो उम्र सीमा

**नई दिल्ली।** बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के वैश्विक संकेतों का हवाला देते हुए सरकार की आर्थिक समीक्षा में बृहस्पतिवार को कहा गया कि ऑनलाइन मंच का इस्तेमाल करने के लिए उम्र आधारित सीमा पर विचार किया जाना चाहिए। साथ ही, डिजिटल लत से बचने के लिए ऑनलाइन शिक्षण में भी कटौती की जानी चाहिए।

समीक्षा में कहा गया कि बच्चों को हानिकारक सामग्री से बचाने के लिए शैक्षिक सामग्री तक पहुंच को सरल उपकरणों जैसे साधारण फोन या टैबलेट को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इसके साथ उम्र आधारित पहुंच सीमा को लेकर नीतियों पर विचार किया जा सकता है, क्योंकि कम उम्र के उपयोगकर्ता अनिवार्य उपयोग और हानिकारक सामग्री के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। मंच को उम्र के सत्यापन और उम्र के अनुरूप डिफॉल्ट सेटिंग लागू करने के लिए जिम्मेदार बनाया जाना चाहिए। यह विशेष रूप से सोशल मीडिया, जुए वाले एप, 'ऑटो-प्ले' फीचर्स और लक्षित विज्ञापनों के लिए अनिवार्य होना चाहिए।

### व्यय संतुलन : केंद्र की तारीफ, राज्यों की लोकलुभावन योजनाओं पर चिंता

**नई दिल्ली।** आर्थिक समीक्षा में चिंता जताई गई है कि राज्यों की ओर से लोकलुभावन घोषणाओं, नकद अंतरण के कारण पूंजीगत व्यय प्रभावित होने से उनका राजस्व घाटा बढ़ रहा है। कहा गया कि राज्य स्तर पर किसी भी प्रकार की राजकोषीय अनुशासनहीनता का सीधा असर देश की उधारी लागत पर पड़ता है। कहा गया, जहां केंद्र ने रिकॉर्ड सार्वजनिक निवेश के साथ अपने खर्च को संतुलित रखा है, वहीं कई राज्यों में बढ़ते राजस्व घाटे और बिना शर्त नकद अंतरण वृद्धि को बढ़ावा देने वाले खर्च को प्रभावित कर रहे हैं, जो नए जोखिम पैदा कर रहे हैं। कई राज्यों में बिना शर्त नकद अंतरण योजनाएं तेजी से बढ़ रही हैं और अब राज्य-स्तरीय कल्याणकारी खर्च का एक बड़ा हिस्सा बन गई हैं। विशेष रूप से महिलाओं के लिए चल रही इन योजनाओं पर वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 1.7 लाख करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

### जंक फूड के विज्ञापन सुबह से देर रात तक रोकने की सिफारिश

**नई दिल्ली।** अधिक वसा एवं चीनी वाले अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों (यूपीएफ) की बढ़ती खपत पर गंभीर चिंता जताते हुए सुबह से देर रात तक इन उत्पादों के विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया है। कहा गया है कि शिशु और छोटे बच्चों के इस्तेमाल वाले दूध एवं पेय पदार्थों के विपणन पर भी सख्त पाबंदियों की जरूरत है। उच्च वसा, चीनी और नमक वाले खाद्य पदार्थों के लिए चेतावनी के साथ पैकेट के सामने वाले हिस्से पर पोषण संबंधी सूचना देने और बच्चों को लक्षित विपणन पर लगाम लगाने का सुझाव दिया गया है। यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि व्यापार समझौते किसी भी तरह से सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों को कमजोर न करें। समीक्षा के मुताबिक, नुकसानदेह खाद्य उत्पाद (जंक फूड) के रूप में चिह्नित बर्गर, नूडल्स, पिज्जा एवं शीतल पेय का बढ़ता सेवन दुनियाभर में दीर्घकालिक बीमारियों को बढ़ावा दे रहा है। 2009 से 2023 के बीच भारत में यूपीएफ की खुदरा बिक्री 2006 के 90 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2019 में लगभग 38 अरब डॉलर हो गई जो करीब 40 गुना अधिक है। इस दौरान पुरुषों और महिलाओं दोनों में मोटापा लगभग दोगुना हो गया।

### यूरिया की कीमतों को बढ़ाने और किसानों को डीबीटी का सुझाव

**नई दिल्ली।** आर्थिक समीक्षा में यूरिया की खुदरा कीमत में मामूली बढ़ोतरी करने की बात कही गई है जो मार्च 2018 से 242 रुपये प्रति 45 किलो बैग है। इसके समान राशि किसानों को प्रति एकड़ आधार पर हस्तांतरित की जाएगी। कहा गया है कि लागत सब्सिडी से आय सहायता की ओर प्रस्तावित बदलाव का लक्ष्य उर्वरक के उपयोग में तीन दशक पुराने असंतुलन को ठीक करना है, जो मिट्टी की गुणवत्ता को खराब कर रहा है और फसल की पैदावार को कम कर रहा है। आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि भारतीय किसानों द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला नाइट्रोजन-फॉस्फोरस-पोटेशियम (एनपीके) अनुपात वर्ष 2009-10 में 4:3.2:1 से घटकर वर्ष 2023-24 में 10.9:4.1:1 हो गया है, जिसका मुख्य कारण सब्सिडी वाले यूरिया के माध्यम से अत्यधिक नाइट्रोजन का उपयोग है। कृषि संबंधी मानक अधिकांश फसलों और मिट्टी के प्रकारों के लिए 4:2:1 के करीब अनुपात का सुझाव देते हैं।

### आशावादी आर्थिक समीक्षा से बाजार ने तेजी पकड़ी, सेंसेक्स 222 अंक मजबूत

**मुंबई।** टाटा स्टील एवं लार्सन एंड टुब्रो में जबर्दस्त खरीदारी और आर्थिक समीक्षा 2025-26 में अगले वित्त वर्ष के लिए 6.8 से 7.2 प्रतिशत का वृद्धि अनुमान जताए जाने से बृहस्पतिवार को स्थानीय शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स में 222 अंक की बढ़त रही जबकि निफ्टी 76 अंक बढ़ा।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स दोपहर के सत्र में बढ़ी लिवाली के दम पर 221.69 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,566.37 अंक पर बंद हुआ। हालांकि, सुबह के कारोबार में यह 636.74 अंक टूटकर 81,707.94 अंक तक गिर गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 76.15 अंक यानी 0.30 प्रतिशत चढ़कर 25,418.90 अंक पर बंद हुआ। सुबह के कारोबार में निफ्टी 25,159.80 अंक तक फिसल गया था। विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में तेजी और विदेशी कोषों के निवेश में बढ़ोतरी ने प्रमुख सूचकांकों को निचले स्तर से उबारने में मदद की।

## न्यूज ब्रीफ

### एयर इंडिया ने बोइंग को 30 विमानों की खरीद का ऑर्डर दिया

**हैदराबाद।** एयर इंडिया ने 30 अतिरिक्त बोइंग विमानों की खरीद का ऑर्डर दिया है, जिसमें बीस 737-8 और दस 737-10 जेट शामिल हैं। एयर इंडिया ने बताया कि ये 30 विमान वर्ष 2023 में बोइंग को दिए गए 220 विमानों के ऑर्डर के अतिरिक्त हैं। इसके साथ ही बोइंग से एयर इंडिया द्वारा ऑर्डर किए गए विमानों की कुल संख्या 250 हो गई है। यह घोषणा विंग्स इंडिया 2026 कार्यक्रम के दौरान की गई, जहां केंद्रीय विमानन उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू भी मौजूद थे। नए ऑर्डर के बाद एयर इंडिया को बोइंग से कुल 198 नए विमान मिलने हैं।

### आरबीआई ने 50,000 करोड़ की प्रतिभूति

**मुंबई।** रिजर्व बैंक ने बैंकिंग तंत्र में नकदी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जारी उपायों के तहत गुरुवार को खुले बाजार से 50 हजार करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति की खरीद की। यह पिछले दिनों की दो समान किस्तों में एक लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति की खरीद का पहला किस्त है। दूसरे किस्त की खरीद 05 फरवरी को की जाएगी। केंद्रीय बैंक ने बताया कि उसने तीन साल से 27 साल की अवधि वाली प्रतिभूतियों की खरीद की जिन पर ब्याज की दर 6.22 प्रतिशत से 7.95 प्रतिशत तक है। दिसंबर से अबतक रिजर्व बैंक खुले बाजार से 3.50 लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति खरीद चुका है।

### एयरटेल 36 करोड़ ग्राहकों को देगा एडोब एक्सप्रेस की मुफ्त सेवा

**नई दिल्ली।** दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने 36 करोड़ ग्राहकों को एडोब एक्सप्रेस प्रीमियम की मुफ्त पहुंच देने की जानकारी दी है। इससे ग्राहक उच्च गुणवत्ता की सोशल मीडिया सामग्री, विपणन सामग्री, लघु वीडियो और अन्य सामग्री डिजाइन कर सकेंगे। यह कदम तब उठाया गया है जब एआई संचालित डिजाइन उपकरण लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं। इससे भारतीय दूरसंचार संचालक अपने डिजिटल परिवेश में यूजर जुड़ाव को उच्च स्तर पर बनाए रखने के लिए वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ साझेदारी करने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

## देश में इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले 95 करोड़ के पार

बेंगलुरु, एजेंसी

- ग्रामीण उपयोगकर्ताओं की संख्या 57 प्रतिशत, पिछले साल की तुलना में आठ प्रतिशत वृद्धि

ग्रामीण संपर्क में तेजी, शॉर्ट वीडियो के बढ़ते चलन और एआई के बढ़ते इस्तेमाल के कारण वर्ष 2025 में भारत में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले लोगों की संख्या 95 करोड़ के पार पहुंच गई है। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में यह आंकड़ा दिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में से 57 प्रतिशत यानी लगभग 54.8 करोड़ ग्रामीण भारत से हैं। इन रुझानों पर आधारित 'इंटरनेट इन इंडिया रिपोर्ट 2025' को कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी/बीटी और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव मंजुला एन की उपस्थिति में 'इंडिया डिजिटल समिट' में जारी किया गया। रिपोर्ट को 'इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया' और कांतार ने संयुक्त रूप से तैयार किया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अब 95.8 करोड़ सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं। यह पिछले वर्ष की तुलना में आठ प्रतिशत वृद्धि है जो दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते डिजिटल बाजारों में भारत की स्थिति को और पुख्ता करती है। बताया गया है कि भारत में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ा है। करीब 44 प्रतिशत लोग वॉयस सर्च, इमेज-आधारित सर्च, चैटबॉट और एआई फिल्टर जैसे फीचर्स का इस्तेमाल कर रहे हैं।

### युवा कर रहे हैं सबसे ज्यादा एआई का इस्तेमाल

रिपोर्ट में कहा गया है कि युवाओं (15-24 वर्ष) में एआई का सबसे अधिक 57 प्रतिशत उपयोग देखा गया है। इसके बाद 25 से 44 वर्ष के लोग हैं, जिसमें 52 प्रतिशत लोगों ने एक साल के दौरान एआई का इस्तेमाल किया है। इसी तरह, शॉर्ट वीडियो मंच भी विकास के मुख्य चालक बनकर उभरे हैं। वर्ष 2025 में 61 प्रतिशत यानी लगभग 58.8 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने शॉर्ट-वीडियो देखे, जिनमें ग्रामीणों की संख्या शहरी लोगों से थोड़ी अधिक रही। ईकॉमर्स और डिजिटल आदतें रिपोर्ट में बताया गया है कि पारंपरिक ऑनलाइन बाजारों के अलावा अब 'क्विक कॉमर्स' और 'सोशल कॉमर्स' का चलन भी बढ़ रहा है। शहरी क्षेत्रों के 23 करोड़ लोगों ने एक साल में ऑनलाइन खरीदारी की।

## केरल सरकार ने पेश किया चुनावी बजट

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

- पेंशनभोगियों के लिए14,500 करोड़, आशा और आंगनबाड़ी वर्कर का मानदेय बढ़ाया

केरल के वित्त मंत्री केएन बालागोपाल ने विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए 2026-27 के लिए बृहस्पतिवार को जनकेंद्रित बजट पेश किया। इसमें सामाजिक सुरक्षा पेंशनभोगियों की मदद के लिए 14,500 करोड़ रुपये की भारी राशि और कई नए सामुदायिक कार्यक्रमों के वित्तपोषण का प्रस्ताव है।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन नीत दूसरी सरकार का छठा बजट पेश करते हुए बालागोपाल ने विधानसभा में मान्यता प्राप्त आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में 1,000 रुपये माह जबकि आंगनबाड़ी सहायकों के मानदेय में 500 रुपये की वृद्धि की घोषणा की। उन्होंने बताया कि प्राथमिक विद्यालय के पूर्व शिक्षकों और साक्षरता अभियान के प्रेरकों के वेतन में 1,000 रुपये प्रति माह की वृद्धि जबकि विद्यालय के रसोइयों की दैनिक मजदूरी में 25 रुपये प्रति दिन की बढ़ोतरी का प्रस्ताव है।

बजट में मुख्यमंत्री की स्त्री सुरक्षा योजना के लिए 3,700 करोड़ रुपये की घोषणा भी की गई है। इसके अलावा बजट में ग्रामीण रोजगार योजना के लिए पिछले वर्ष की तुलना में 1,000 करोड़ रुपये के आवंटन में वृद्धि, स्कूली बच्चों सहित सभी श्रेणियों के लोगों के लिए जीवन एवं स्वास्थ्य बीमा योजनाओं और कला एवं विज्ञान कॉलेज के छात्रों के लिए मुफ्त डिग्री शिक्षा की भी घोषणा की गई है। बजट में तिरुवनंतपुरम से कासरगोड तक क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली से संबंधित प्रारंभिक कार्यों के लिए 100 करोड़ रुपये के आवंटन की भी घोषणा की गई।



# देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ट्रेड यूनियन नेता जिम्मेदार

## घरेलू सहायकों के लिए न्यूनतम मजदूरी की मांग करने वाली याचिका खारिज की

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने घरेलू सहायकों के लिए न्यूनतम मजदूरी के व्यापक कानूनी ढांचे और इसे लागू करने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करने से यह कहते हुए बृहस्पतिवार को इन्कार कर दिया कि वह केंद्र और राज्यों को मौजूदा कानूनों में संशोधन पर विचार करने के लिए कहने वाला कोई आदेश जारी नहीं कर सकता। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ट्रेड यूनियनवाद काफी हद तक जिम्मेदार रहा है।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, देश में ट्रेड यूनियनों की वजह से कितनी औद्योगिक इकाइयां बंद हो चुकी हैं, जरा हकीकत बताइए।। देश के सभी पारंपरिक उद्योग, इन झंडा यूनियनों की वजह से पूरे देश में बंद हो गए हैं। वे काम नहीं करना चाहते। देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ये ट्रेड यूनियन नेता काफी हद तक जिम्मेदार हैं। सीजेआई ने कहा, निस्संदेह शोषण होता है, लेकिन शोषण से निपटने के उपाय भी हैं। लोगों को उनके व्यक्तिगत अधिकारों के बारे में अधिक जागरूक किया जाना चाहिए था, लोगों को अधिक कुशल बनाया जाना चाहिए था, और भी कई सुधार किए जाने चाहिए थे। देश भर में लाखों घरेलू सहायकों की दुर्दशा की बात को मानते हुए सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि न्यायपालिका कानूनों को लागू करने के लिए विधायिका के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण नहीं कर सकती।

पीठ ने अपने आदेश में कहा, जब तक विधायिका से उपयुक्त कानून बनाने का अनुरोध नहीं किया जाता, तब तक कोई भी लागू करने योग्य आदेश पारित नहीं किया जा सकता। इस अदालत द्वारा ऐसा कोई निर्देश जारी नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि, अदालत ने घरेलू सहायकों के संघ 'पेन थोजिलालार्गल संगम' समेत अन्य याचिकाकर्ताओं से राज्यों और केंद्र सरकार के समक्ष घरेलू सहायकों की दुर्दशा को उजागर करने का आग्रह किया ताकि इस मामले में उचित निर्णय लिया जा सके। अदालत ने कहा कि पत्राचार से पता चलता है कि राज्यों द्वारा इस पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है और हमें उम्मीद है कि उनकी सहायता और शोषण को रोकने के लिए एक उपयुक्त तंत्र तैनात किया जाएगा। पीठ ने इसके साथ जनहित याचिका का निपटारा कर दिया।

### सेवा प्रदाता एजेंसियां श्रमिकों की वास्तविक शोषक

कोर्ट ने सेवा प्रदाता एजेंसियों द्वारा श्रमिकों के शोषण पर अफसोस जताते हुए कहा कि ये एजेंसिया शहरी क्षेत्रों में वास्तविक शोषक के रूप में उभरी हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'मैंने इसे व्यक्तिगत रूप से देखा है। सुप्रीम कोर्ट ने कुशल कर्मचारियों के एक विशेष समूह को नियुक्त करने के लिए एक एजेंसी को 40,000 रुपये का भुगतान किया, जबकि वास्तव में उन गरीब लड़कियों को केवल 19,000 रुपये ही मिल रहे थे। सीजेआई ने कहा कि सभी प्रमुख शहरों में सेवा प्रदाता एजेंसियों ने पैर फैला लिए हैं। उन्होंने कहा, इनके लिए एक शब्द है, जिसका प्रयोग मैं खुले न्यायालय में नहीं कर सकता। सभी प्रमुख शहरों में ये बड़ी संस्थाएं मौजूद हैं, जो इन लोगों का शोषण कर रही हैं। असली शोषक यही हैं।

### बिहार में एसआईआर के खिलाफ दायर याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर बृहस्पतिवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इन याचिकाओं में गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ओर से दायर याचिका भी शामिल है। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल, अभिषेक सिंघवी, प्रशांत भूषण और गोपाल शंकरनारायण सहित कई वकीलों की दलीलें सुनने के बाद सुनवाई पूरी की। इस मामले में निर्वाचन आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी और मनिंदर सिंह उपस्थित हुए। अदालत ने पिछले साल 12 अगस्त को इस मामले में अंतिम बहस शुरू की थी।

## स्वाट कमांडो को पति ने मार डाला, भाई को फोन पर सुनाईं चीखें

**नई दिल्ली।** दिल्ली में 27 वर्षीय महिला स्वाट कमांडो की उसके पति द्वारा निर्मम हत्या से पहले के क्षण और भी भयावह थे, जब पीड़िता का भाई फोन पर अपनी बहन की चीखें सुनकर भी कुछ नहीं कर पाया।

मृतका काजल चौधरी के भाई निखिल ने 22 जनवरी की उस भयावह घटना के बारे में कांपती आवाज में बताया, जब काजल के पति अंकुर ने भारी डंबल से उसके सिर पर वार किया था। उन्होंने कहा, अंकुर ने मुझे फोन पर बातचीत को रिकॉर्ड करने को कहा और कहा कि इसे पुलिस के लिए सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। फिर उसने मुझे बताया कि वह काजल को मार रहा है। और फिर, मैंने उसकी चीखें सुनीं।

दिल्ली पुलिस की विशेष प्रकोष्ठ में तैनात काजल, हमले के समय मोहन गार्डन स्थित अपने आवास पर थीं और वह चार महीने की गर्भवती थी। रक्षा मंत्रालय में क्लर्क उसके पति अंकुर को हमले के कुछ घंटों बाद गिरफ्तार कर लिया गया। वह दिल्ली छावनी में तैनात था। काजल ने पांच दिनों तक जीवन के लिए संघर्ष करने के बाद, 27 जनवरी की सुबह गाजियाबाद के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया।

### भाजपा के सौरभ जोशी बने चंडीगढ़ के महापौर

**चंडीगढ़।** भाजपा के पार्षद सौरभ जोशी बृहस्पतिवार को चंडीगढ़ नगर निगम के नये महापौर चुने गए। पार्टी ने वरिष्ठ उपमहापौर और उपमहापौर के पद भी जीत लिए।

त्रिकोणीय मुकाबले में जोशी को 18, आप के उम्मीदवार योगेश ढिंगरा को 11 वोट मिले, कांग्रेस के गुरप्रीत सिंह को सात वोट मिले। इस बार महापौर चुनाव के लिए कांग्रेस और आप ने गठबंधन नहीं किया। परिणाम के बाद, दोनों के बीच जुबानी जंग छिड़ गई, दोनों पार्टियों के नेताओं ने एक-दूसरे पर भाजपा की मदद का आरोप लगाया।

### शंकराचार्य सदानंद सरस्वती सरकार पर भड़के, कहा-शासक नहीं, जनता के सेवक

**भिंड।** प्रयागराज माघ मेले से जुड़े प्रकरण को लेकर शंकराचार्य सदानंद सरस्वती महाराज ने भिंड में सरकार पर तीखा हमला बोला। भिंड जिले के खनेता धाम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सत्ताधारी शासक नहीं, बल्कि जनता के सेवक होते हैं। धार्मिक आस्था को दबाने या कुचलने का दुस्साहस किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है।

भिंड जिले के खनेता धाम स्थित श्री रघुनाथ मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में शंकराचार्य ने प्रयागराज धरना प्रकरण को लेकर सरकार और प्रशासन के रवैये पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हाल की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि सत्ता के कुछ हिस्सों में खुद को सेवक नहीं बल्कि शासक समझने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो लोकतंत्र और सनातन परंपरा दोनों के लिए घातक है। शंकराचार्य ने कहा कि प्रयागराज में गंगा स्नान से रोका जाना और ब्राह्मण विद्यार्थियों व साधु-संतों के साथ बल प्रयोग चूक नहीं, बल्कि आस्था पर सीधा प्रहार है। शंकराचार्य ने प्रयागराज की घटना को हठधर्मिता और संवेदनहीनता का प्रतीक बताया। शिखा पकड़कर मारपीट किए जाने की घटना पर कड़ा आक्रोश जताते हुए उन्होंने कहा कि शिखा हिंदू समाज की धार्मिक पहचान और आस्था का प्रतीक है। इसे पकड़कर अपमानित करना केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे समाज का अपमान है।

### एसआईआरः भारत के लिए खेल चुके फुटबॉलर को नोटिस, बोले- देश के लिए खेलना क्या व्यर्थ

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान पूर्व अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी मेहताब हुसैन को सुनवाई के लिए तलब किया गया है जो भारत के लिए कई मैच खेल चुके हैं। देश के लिए करीब 30 मैच खेल चुके मेहताब हुसैन ने इस नोटिस पर गहरी व्यथा जताई है।

कोलकाता की दिग्गज टीमों मोहन बागान और ईस्ट बंगाल दोनों की कप्तानी कर चुके हुसैन ने देश का प्रतिनिधित्व कर चुके खिलाड़ियों को नागरिकता साबित करने की बाध्यता पर सवाल उठाया है। हुसैन को दक्षिण 24 परगना जिले के मल्लिकपुर के एक स्कूल में एक फरवरी को सुनवाई के लिए पेश होने का नोटिस मिला है। उन्होंने कहा कि वह इस समन से दुखी हैं। वह अभी यहां के पास न्यू टाउन में रहते हैं और मल्लिकपुर उनका पैतृक स्थान है और वह वहां के पंजीकृत मतदाता हैं। बताया जा रहा है कि उनकी मां से संबंधित दस्तावेजों में विसंगति पाए जाने के बाद नोटिस जारी किया गया था।

नाराजगी जताते हुए हुसैन ने कहा, मैंने राष्ट्रीय जर्सी पहनकर इतने मैच खेले हैं और देश के लिए अपना पसीना बहाया है। इसके बाद भी क्या मुझे यह साबित करने के लिए कतार में खड़ा होना पड़ेगा कि मैं भारतीय नागरिक हूं, क्या हमारा योगदान व्यर्थ हो गया। उन्होंने इस प्रक्रिया पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, मेरे मामले को छोड़ दें तो ऐसे बुजुर्ग और गंभीर रूप से बीमार लोग भी हैं जिन्हें कतारों में खड़ा किया जा रहा है। कुछ लोग व्हीलचेयर पर आ रहे हैं। उन्हें अपनी नागरिकता साबित करने के लिए इतनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हुसैन से पहले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और पूर्व क्रिकेटर और बंगाल रणजी टीम के कप्तान लक्ष्मी रतन शुक्ला को भी एसआईआर सुनवाई के लिए बुलाया गया था।

### खरगे और राहुल से मिले थरूर, कहा-सब कुछ ठीक

**नई दिल्ली।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने नाराजगी की खबरों के बीच बृहस्पतिवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की और कहा कि सब कुछ ठीक है तथा सब एकसाथ हैं।

संसद भवन स्थित खरगे के कार्यालय में यह मुलाकात हुई। थरूर ने इस मुलाकात को बहुत अच्छी, सार्थक और सकारात्मक करार दिया। उन्होंने कहा, सब कुछ ठीक है और हम सब एकसाथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी से इनकार करते हुए कहा कि यह उनके लिए कभी मुद्दा नहीं रहा।

## राजकीय सम्मान के साथ अजित पवार का अंतिम संस्कार

बारामती, एजेंसी

- शाह-नवीन समेत कई नेता हुए शामिल गूंजे अजित दादा अमर रहे के नारे

महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती में शोकाकुल लोगों ने बृहस्पतिवार को अपने नेता उपमुख्यमंत्री अजित पवार को अंतिम विदाई दी। पवार का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। अंतिम विदाई के लिए आए लोगों से खचाखच भरे बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में पवार के बेटों पार्थ और जय ने चिता को मुखाग्नि दी। इस दौरान 'अजित दादा अमर रहे' के नारे गूंजते रहे।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, मुरलीधर मोहोल, पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन राकांपा प्रमुख के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी मैदान में उपस्थित थे। बारामती पवार परिवार का गृहनगर है, जो पुणे से 100 किलोमीटर दूर है। अजित पवार के अंतिम संस्कार के लिए हजारों लोग एकत्रित हुए और जब उनके पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लपेटकर उनके गांव काटेवाडी से विद्या प्रतिष्ठान के मैदान में लाया गया। पुणे से करीब 100 किलोमीटर दूर बारामती हवाई पट्टी के पास बुधवार सुबह एक 'लियरजेट' विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से अजित पवार की मृत्यु हो गई थी।

दुर्घटना में जान गंवाने वाले पायलट कैप्टन सुमित कपूर का दिल्ली के पंजाबी बाग श्मशान घाट और फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली का मध्य मुंबई के शिवाजी पार्क श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। पवार के निजी सुरक्षा अधिकारी विदिप जाधव का अंतिम संस्कार बुधवार देर रात सतारा जिले में उनके पैतृक स्थान पर किया गया।

**विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद :** मुंबई। नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि बुधवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए लियरजेट 45 विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है। मंत्रालय ने कहा कि एएआईबी इस दुर्घटना की जांच तेजी से कर रहा है।

बारामती में राजकीय सम्मान के साथ किया गया अजित पवार का अंतिम संस्कार।

# कोलंबिया में यात्री विमान हादसे का शिकार, 15 लोगों की गई जान

● विमान में 13 यात्री और चालक दल के दो सदस्य थे सवार

बोगोटा, एजेंसी

उत्तर-पूर्वी कोलंबिया में बुधवार को एक यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से जिसमें सवार सभी 15 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में कोलंबियाई सांसद डियोजेनेस क्विंटरो अमाया और एक अन्य नेता कार्लोस साल्सेडो भी शामिल हैं यह दुर्घटना तब हुई जब कोलंबियाई एयरलाइन साटेना द्वारा संचालित विमान बीचक्राफ्ट 1900 वेनेजुएला की सीमा के पास स्थित कुकुटा से ओकांया जा रहा था।

साटेना ने एक्स पर जारी एक बयान में कहा, साटेना एयरलाइन को यह बताते हुए गहरा दुख हो रहा है कि कुकुटा से ओकांया के लिए उड़ान भरने वाला बीचक्राफ्ट विमान, भीषण दुर्घटना का शिकार हो गया है। विमान में 13 यात्री और चालक दल के दो सदस्य सवार थे। इसमें एक कोलंबियाई सांसद और एक चुनावी प्रत्याशी शामिल थे। कोलंबिया के परिवहन मंत्रालय ने पुष्टि की है कि इस हादसे में कोई भी जीवित नहीं बचा है। विमान का मलबा एक दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्र में मिला है, और घने जंगल के कारण खोज एवं बचाव कार्यों में काफी मुश्किलें आ रही हैं।

### थाईलैड में विमान क्रैश, दो की मौत

**बैंकाक।** थाईलैंड के उत्तरी शहर चियांग माई में एक प्रशिक्षण विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से गुरुवार को वायुसेना के दो पायलटों की मौत हो गई। सेना के प्रवक्ता एयर मार्शल जैक्रिट थम्माविचाई ने बताया कि एटी-6टीएच वूल्वरिन हल्का हमलावर और टोही विमान चियांग माई हवाई अड्डे से लगभग 60 किमी दूर चोम थोंग जिले में एक सैन्य प्रशिक्षण क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दो सीट वाले विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों की जांच की जा रही है।

## देश के अर्थतंत्र का रोडमैप

बजट शब्द की उत्पत्ति फ्रांसीसी शब्द बोगेट से हुई है, जिसका अर्थ है चमड़े का थैला। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 के तहत इसे वार्षिक वित्तीय विवरण कहा जाता है। सरल शब्दों में, यह सरकार की आगामी वित्तीय वर्ष (1 अप्रैल से 31 मार्च) के लिए अनुमानित कमाई (राजस्व) और खर्च (व्यय) का लेखा-जोखा है। बजट केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि सरकार की प्राथमिकताओं का दर्पण है। यह बताता है कि सरकार देश के किन क्षेत्रों जैसे कृषि, रक्षा, शिक्षा या स्वास्थ्य को बढ़ावा देना चाहती है और इसके लिए धन कहां से आएगा। 1 फरवरी 2026 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपना लगातार नौवां बजट पेश करने जा रही हैं, जो भारतीय संसदीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण कीर्तिमान है। आइए जानते हैं बजट कैसे बनता है, कौन बनाता है और आय-व्यय का अर्थशास्त्र..।

## केंद्रीय बजट

### कहां से आता है धन

● प्रत्यक्ष कर : इसमें इनकम टैक्स और कॉर्पोरेट टैक्स से मिलने वाली आय शामिल होती है।

● अप्रत्यक्ष कर : इसमें सबसे बड़ा हिस्सा जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) और सीमा शुल्क का होता है।

● गैर-कर राजस्व : पीएसयू (जैसे रेलवे, सेल) से मिला मुनाफा, आरबीआई से प्राप्त डिविडेंड और ब्याज।

● ऋण : जब खर्च कमाई से ज्यादा हो जाता है, तो सरकार कर्ज लेती है, जिसे राजकोषीय घाटा कहते हैं।

### कैसे तैयार होता है बजट

● प्रारंभिक अनुमान (सितंबर-अक्टूबर) : वित्त मंत्रालय सभी मंत्रालयों और विभागों को सर्कुलर भेजकर उनके खर्चों का अनुमान मांगता है।

● बैठकें और चर्चा (नवंबर-जनवरी) : मंत्रालयों और विभिन्न हितधारकों (उद्योग जगत, किसान, अर्थशास्त्री) के साथ चर्चा की जाती है कि किसे कितना फंड चाहिए और टैक्स में क्या बदलाव होने चाहिए।

● हलवा सेरेमनी : बजट दस्तावेज की छपाई शुरू होने से पहले वित्त मंत्रालय में हलवा सेरेमनी होती है। इसके बाद बजट से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी बाहरी दुनिया से कटकर 'नार्थ ब्लॉक' के बेसमेंट में तब तक रहते हैं जब तक बजट पेश न हो जाए।

● संसद में प्रस्तुति : 1 फरवरी को वित्त मंत्री लोकसभा में बजट भाषण देती हैं और बजट दस्तावेज पेश करती हैं।

### कौन-कौन विभाग शामिल

● वित्त मंत्रालय : बजट का मुख्य जिम्मा वित्त मंत्रालय का होता है, जिसके अंतर्गत कई विभाग सक्रिय रहते हैं।

● आर्थिक मामलों का विभाग : आर्थिक मामलों का विभाग (डीईए) बजट बनाने वाला नोडल विभाग है।

● व्यय विभाग : यह खर्चों की निगरानी करता है।

● राजस्व विभाग : यह टैक्स, कमाई का हिसाब रखता है।

● नीति आयोग और आरबीआई : ये संस्थाएं आर्थिक परामर्श और डेटा प्रदान करती हैं।

### विशेषताएं

● 2019 में निर्मला सीतारमण ने बजट को लाल कपड़े में लिपटे बही-खाता में लाना शुरू किया। 2021 से यह डिजिटल हो गया। मुख्य रूप से राजस्व बजट और पूंजीगत बजट पेश किए जाते हैं। वर्तमान बजटों में विकसित भारत और सबका साथ, सबका विकास की थीम पर जोर दिया जा रहा है।

## वर्ल्ड ब्रीफ

### चीनी नागरिक को अमेरिका में शरण

**वाशिंगटन।** अपने देश में मानवाधिकार हनन को उजागर करने वाले एक चीनी नागरिक को बुधवार को एक अमेरिकी आव्रजन न्यायाधीश ने अमेरिका में शरण की इजाजत दे दी। प्रवासियों के खिलाफ आव्रजन की कार्रवाई के दौरान हिरासत में लिए गए चीनी नागरिक ने आशंका जताई थी कि अगर उन्हें उनके देश वापस भेजा गया तो उन्हें चीन में यातनाएं झेलनी पड़ सकती हैं। चीनी नागरिक 38 वर्षीय गुआन हेंग ने 2021 में अवैध रूप से अमेरिका पहुंचने के बाद शरण के लिए आवेदन किया था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की ओर से जारी व्यापक निर्वासन अभियान के तहत अगस्त में आव्रजन प्रवर्तन अभियान में पकड़े जाने के बाद से गुआन हेंग हिरासत में हैं।

### संग्रहालय से चोरी के मामले में एक गिरफ्तार

**लंदन।** दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के एक संग्रहालय में भारत से लाई गईं कई कलाकृतियों की चोरी के मामले की जांच के तहत गुरुवार को 41 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। एवन और समरसेट पुलिस ने बताया कि पिछले साल सितंबर में ब्रिस्टल संग्रहालय के ब्रिटिश साम्राज्य और राष्ट्रमंडल संग्रह से 600 से अधिक उच्च मूल्य की वस्तुएं चोरी होने के बाद उन्हें ठिकाने लगाने के संदेह में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि उसने पिछले महीने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए चार श्वेत पुरुष संदिग्धों के सीसीटीवी फुटेज जारी किए थे।

### नेपाल के पूर्व पीएम माधव अस्पताल में

**काठमांडू।** नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल को हृदय संबंधी समस्या के कारण काठमांडू के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) के एक सूत्र ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एनसीपी के उप-समन्वयक एवं पांच मार्च को होने वाले संसदीय चुनाव के लिए रौतहट-एक निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार माधव कुमार (72) को बुधवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें हृदय संबंधी समस्याएं हैं।

### डेल्सी बने वेनेजुएला के कमांडर इन चीफ

**काराकास।** वेनेजुएला की सेना ने एक सैन्य समारोह के दौरान कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज के प्रति निष्ठा की शपथ ली और उन्हें औपचारिक रूप से कमांडर-इन-चीफ के रूप में मान्यता दी। समारोह में गृह, न्याय और शांति मंत्री डियोसडाडो कैबेलो ने राष्ट्र के सभी सुरक्षा बलों द्वारा सहमति प्राप्त एक संयुक्त बयान पढ़ा।

# भविष्य की ऊर्जा को लेकर दुनिया की नजरें भारत पर टिकीं : कैमेरा

## रेजाक बेनिसेफ ने कहा, भारत विश्व की सबसे तेज उभरती अर्थव्यवस्था वाला देश

अनिल त्रिगुणायत, गोवा

**अमृत विचार :** जैसे जिंदगी के लिए जल अपरिहार्य है, वैसे ही मानव जीवन हेतु भविष्य की ऊर्जा भी अनिवार्य। ऊर्जा के बिना किसी भी देश का विकास अकल्पनीय। आज पूरी दुनिया तेल के खेल में यूं ही नहीं फंसी है। पारंपरिक ऊर्जा के स्रोत घट रहे हैं। ऐसे में समूचा विश्व नवीनीकृत ऊर्जा के स्रोतों की ओर ताक रहा है। भविष्य की ऊर्जा को लेकर विश्व आज भारत पर टकटकी लगाए हुए है। उक्त बातें गुरुवार को ऊर्जा विशेषज्ञों ने यहां एक विशेष गोष्ठी में कहीं।

गोवा के बेतूल गांव स्थित ओएनजीसी परिसर में भारत ऊर्जा सम्मेलन के तीसरे दिन वैश्विक ऊर्जा की दिशा-दशा विषय पर परिचर्चा में अंतर्राष्ट्रीय रिन्यूएबल ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक फ्रांसेस्को ला कैमेरा ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर भारत पर आज दुनिया की नज़र टिकी हुई है। करीब 140 करोड़ आबादी वाला देश अपारंपरिक ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ चला है। ओपेक के ऊर्जा विशेषज्ञ डा. अब्दे रेज़ाक बेनिसेफ ने कहा कि तीव्र गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था और ऊर्जा क्षेत्र में भारत से दुनिया को काफी उम्मीद है। शंघाई सहयोग संगठन के उप महासचिव टीआर मिथुन ने कहा कि तकनीकी क्षेत्र के अलावा ऊर्जा क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम दुनिया के लिए भी प्रेरणादायक है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा फोरम के महासचिव जस्सीम अल शिरावी ने कहा कि आने वाले दिनों में पारंपरिक ऊर्जा मांग/आपूर्ति में सामंजस्य नहीं बैठा पाएगी। क्योंकि विश्व की जनसंख्या लगातार बढ़ रही। ऐसे में अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर गंभीरता से कार्य करने की जरूरत। परिचर्चा में यूएई ऊर्जा मंत्री अहमद अल काबी, नीदरलैंड के जलवायु नीति मंत्री डा. माइकल हिजद्रा, डेनमार्क के राजदूत रास्मस एबल्डगार्ड क्रिसटेनसेन तथा अमेरिकी ऊर्जा विभाग के सहायक सचिव काईले हॉस्टविट समेत अन्य ऊर्जा विशेषज्ञ भी रहे।

### हरित हाइड्रोजन भविष्य का ऊर्जा विकल्प

विश्व में हरित हाइड्रोजन को गंभीरतापूर्वक बढ़ावा दिया जा रहा है। हाइड्रोजन उत्पादन में चीन का स्थान पहला है। चीन वैश्विक क्षमता के 50 प्रतिशत के साथ हरित हाइड्रोजन का उत्पादन कर रहा है, इसका सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है। सऊदी अरब दुनिया की सबसे बड़ी हाइड्रोजन परियोजना का निर्माण कर रहा है। वहीं, भारत में आंध्र प्रदेश को हरित हाइड्रोजन का हब बनाया जा रहा है। हरियाणा के हिसार में देश का पहला आफ ग्रिड हरित हाइड्रोजन संयंत्र कार्य भी कर रहा। यूपी के गोरखपुर में देश का दूसरा हरित हाइड्रोजन संयंत्र लगाने का उपक्रम जारी है। जान लें, हरित हाइड्रोजन का उत्पादन इलेक्ट्रोलिसीस की प्रक्रिया द्वारा किया जाता है।

### ऊर्जा क्षेत्र में भारत उभरता बाजार : पुरी

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में भारत एक बड़ा उभरता बाजार है। अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर यहां काफी कुछ किया जा रहा है। खाड़ी के देशों के अलावा एशिया पेसिफिक के देशों में भी भारत ने तेजी से पहुंच बनाई है। गुरुवार को प्रेसवार्ता में पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि विश्व की दिग्गज ऊर्जा कंपनियों ने ऊर्जा क्षेत्र में भारत में निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। जिनमें टोटल एनर्जी, बीपी, विटो हुंडई, एचडी केएसओई, अकेर, लिजा टेक, इंटरनेशनल एनर्जी फोरम, एक्सलेरेट, वुड मैकेंजी, ट्राफीगुरा, स्टैटसोली, प्राज, रिन्यू व एमओएल के अलावा वेदांता, अदानी, रिलायंस, बिरला, थापर, गैलेंट आदि शामिल हैं।

## ईरान ने अपनी सेना में शामिल किए एक हजार लड़ाकू ड्रोन

**तेहरान।** ईरान ने गुरुवार को कहा कि उसने अपनी सैन्य इकाइयों में देश में बने एक हजार लड़ाकू ड्रोन शामिल किए हैं। ईरान की अर्ध-सरकारी तसनीम समाचार एजेंसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि सेना प्रमुख अमीर हातेमी के आदेश पर थल सेना, नौसेना और वायु सेना को ये लड़ाकू ड्रोन दिए गए हैं। इन ड्रोनों को सेना के विशेषज्ञों और रक्षा मंत्रालय ने मिलकर बढ़ते खतरों से निपटने और पिछले साल इज़राइल के साथ हुए 12-दिवसीय युद्ध से मिले सबक को देखते हुए विकसित किया गया है। ये ज़मीन, समुद्र और हवा में तय या चलते-फिरते लक्ष्यों पर हमला करने, घुसपैठ, विनाश, जासूसी, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध करने में सक्षम हैं।

हातेमी ने कहा कि भविष्य के खतरों को देखते हुए सेना ने अपनी रणनीति को मजबूत करने को प्राथमिकता दी है ताकि किसी भी हमले का करारा जवाब दिया जा सके। इस हफ़्ते की शुरुआत में अमेरिका द्वारा मध्य पूर्व में एक कैरियर-नेतृत्व वाले स्ट्राइक ग्रुप की तैनाती के बाद यह आपूर्ति की गई है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि एयरक्राफ्ट कैरियर अब्राहम लिंकन के नेतृत्व में एक बहुत बड़ा बेड़ा ईरान की ओर बढ़ रहा है।

# रणनीतिक साझेदारी को सुदृढ़ करेंगे चीन-ब्रिटेन

● स्टार्मर-शी जिनपिंग मुलाकात में संबंधों के सुधार पर जोर

बीजिंग, एजेंसी

ब्रिटेन और चीन के नेताओं ने बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के बीच दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने के लिए व्यापक रणनीतिक साझेदारी का आह्वान किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हाल में उठाए गए कई कदमों को लेकर उत्पन्न परिस्थितियों के बीच बीजिंग में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर की गुरुवार को मुलाकात हुई। हालांकि शी और स्टार्मर ने सार्वजनिक रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति का नाम नहीं लिया।

स्टार्मर ने जिनपिंग से कहा कि मेरे हिसाब से, ऐसे समय में जब दुनिया मुश्किल दौर से गुजर रही है, तब जलवायु परिवर्तन और वैश्विक स्थिरता जैसे मुद्दों पर मिलकर काम करना ही सही मार्ग है, जिसके जरिए हमें अपने रिश्तों को आगे बढ़ाना चाहिए। बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात तय समय से दोगुने समय 80 मिनट तक हुई। यह बैठक ऐसे समय हुई है, जब कई वर्षों के तनाव के बाद दोनों देश अपने रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में, खासकर ब्रिटेन में चीन की जासूसी गतिविधियों, यूक्रेन युद्ध में रूस के लिए चीन के समर्थन, और हांगकांग में स्वतंत्रता पर पाबंदियों को लेकर दोनों देशों के संबंधों में खटास आ गई थी। जिनपिंग ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में चीन-ब्रिटेन के संबंध खास अच्छे नहीं रहे। तेजी से बदलते अंतर्राष्ट्रीय हालात में दुनिया में शांति और स्थिरता के लिए चीन व ब्रिटेन को सहयोग मजबूत करने की जरूरत है।

### बड़ी ताकतों को अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए : जिनपिंग

शी जिनपिंग ने अमेरिका का नाम लिए बिना कहा कि बड़ी ताकतों को अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए, वरना दुनिया फिर जंगलराज जैसी स्थिति में चली जाएगी। बैठक के बाद स्टार्मर ने कहा कि दोनों ने 'स्कॉच व्हिस्की' पर चीन द्वारा शुल्क कम करना और ब्रिटिश यात्रियों के लिए वीजा-मुक्त यात्रा शुरू करने समेत कई मुद्दों पर वाकई अच्छी प्रगति की है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने कहा, दोनों के संबंध अच्छे दौर में है और मजबूत हैं।

## निष्पक्ष चुनाव के बिना बांग्लादेश में अस्थिरता बढ़ेगी

**ढाका।** भारत में निर्वासन में रह रहीं बांग्लादेश की अपदस्थ नेता शेख हसीना ने उनकी पार्टी को चुनाव से बाहर किए जाने के बाद देश में होने जा रहे आगामी चुनाव की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि निष्पक्ष और समावेशी चुनाव के बिना देश में अस्थिरता बढ़ेगी। उनके इस बयान से आम चुनाव से पहले तनाव और बढ़ सकता है। शेख हसीना ने पिछले सप्ताह कहा कि यदि समावेशी, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव नहीं हुए, तो बांग्लादेश को लंबे समय तक अस्थिरता झेलनी पड़ेगी। हसीना को 2024 के छात्र आंदोलन को कुचलने के जुर्म में मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। उस कार्रवाई में सैकड़ों की जान चली गई थी और उनका शासन भी खत्म हो गया।

# गाजा का संघर्ष सुलझाने में यूएस के प्रयास सराहनीय

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

● संयुक्त राष्ट्र में बोले भारत के राजदूत पर्वतनेनी हरीश

भारत ने गाजा में लंबे समय से जारी संघर्ष को खत्म करने के लिए अमेरिका (यूएस) के प्रयासों की सराहना की, साथ ही इस मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव के कार्यान्वयन के संबंध में हाल में हुई प्रगति पर भी ध्यान आकृष्ट किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने बुधवार को ये टिप्पणी की।

हरीश ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में अपने संबोधन में कहा कि गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2803 के कार्यान्वयन के संबंध में हाल में हुई प्रगति पर भारत ने गौर किया है। भारत इस अवसर पर इस दीर्घकालिक मुद्दे को सुलझाने के लिए अमेरिका के प्रयासों के प्रति आभार भी व्यक्त करता है। पिछले साल नवंबर में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2803 में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 29 सितंबर की गाजा संघर्ष को समाप्त करने की व्यापक योजना का समर्थन किया गया था, जिसमें कहा गया है कि गाजा एक आतंकवाद-मुक्त क्षेत्र होगा जो अपने पड़ोसियों के लिए कोई खतरा नहीं पैदा करेगा और गाजा के लोगों के लाभ के लिए इसका पुनर्विकास किया जाएगा।

## दक्षिण अफ्रीका में सड़क हादसा, 11 लोगों की गई जान

**जोहानिसबर्ग।** दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी क्वाजुलु नताल प्रांत में मिनीबस टैक्सी और ट्रक की टक्कर से 11 लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना दक्षिण अफ्रीका में एक अन्य घटना में एक मिनीबस टैक्सी और एक ट्रक की हुई सीधी भिड़ंत में 14 स्कूली बच्चों के मारे जाने के ठीक एक सप्ताह बाद हुई है।

प्रांतीय परिवहन विभाग के अधिकारी सिबोनीसो डुमा ने बताया कि गुरुवार को यह दुर्घटना पूर्वी क्वाजुलु-नताल प्रांत में हुई। हादसे में एक स्कूली छात्र सहित 11 लोगों की मौत हो गई। निजी पैरामेडिक सेवा एएलएस पैरामेडिक्स के प्रवक्ता गैरिथ जैमीसन ने बताया कि हादसे में कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें मिनी बस का चालक भी शामिल है।

# ग्रीनलैंड पर नाटो और अमेरिका में संधि नहीं

पेरिस, एजेंसी

● डेनमार्क की प्रधानमंत्री ने किसी भी समझौते से किया इनकार

डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन ने बुधवार को इस बात से इनकार किया कि नाटो और अमेरिका के बीच ग्रीनलैंड मुद्दे पर कोई समझौता हुआ है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच में दावा किया था कि उन्होंने ग्रीनलैंड पर नाटो के साथ एक समझौता किया है।

जब फ्रांस-2 टीवी चैनल के साथ साक्षात्कार में फ्रेडरिकसेन से इस संबंध में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, यह कोई समझौता नहीं है। फ्रेडरिकसेन ने कहा कि असल में एक राज्य संप्रभु होता है। उसकी सीमाओं का सम्मान किया जाना चाहिए और दूसरे लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए। फ्रेडरिकसेन ने कहा कि अगर ग्रीनलैंड में सैन्य साधनों का इस्तेमाल किया जाता है, तो सब कुछ रुक जाएगा। उन्होंने कहा कि यह उन सभी चीज़ों के खिलाफ होगा जो हम दूसरे विश्व युद्ध के खत्म होने के बाद से बना रहे हैं। फ्रेडरिकसेन बुधवार को ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नील्सन के साथ फ्रांस पहुंचीं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका के साथ बढ़ता तनाव पूरे यूरोप के लिए एक रणनीतिक चेतावनी है।

## आयुष्मान योजना अंडमान सर्वश्रेष्ठ केंद्र शासित प्रदेश

**श्री विजय पुरम।** स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत लाभार्थियों के उपचार श्रेणी में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को सर्वश्रेष्ठ केंद्र शासित प्रदेश का पुरस्कार दिया है। यह पुरस्कार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के सम्मान स्वरूप प्रदान किया गया। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के मुख्य सचिव चंद्र भूषण कुमार ने कहा कि मैं योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पूरी टीम की सराहना करता हूं। इस तरह का सम्मान जनसेवा करते समय टीम को हमेशा प्रोत्साहित करता है। इस केंद्र शासित प्रदेश में योजना के 83,538 लाभार्थी हैं जिनमें 41,450 महिलाएं हैं।

## आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 30 जनवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 11.09 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

## आज का पंचांग

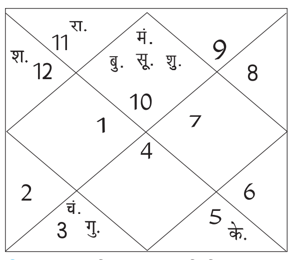


**दिशाशूल**- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।

**चन्द्रबल**- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।

**ताराबल**- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।

**नक्षत्र**-आर्द्रा 31 जनवरी 03.27 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

**मेष** — आज अपनी मानसिक स्थिति को हर परिस्थिति में सकारात्मक रखें। घरेलू वातावरण अच्छा रहेगा। आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। व्यापारिक उद्देश्य से यात्रा हो सकती है। वाणी में हल्के शब्दों का प्रयोग करने से बचें।

**वृष** — आज विदेश यात्रा को लेकर परेशानी हो सकती है। संतान के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। धन उधार देने से बचें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय को लेकर जल्दबाजी न करें। घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है।

**मिथुन** — आज पारिवारिक कार्यक्रमों में आप अत्यधिक व्यस्त हो सकते हैं। घर के सदस्यों की सुरक्षा की कुछ चिंता हो सकती है। विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। आपके व्यवहार से सहकर्मी प्रसन्न रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी नेतृत्व क्षमता की लोग प्रशंसा करेंगे।

**कर्क** — आज व्यर्थ भागदौड़ करने से बचें। कानूनी अड़चनों का सामना करना पड़ सकता है। मन में अज्ञात भय का भाव रहेगा। आपकी दिनचर्या थोड़ी अव्यवस्थित हो सकती है। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें। आलस्य के कारण कुछ काम रुक सकते हैं।

**सिंह** — आज का दिन आपके लिए अत्यधिक अनुकूल रहने वाला है। आपको रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। इष्ट मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति अति उत्तम रहेगी। भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद लेंगे।

**कन्या** — आज सरकारी कार्यों में विलंब हो सकता है। आप कई लोगों को उचित सलाह देंगे, जिससे उन्हें लाभ होगा। लोग आपकी बातों से सहमत रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको अतिरिक्त आय प्राप्त हो सकती है। परिवार के सदस्यों की चिंता रहेगी।

**तुला** — आज आप कुछ नया सीखने का प्रयास कर सकते हैं। पुराना रोग उभर सकता है। व्यवसाय में सहयोगियों के व्यवहार से आप व्यथित हो सकते हैं। जीवनसाथी का अनादर न करें। माता के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको सम्मान मिल सकता है।

**वृश्चिक** — आज का दिन शांतिपूर्वक बिताएं। दूसरों के मामलों में ज्ञान देने से बचें। विवादित मामलों में फंस सकते हैं। पति-पत्नी के आपसी संबंध प्रभावित होने की संभावना है। महिलाओं को स्वास्थ्य समस्या हो सकती है।

**धनु** — आज नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत होगी। व्यवसाय में आय बढ़ने से मन हर्षित रहेगा। आपको पुराने अनुभव काफी काम आएंगे। भाई-बहनों के साथ संबंध बेहतरीन रहेंगे। परिवार के प्रति भावुक रहेंगे।

**मकर** — आज आप अत्यंत ऊर्जावान महसूस करेंगे। बच्चों की गलतियों को अनदेखा न करें। विरोधी आपके सामने समस्याएं खड़ी करने का प्रयास करेंगे। घर और कार्यक्षेत्र में कुछ इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खराब हो सकते हैं। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है।

**कुंभ** — आज गुप्त तरीके से किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। पारिवारिक समस्याओं का निराकरण होगा। सेहत को लेकर आपको थोड़ी कठिनाई होगी। आपकी कोई बहुप्रतीक्षित इच्छा पूरी हो सकती है। आय के साथ खर्च भी बढ़ने की संभावना है।

**मीन** — आज गलत कार्यों और संगति से दूर रहें। स्वार्थ की भावना के कारण लोग आपसे दूरी बना सकते हैं। धन खर्च करने के बजाय आपको बचत करनी चाहिए। प्रभावशाली लोगों को अपयश का सामना करना पड़ सकता है।

## सुडोकू-46

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | | | 4 | | 8 | | | |
| 5 | | | 6 | | | | 7 | 1 |
| | | 9 | | 2 | | 6 | | |
| | | | 8 | | 6 | | | 5 |
| | 3 | 4 | | | | 2 | 9 | |
| 1 | | | 9 | | 2 | | | |
| 2 | | 3 | | 1 | | 8 | | |
| 6 | 7 | | | | 4 | | | 3 |
| | | | 3 | | 5 | | | 2 |

### सुडोकू - 45 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 4 | 2 | 9 | 6 | 7 | 8 | 1 | 3 |
| 8 | 9 | 1 | 5 | 3 | 4 | 6 | 2 | 7 |
| 6 | 3 | 7 | 1 | 8 | 2 | 9 | 5 | 4 |
| 3 | 6 | 5 | 2 | 1 | 9 | 7 | 4 | 8 |
| 1 | 8 | 4 | 7 | 5 | 3 | 2 | 9 | 6 |
| 2 | 7 | 9 | 8 | 4 | 6 | 1 | 3 | 5 |
| 7 | 1 | 3 | 6 | 9 | 5 | 4 | 8 | 2 |
| 4 | 2 | 8 | 3 | 7 | 1 | 5 | 6 | 9 |
| 9 | 5 | 6 | 4 | 2 | 8 | 3 | 7 | 1 |

यह सब मेरी कड़ी मेहनत का नतीजा है। लगातार मैच खेलने और ऐसी परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने से मेरी मानसिकता बेहतर हो रही है। इसलिए मैं यहां समझने लग गया हूं कि आगे क्या होगा और गेंदबाज क्या सोच कर मेरे लिए गेंदबाजी करेगा।

–शिवम दुबे

## हाईलाइट

### मेरी भूमिका रक्षात्मक गेंदबाजी करना और विकेट लेना है : सैंटनर

**विशाखापत्तनम।** न्यूजीलैंड के कप्तान और बाएं हाथ के स्पिनर मिचेल सैंटनर ने कहा कि टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में उनकी भूमिका रक्षात्मक गेंदबाजी करना, दबाव बनाना और विकेट लेना है तथा भारत के खिलाफ यहां चौथे टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में इस रणनीति का शानदार परिणाम देखना संतोषजनक रहा। सैंटनर ने इस मैच में 26 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने संजू सैमसन को बोल्ड करके उनकी परेशानियां बढ़ा दी और फिर हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह के विकेट भी लिए। न्यूजीलैंड ने यह मैच 50 रन से जीता। सैंटनर ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा मुझे लगता है कि मेरा काम थोड़ा रक्षात्मक होकर गेंदबाजी करना और इस तरह से विकेट लेना है।

### निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं : उच्च न्यायालय

**नई दिल्ली।** दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि पूर्व भाजपा सांसद बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ कई महिला पहलवानों द्वारा दायर यौन उत्पीड़न मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा ने यह बयान भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख की एफआईआर और उनके खिलाफ दर्ज आरोपों को रद्द करने की याचिका पर सुनवाई के लिए 21 अप्रैल की तारीख तय करते हुए दिया। याचिकाकर्ता के वकील द्वारा स्थगन का अनुरोध किए जाने पर न्यायाधीश ने याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी और अगली सुनवाई की तारीख पर निचली अदालत के रिकॉर्ड मंगवाए।

### एरिगैसी की एक और हार, गुकेश ने एर्दोगमस को हराया

**विक ऑन जी (नीदरलैंड्स)।** भारत के शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी महत्वपूर्ण क्षणों में जर्मनी के विन्सेंट कीमर के कौशल का मुकाबला नहीं कर सके और उन्हें टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में एक और हार का सामना करना पड़ा। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने हालांकि युवा खिलाड़ी यागिज़ कान एर्दोगमस के खिलाफ जीत हासिल करके प्रतियोगिता में वापसी की। काले मोहरों से खेलते हुए गुकेश ने बाजी जीती। उनके अब संभावित 10 में से पांच अंक हो गए हैं।

शानदार पारी के दौरान शॉट लगातीं यूपी वारियर्स की कप्तान मेग लानिंग।

## यूपी ने आरसीबी को दिया 144 रनों का लक्ष्य

**वडोदरा, एजेंसी**

महिला प्रीमियर लीग

दीप्ति शर्मा (55) और कप्तान मेग लानिंग (41) की 74 रनों की शानदार साझेदारी के दम पर यूपी वॉरियर्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 18वें मुकाबले में गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ आठ विकेट पर 143 का स्कोर बनाया।

आज यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दीप्ति शर्मा और मेग लानिंग की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 74 रन जोड़े। नौवें ओवर में एन डी क्लर्क ने मेग लानिंग को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। मेग लानिंग ने 30 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए 41 रन बनाये। इसके बाद आरसीबी के गेंदबाजी आक्रमण के आगे यूपी वॉरियर्ज के बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सके और अपने विकेट गंवाते रहे। हरलीन देओल (14) और सिमरन शेख (10) रन बनाकर आउट हुईं। दीप्ति शर्मा ने 43 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए 55 रनों की पारी खेली। उन्हें एन डी क्लर्क ने आउट किया। यूपी वॉरियर्ज के छह बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। यूपी वॉरियर्ज ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 143 रन बनाये। आरसीबी के लिए एन डी क्लर्क ने चार विकेट लिये। ग्रेस हैरिस को दो विकेट मिले। श्रेयंका पाटिल और लॉरेन बेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

नडीन डी क्लर्क।

### प्लेऑफ का टिकट कटाने उतरेंगी गुजरात और मुंबई की टीमें

**वडोदरा।** मौजूदा चैंपियन और दो बार की विजेता मुंबई इंडियंस की टीम शुक्रवार को जब गुजरात जायंट्स से भिड़ेगी तो दोनों प्लेऑफ में अपनी जगह सुरक्षित करने की कोशिश करेंगी। गुजरात जायंट्स इस मैच में जीत दर्ज करके लगातार दूसरी बार प्लेऑफ में जगह पक्की करना चाहेगा। गुजरात जायंट्स फिलहाल आठ अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है और उसका नेट रन रेट -0.271 है। वह मुंबई इंडियंस (छह अंक, नेट रन रेट +0.146) और दिल्ली कैपिटल्स (छह अंक, नेट रन रेट -0.164) से दो अंक आगे है।

# महिला ताज के लिए भिड़ेंगी सबालेंका और रिबाकिना

## ऑस्ट्रेलियाई ओपन : लगातार चौथी बार फाइनल में पहुंचीं एरिना

**मेलबर्न, एजेंसी**

दो बार की चैम्पियन शीर्ष वरीयता प्राप्त एरिना सबालेंका ने एलिना स्वितोलिना को 6-2, 6-3 से हराकर लगातार चौथी बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उनका सामना एलेना रिबाकिना से होगा जिनके खिलाफ वह 2023 फाइनल खेली थी। रिबाकिना ने छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को 6-3, 7-6 से हराया। सबालेंका ओपन युग में इवोन्ने गूलागोंग और मार्तिना हिंगिस के बाद लगातार चौथी बार आस्ट्रेलियाई ओपन एकल फाइनल में पहुंचने वाली तीसरी महिला खिलाड़ी है।

सबालेंका की पिछले 27 मैचों में से 26वीं जीत थी, जिससे वह पांचवें ग्रैंड स्लैम टाइटल के करीब पहुंच गईं। 27 साल की सबालेंका की इन चार सालों में एकमात्र हार पिछले साल के फाइनल में मैडिसन कीज से तीन सेट में चौंकाने वाली हार थी, जिससे उनका लगातार तीसरा ऑस्ट्रेलियन ओपन टाइटल जीतने का सपना टूट गया। सबालेंका का ताज फिर से जीतने का मौका पूर्व विंबलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना के खिलाफ होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को हराया।

सबालेंका, जिन्होंने टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया है, ने कहा काम अभी खत्म नहीं हुआ है। स्वितोलिना, जो अपना चौथा ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल खेल रही थीं, एक बड़ी अंडरडॉग के तौर पर उतरीं, लेकिन साल की अच्छी शुरुआत के बाद कॉन्फिडेंस के साथ उन्होंने आखिरी आठ में नंबर 3 कोको गॉफ को हराकर नई ऊंचाइयों को छुआ। लेकिन सबालेंका के जबरदस्त ग्राउंडस्ट्रोक्स के सामने उनका कोई चांस नहीं था, शायद उनका सबसे अच्छा बैकहैंड क्रॉसकोर्ट बुलेट था जिसने 41 मिनट का पहला सेट जीत लिया। मुश्किलों के बावजूद, स्वितोलिना ने दूसरे सेट में 2-0 की बढ़त बना ली, इससे पहले कि सबालेंका ने अपनी ज़बरदस्त हिटिंग फिर से शुरू की और एक ज़बरदस्त फोरहैंड विनर ने उन्हें लगातार चौथे फ़ाइनल में जगह दिलाई। इस बीच रायबाकिना ने पेगुला को हराकर 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल का रीमैच तय किया।

> 2023 में सबालेंका के खिलाफ मुकाबला शानदार था। उस समय उसने बेहतर खेला और खिताब जीता। उम्मीद है कि इस बार मैं बेहतर खेल सकूंगी।
>
> –एलेना रिबाकिना

एरिना सबालेंका।

एलेना रिबाकिना।

### इतिहास रचना चाहते हैं नोवाक जोकोविच

**मेलबर्न।** पुरुष टेनिस के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में यानिक सिनर के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और वह खुद का इतिहास रचने पर ध्यान दे रहे हैं। अब तक रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले जोकोविच जब सिनर के खिलाफ मुकाबले के संदर्भ में सवालों का जवाब दे रहे थे तब एक सवाल पर उन्हें अपमान महसूस हुआ। जोकोविच वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 11वां खिताब जीतने की कवायद में हैं।

जोकोविच से उस दौर से तुलना करने के लिए कहा गया जब उन्होंने टेनिस जगत में कदम रखा था तथा उस समय रोजर फेडरर और राफेल नडाल शीर्ष पर थे और अब जबकि सिनर और कार्लोस अल्काराज़ ने पिछले दो सत्र से उन्हें कोई भी ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने से रोक रखा है। जोकोविच ने सवालिया अंदाज में कहा मैं यानिक और कार्लोस का पीछा कर रहा हूं। किस अर्थ में। मैं हमेशा पीछा करने वाला खिलाड़ी ही रहा हूं। मेरा कभी पीछा नहीं किया जाता। उन्होंने कहा मुझे यह थोड़ा अपमानजनक लगता है कि आप उस दौर के बीच की घटनाओं को नजरअंदाज कर रहे हैं जब मैंने आपके अनुसार राफा और रोजर का पीछा करना शुरू किया था।

शॉट लगाते उत्तर प्रदेश के ध्रुव जुरेल। एजेंसी

## जुरेल शतक से चूके यूपी ने बनाए 237 रन

**नागपुर, एजेंसी**

भारत के अंतरराष्ट्रीय स्टार ध्रुव जुरेल शतक से चार रन से चूक गए और उनकी टीम विदर्भ के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए के आखिरी लीग मैच में 237 रन पर आउट हो गई। विदर्भ के लिये बायें हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे ने छह विकेट चटकाये। पहले दिन का खेल समाप्त होने पर विदर्भ ने बिना किसी नुकसान के 33 रन बना लिये थे। पहले बल्लेबाजी चुनने वाली उत्तर प्रदेश टीम के छह विकेट एक समय 109 रन पर गिर गए थे। इसके बाद जुरेल और शिवम मावी (47) ने सातवें विकेट के लिये 92 रन की साझेदारी की। जुरेल ने अपनी पारी में 11 चौके लगाए। विदर्भ के लिये दुबे ने 19.5 ओवर में 63 रन देकर छह विकेट लिए।

ग्रुप ए के एक अन्य मैच में सलेम में सुकीर्त पांडे के 222 गेंद में नाबाद 73 रन और निनाद राठवा के 112 गेंद में 66 रन की मदद से बड़ौदा ने तमिलनाडु के खिलाफ पांच विकेट पर 247 रन बनाए। दोनों ने पांचवें विकेट के लिये 85 रन की साझेदारी की। सुकीर्त ने अतीत सेठ (नाबाद 45) के साथ 90 रन जोड़े। सोविमा में एक अन्य मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज चेतन बिष्ट के नाबाद 160 रन की मदद से नगालैंड ने आंध्र के खिलाफ छह विकेट पर 322 रन बनाये। बिष्ट ने अपनी पारी में 23 चौके और एक छक्का लगाया और डेगा निश्छल (74) के साथ पांचवें विकेट के लिये 167 रन जोड़े। जमशेदपुर में ओडिशा ने झारखंड के खिलाफ छह विकेट पर 242 रन बनाए।

### मुंबई ने दिल्ली को 221 रनों पर समेटा

**मुंबई।** सनत सांगवान के शानदार शतक के बावजूद दिल्ली की टीम मुंबई के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मुकाबले के पहले दिन बृहस्पतिवार को यहां अपनी पहली पारी में 221 रन पर सिमट गई। मुंबई के लिए मोहित अवस्थी ने 62 रन पर पांच विकेट चटकाकर बेहतरीन प्रदर्शन किया। मुंबई ने दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट पर 13 रन बना लिये थे। सांगवान ने 118 रन की पारी के साथ एक छोर संभाले रखा लेकिन उन्हें दूसरे छोर से किसी बल्लेबाज का अच्छा साथ नहीं मिला। उन्होंने मौजूदा सत्र अपनी तीसरी शतकीय पारी के दौरान 218 गेंद में 11 चौके और दो छक्के जड़े। इस 25 साल के बल्लेबाज ने वैभव कांडपाल (32) के साथ दूसरे विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी की जिससे दिन की शुरुआत में दिल्ली की टीम मजबूत स्थिति में थी।

## मुझे नहीं लगता कि बल्लेबाजों ने मेरी गेंदों को अच्छी तरह से समझ लिया : राशिद

टी-20 विश्व कप
8 दिन शेष

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत और श्रीलंका में अगले महीने से होने वाले टी20 विश्व कप तैयारियों में लगी अफगानिस्तान टीम के कप्तान राशिद खान के बल्लेबाजों द्वारा उनकी गेंदों को अच्छी तरह से परखे जाने की अवधारणा को खारिज करते हुए कहा कि उनके लिए सफलता की कुंजी नये प्रयोग से ज्यादा सटीक गेंदबाजी करना है। पिछले एक दशक में टी20 क्रिकेट में लेग स्पिनरों की भूमिका को नया आयाम देने वाले राशिद को गुजरात टाइटंस के लिए पिछले दो आईपीएल सत्र में अपेक्षाकृत कम सफलता मिली। इसके बाद उनकी गेंदबाजी को बल्लेबाजों के द्वारा समझ लेने को लेकर चर्चा शुरू हुई। राशिद ने रेड बुल के सहयोग से ''पीटीआई-वीडियो'' से बातचीत में कहा मुझे नहीं लगता कि मुझे अपनी विविधता या लाइन-लेंथ बदलने की जरूरत है। राशिद आईपीएल के 2023 सत्र में 17 मैचों में 27 विकेट के साथ सबसे सफल गेंदबाज रहे थे। उन्होंने हालांकि इसके बाद 2024 में 12 मैचों में 10 और 2025 में 15 मैचों में सिर्फ नौ विकेट लिये। इस दौरान उनका इकॉनमी रेट नौ रन प्रति ओवर से ऊपर चला गया। राशिद ने कहा कि टी20 क्रिकेट में मामूली गलती करने का बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ता है। इस प्रारूप में लगातार सटीक गेंदबाजी करना ही सबसे अहम चीज है। कभी-कभी मेरी लाइन थोड़ी चूक जाती है, जिसमें मैं पहले काफी अच्छा था। चिंता की कोई बात नहीं है। जब भी मेरी लाइन-लेंथ सही नहीं रहती तब मेरे खिलाफ रन बनते हैं। राशिद ने कहा कि गेंदबाजों की पढ़े जाने की बात को अक्सर गलत तरीके से समझा जाता है। कोई गेंदबाज मिस्ट्री (अबूझ) से सफल नहीं होता, उसे सटीकता से सफलता मिलती है। सात फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान ग्रुप-डी में नेपाल, स्कॉटलैंड, वेस्टइंडीज और यूएई के साथ है। उन्होंने कहा कई गेंदबाज ऐसे हैं जिनके बारे में सबको पता होता है कि वे क्या करेंगे, फिर भी बल्लेबाज आउट हो जाते हैं। राशिद ने मिचेल स्टार्क का उदाहरण देते हुए कहा यह सबको पता होता है कि मिचेल स्टार्क नई गेंद से आमतौर पर इन-स्विंगर डालते हैं, फिर भी वह विकेट लेते हैं।

### पाकिस्तान के टी20 विश्व कप के बहिष्कार की संभावना कम

**लाहौर।** पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपनी टी20 विश्व कप टीम के दो फरवरी की सुबह कोलंबो रवाना होने का कार्यक्रम तय कर दिया है जिससे टूर्नामेंट या 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले के बहिष्कार की किसी भी संभावना पर लगभग विराम लग गया है। बोर्ड से जुड़े सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पीसीबी ने विश्व कप टीम के दो फरवरी की सुबह कोलंबो रवाना होने के लिए पहले ही यात्रा की सभी तैयारियां कर ली हैं।

## मनप्रीत भारतीय हॉकी टीम की सूची से बाहर

**नई दिल्ली, एजेंसी**

भारतीय हॉकी के सबसे जाने-माने खिलाड़ियों में से एक और मध्यपंक्ति के दिग्गज खिलाड़ी मनप्रीत सिंह का नाम आगामी एफआईएच प्रो लीग सत्र से पहले सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए चुने गए 33 संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल नहीं है। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को संभावित खिलाड़ियों की सूची घोषित की। प्रो लीग का सत्र अगले महीने राउरकेला में शुरू होगा।

कोच फुल्टोन ने कहा हॉकी इंडिया लीग के बाद हमें लगा कि टीम में बदलाव करने का यह सही समय है। हमने कुछ सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया है ताकि काम का बोझ संतुलित रहे, साथ ही उन खिलाड़ियों को भी मौका दिया है जिन्होंने अपनी मेहनत से यह मुकाम हासिल किया है। राउरकेला और होबार्ट में प्रो लीग के चरण चयन प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

**संभावित टीम**

**गोलकीपर :** पवन, सूरज करकेरा, मोहित शशिकुमार, प्रिंसदीप सिंह। **डिफेंडर :** अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, संजय, हरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, सुमित, पूवन्ना चंदूरा बॉबी, यशदीप सिवाच, नीलम संजीप ज़ेस, अमनदीप लाकड़ा। **मिडफील्डर :** राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, हार्दिक सिंह, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, विवेक सागर प्रसाद, विष्णु कांत सिंह, राज कुमार पाल, नीलकांता शर्मा, रोसन कुजूर। **फॉरवर्ड :** अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, मनदीप सिंह, अरजीत सिंह हुंदल, अंगद बीर सिंह, उत्तम सिंह, सेल्वम कार्थी, आदित्य अर्जुन, मनिंदर सिंह।

साक्षात्कार

भारतीय हॉकी की दीवार कही जाने वाली सविता पूनिया ने कहा-परिवार के बलिदान नहीं गए बेकार

## बारंबार अनदेखी के बाद पद्मश्री ने सारे मलाल मिटाए

**नई दिल्ली, एजेंसी**

भारतीय टीम में आने के बाद भी दस साल तक बेरोजगार रही, खेलरत्न के लिए बारंबार अनदेखी हुई लेकिन भारतीय हॉकी की दीवार कही जाने वाली सविता पूनिया ने हिम्मत नहीं हारी और अब पद्मश्री मिलने के बाद उन्हें खुशी है कि परिवार के बलिदान बेकार नहीं गए ।

तीन सौ से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली महिला हॉकी गोलकीपर सविता ने कहा मेरे परिवार ने मेरा संघर्ष देखा है और मेरी सफलता भी देखी है तो उनकी ख्वाहिश थी कि मुझे सम्मान मिलते भी देखे। पद्मश्री के लिये चुने जाने पर अब मेरा पूरा सफर फ्लैशबैक में घूम रहा है कि कहां से शुरू किया और कहां उतार चढाव आए। उन्होंने बताया कि 2003 में सातवीं कक्षा में पढ़ने के दौरान गांव के सरकारी स्कूल के शिक्षक के सुझाव पर पहली बार उनके पापा महेंद्र सिंह पूनिया सिरसा ट्रायल के लिये ले गए थे जहां उनका हॉकी में चयन हुआ।

सविता ने कहा मेरी मम्मी को गठिया बाव बीमारी थी और वह पूरी तरह से बिस्तर पर थी। मैं रसोई संभालती थी और नौकरी के साथ उनका पूरा काम पापा ही करते थे। ऐसे हालात में उन्होंने मुझे हॉकी खेलने के लिये भेजा। उस समय समझ नहीं आया लेकिन आज याद करती हूं तो उनके बलिदान समझ में आते हैं। वह भी ऐसे समय में जब लड़के और लड़कियों में इतना भेदभाव होता था। अपनी मां की हालत की वजह से सविता का मन हॉस्टल में नहीं लगा और उसने हॉकी छोड़ने का मन बना लिया लेकिन तत्कालीन कोच सुंदर सिंह खरब ने उन्हें गोलकीपर बनाने का सुझाव दिया लेकिन कहा कि गोलकीपिंग किट की व्यवस्था करनी होगी क्योंकि उनके पास दो ही किट का बजट था जो वे दे चुके थे। उस समय मेरे पापा ने 18000 रुपये में गोलकीपिंग किट खरीदी जो उनकी दो महीने की तनख्वाह थी। मैं उस दिन बहुत रोई क्योंकि मुझे पता था कि उन पैसों की क्या कीमत थी। मैंने उस दिन सोचा कि अब अपने माता-पिता के लिए भारतीय टीम में जगह बनाना है। मैं पापा को रिटर्न गिफ्ट देना चाहती थी। इसके बाद गोलकीपिंग ट्रेनिंग शुरू की और 2008 में पहली बार भारतीय टीम में चुनी गई जिसने उनके दादाजी को अलग तरह से प्रेरित किया। सिरसा से भारतीय टीम में आने वाली मैं पहली लड़की थी। अखबार में छपा था कि रणजीत सिंह पूनिया की पोती भारतीय टीम में चुनी गई। दादाजी पढ़े लिखे नहीं थे लेकिन उन्होंने 67 साल की उम्र पढ़ना सीखा ताकि वह खबर खुद पढ सकें।

### 10 वर्ष तक रहीं बेरोजगार, टूटने लगी थी हिम्मत

सविता ने कहा मैं 2008 में टीम में आई और 2018 तक बेरोजगार थी। वाकई हालात बहुत खराब थे चूंकि खेल में चोट का डर रहता है, उपकरण महंगे आते हैं। मुझे आज भी याद है जब मैं टीम के साथ पहली बार विदेश जा रही थी तब हवाई अड्डे पर पापा ने 5000 रुपये दिये और भाई ने कोने में ले जाकर दो हजार रुपये दिए जो वह अपने दोस्त से उधार लाया था। वह मेरे लिए दो लाख रुपये से कम नहीं थे। फिर 2018 में अर्जुन पुरस्कार मिला तो मेरी मां का पहला सवाल था कि क्या अब नौकरी मिल जाएगी। रिश्तेदार पूछते थे कि इतने साल से भारतीय टीम में है और अभी तक नौकरी नहीं मिली तो खेलने का क्या फायदा। पर परिवार का साथ मेरी प्रेरणा बना और मैने ठान लिया था कि कुछ बड़ा करना है।

### खेलरत्न मिलने की थी काफी उम्मीदें

पद्मश्री से पहले सविता को खेलरत्न पुरस्कार मिलने की काफी उम्मीदें थी पर इतनी उपलब्धियों के बावजूद इस बार भी सूची में नाम नहीं आने से उनका दिल टूट गया था। टोक्यो ओलंपिक के बाद से मैने तीन बार खेलरत्न के लिये आवेदन किया लेकिन मिला नहीं। मैं पुरस्कारों को लेकर उतना नहीं सोचती लेकिन जब मेरे समान उपलब्धियों पर दूसरों को मिलता है तो लगता है कि मुझे भी अपने परिवार को यह खुशी देनी है। इस साल बहुत उम्मीद थी पर जब नाम नहीं आया तो दिल टूट गया। मैं 300 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली महिला गोलकीपर बनी थी और लगातार तीन बार एफआईएच की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुनी गई। अब पद्मश्री मिलने के बाद दोनों परिवारों में खुशी का माहौल है। माता पिता को अर्जुन पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति भवन ले जाने वाली सविता अब ससुराल पक्ष को खुशी देना चाहती है।